दैनिक
भीम प्रज्ञा

PRGI No. RJHIN/25/A3844 डाक पंजीयन G/JJN/053/2024-26 Valid up to 31 dec. 2026

सम्यक, न्याय, स्वतंत्रता, समानता, बंधुता, एवं सामाजिक चेतना के लिए रचनात्मक पत्रकारिता

2009 से स्थापित

भीम प्रज्ञा अलर्ट

'जो हाथ कभी समाज का भविष्य गढ़ते थे, यदि वही हाथ उपेक्षा और अभाव में जीवन जीने को मजबूर हो जाएँ, तो यह केवल एक समुदाय की नहीं, बल्कि पूरे समाज की विफलता है। '

गांव के गुवाड़ से निकलकर प्रकाशित होने वाले दैनिक अखबार भीम प्रज्ञा की मजबूती के लिए पाठक बनिए और बनाइए अपनी प्रतिक्रिया दीजिए

हेल्पलाइन - 9983040937

Bheem Pragya publication
A/C No: 61347330768
IFSC Code- SBIN0031880
Phone pe , G-pay
9983040937

www.bheempragya.in | वर्ष-1 | अंक-203 | झुंझुनू (राजस्थान) | मंगलवार, 16 जून, 2026 | Email.bheempragya@gmail.com | पृष्ठ-8 | मूल्यः 5.00

सम्पादकीय

एडवोकेट हरेश पंवार

Contact No. 9983040937

मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है

'लुप्त होती लोहारों की कारीगरी : कबाड़ की फेरी तक सिमट गया गाड़िया लोहार समाज '

भारत की ग्रामीण संस्कृति केवल खेतों, खलिहानों और गांवों की चौपालों में ही नहीं बसती, बल्कि उन मेहनतकश समुदायों में भी जीवित रही है जिन्होंने अपने श्रम, कौशल और स्वाभिमान से समाज को आत्मनिर्भर बनाया। ऐसे ही समुदायों में गाड़िया लोहार समाज का नाम अत्यंत सम्मान के साथ लिया जाता है। कभी गांवों की अर्थव्यवस्था की रीढ़ माने जाने वाले ये कारीगर आज अपने पारंपरिक व्यवसाय के अस्तित्व को बचाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। बदलते समय, मशीनों के बढ़ते प्रभाव और बाजारवाद की आंधी ने उनकी सदियों पुरानी कारीगरी को लगभग हाशिये पर पहुंचा दिया है। भट्ठी की बुझती आग : लुप्त होती लोहार की कारीगरी और गाड़िया लोहारों की संघर्षगाथ के संदर्भ में यदि मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है।

गाड़िया लोहारों का इतिहास केवल एक कारीगर समुदाय का इतिहास नहीं है, बल्कि यह स्वाभिमान, संघर्ष और राष्ट्रभक्ति की एक प्रेरणादायक गाथा भी है। लोक मान्यताओं के अनुसार मेवाड़ के वीर शासक महाराणा प्रताप के संघर्षकाल में इस समुदाय ने उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर कार्य किया। युद्ध के लिए तलवारें, भाले, ढालें और अन्य हथियार तैयार करने में गाड़िया लोहारों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। कहा जाता है कि महाराणा प्रताप के स्वराज्य संघर्ष के दौरान इन लोगों ने भी संकल्प लिया था कि जब तक मेवाड़ की अस्मिता पूर्ण रूप से पुनर्स्थापित नहीं होगी, तब तक वे स्थायी रूप से घर नहीं बसाएंगे। यही कारण था कि पीढ़ियों तक उनका जीवन गाड़ियों पर चलता रहा और वे गांव-गांव घूमकर अपना व्यवसाय करते रहे। एक समय था जब किसी गांव में गाड़िया लोहारों का डेरा लगना एक सामान्य और आवश्यक सामाजिक घटना माना जाता था। उनके बैलगाड़ियों से सजे काफिले गांव के बाहर रुकते थे। उन गाड़ियों में उनका पूरा संसार बसता था–परिवार, बच्चे, पशु, घरेलू सामान और उनकी आजीविका का आधार बने औजार। गांव में पहुंचते ही वे अपना आरण (कार्यस्थल) तैयार करते, भट्ठी जलाते और चमड़े की धौंकनी से आग को तेज करते। लाल तपते लोहे पर जब हथौड़े की चोट पड़ती थी, तो उसकी आवाज केवल धातु पर पड़ने वाली चोट नहीं होती थी, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था की धड़कन होती थी। गाड़िया लोहार किसानों के लिए हल, फावड़ा, कुदाल, खुरपा, कुल्हाड़ी, कसी, दरांती और अन्य कृषि उपकरण तैयार करते थे। घरेलू उपयोग के लिए चिमटा, फुकनी, तवा, कढ़ाई और अनेक आवश्यक वस्तुएं बनाते थे। उनके बिना गांव का जीवन अधूरा माना जाता था। वे केवल उत्पादक नहीं थे, बल्कि ग्रामीण आत्मनिर्भरता के प्रतीक थे। लेकिन समय के साथ परिस्थितियां बदलती गईं। औद्योगीकरण और मशीनों के बढ़ते प्रभाव ने हस्तनिर्मित वस्तुओं की मांग कम कर दी। कारखानों में बड़े पैमाने पर बनने वाले कृषि उपकरण और घरेलू सामान सस्ते तथा आसानी से उपलब्ध होने लगे। बाजारों का विस्तार हुआ और गांवों तक फैक्ट्री निर्मित वस्तुएं पहुंचने लगीं। परिणामस्वरूप गाड़िया लोहारों की परंपरागत कारीगरी धीरे-धीरे अप्रासंगिक होती चली गई। आज स्थिति यह है कि जिन हाथों ने कभी तलवारें और हल बनाए थे, वे अनेक स्थानों पर कबाड़ इकट्ठा करने या छोटे-मोटे असंगठित कार्यों तक सीमित हो गए हैं। कुछ परिवारों ने मजदूरी अपनाई, कुछ ने छोटे व्यवसाय शुरू किए और कुछ शहरों की ओर पलायन कर गए। यह केवल आर्थिक बदलाव नहीं है, बल्कि एक संपूर्ण सांस्कृतिक विरासत के क्षरण की कहानी है। गाड़िया लोहार समुदाय की अपनी विशिष्ट संस्कृति रही है। उनकी भाषा, बोली, पहनावा, खान-पान और सामाजिक संगठन उन्हें अन्य समुदायों से अलग पहचान देते रहे हैं। सामुदायिक पंचायती व्यवस्था, परंपरागत नियम-कायदे और सामाजिक अनुशासन आज भी उनके जीवन का हिस्सा हैं। उनकी लोककथाएं, गीत और जीवन शैली भारतीय लोक संस्कृति की अमूल्य धरोहर हैं। दुर्भाग्य से नई पीढ़ी के सामने रोजगार और आधुनिक जीवन की चुनौतियां इतनी बड़ी हो गई हैं कि इन सांस्कृतिक मूल्यों का संरक्षण कठिन होता जा रहा है।

यह भी सच है कि आधुनिकता को रोका नहीं जा सकता। समाज को विकास के साथ आगे बढ़ना ही होगा। लेकिन विकास का अर्थ यह नहीं होना चाहिए कि हम अपने पारंपरिक कारीगरों और उनकी विरासत को भुला दें। जिन समुदायों ने सदियों तक समाज की जरूरतें पूरी की, उनके ज्ञान, कौशल और सांस्कृतिक पहचान को संरक्षित करना भी हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। आज आवश्यकता है कि गाड़िया लोहारों की पारंपरिक धातु कला और हस्तशिल्प को नए बाजारों से जोड़ा जाए। सरकार, सामाजिक संस्थाएं और शैक्षणिक संगठन इस दिशा में पहल करें। उनके पारंपरिक कौशल का दस्तावेजीकरण हो, प्रशिक्षण केंद्र स्थापित किए जाएँ और आधुनिक डिजाइन के साथ उनकी कला को पुनर्जीवित करने का प्रयास किया जाए। ग्रामीण पर्यटन, हस्तशिल्प मेले और सांस्कृतिक उत्सव उनके लिए नए अवसर प्रदान कर सकते हैं। साथ ही, समाज को भी यह समझना होगा कि किसी समुदाय का महत्व केवल उसकी आर्थिक उपयोगिता से नहीं आंका जा सकता। गाड़िया लोहारों ने भारतीय ग्रामीण जीवन को आकार देने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उन्होंने खेतों को औजार दिए, घरों को आवश्यक उपकरण दिए और युद्ध के समय राष्ट्र की रक्षा के लिए हथियार बनाए। उनका इतिहास श्रम, स्वाभिमान और आत्मनिर्भरता का इतिहास है। आज जब गांवों में गाड़िया लोहारों की भट्ठियाँ कम दिखाई देती हैं और हथौड़े की वह परिचित आवाज सुनाई नहीं देती, तब यह प्रश्न स्वाभाविक है कि क्या हम अपनी सांस्कृतिक स्मृतियों को खोते जा रहे हैं? यदि हम समय रहते इन समुदायों की विरासत को संरक्षित नहीं करेंगे, तो आने वाली पीढ़ियाँ केवल पुस्तकों में उनका नाम पढ़ेंगी, लेकिन उनकी जीवंत संस्कृति को कभी नहीं देख पाएँगी। गाड़िया लोहार केवल एक जाति नहीं, बल्कि भारतीय लोकजीवन की एक चलती-फिरती विरासत हैं। उनकी बुझती भट्ठियों की आग को फिर से प्रज्वलित करना केवल उनके अस्तित्व का प्रश्न नहीं, बल्कि हमारी सांस्कृतिक चेतना और ऐतिहासिक जिम्मेदारी का भी प्रश्न है।

कॉकरोच जनता पार्टी ने जयपुर में किया प्रदर्शन

भीम प्रज्ञा न्यूज

जयपुर। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) द्वारा सोमवार 15 जून को राजधानी जयपुर स्थित शहीद स्मारक पर विरोध प्रदर्शन किया गया, जिसमें प्रदेशभर से बड़ी संख्या में युवा, बेरोजगार, विद्यार्थी, अभिभावक, शिक्षाविद एवं सामाजिक कार्यकर्ता शामिल हुए। शांतिपूर्ण आयोजित इस प्रदर्शन में शिक्षा व्यवस्था में व्याप्त अव्यवस्थाओं, बढ़ती बेरोजगारी, भर्ती परीक्षाओं में लगातार हो रहे पेपर लीक, युवाओं के साथ हो रहे अन्याय और जनहित से जुड़े विभिन्न मुद्दों को प्रमुखता से उठाया गया। इस प्रदर्शन में कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अभिजीत दीपके, पूर्व पत्रकार संजय, राष्ट्रीय प्रवक्ता आशुतोष रांका, पार्टी के मीडिया प्रभारी अभिषेक जैन बिट्टू, प्रदर्शन के संयोजक दीपक बालियान, रेखा शर्मा, रोशन मुंडोतिया, गीगराज जोड़ली, बेरोजगारों के नेता इरा बॉस, संयुक्त अभिभावक संघ के प्रदेश अध्यक्ष अरविंद अग्रवाल सहित अनेक सामाजिक कार्यकर्ता एवं जनप्रतिनिधि शामिल हुए। इस मौके पर अभिजीत दीपके ने कहा कि देश और प्रदेश का युवा आज अपने भविष्य को लेकर चिंतित है इसलिए सरकारों को शिक्षा, रोजगार और पारदर्शी भर्ती प्रक्रियाओं के प्रति गंभीरता दिखानी होगी। उन्होंने कहा कि यह आंदोलन किसी राजनीतिक स्वार्थ का नहीं बल्कि युवाओं के

अधिकारों और भविष्य की सुरक्षा का आंदोलन है। प्रदर्शन में जयपुर के नीरजा मोदी स्कूल प्रकरण में जान गंवाने वाली छात्रा अमायरा के परिजन भी शामिल हुए। उन्होंने विद्यार्थियों की सुरक्षा, मानसिक स्वास्थ्य और शैक्षणिक संस्थानों की जवाबदेही सुनिश्चित करने की मांग उठाई। वहीं सीकर जिले की उदयपुरवाटी तहसील से भी बड़ी संख्या में लोग पहुंचे, जहां नीट परीक्षा की तैयारी कर रहे छात्र प्रदीप मेघवाल की मृत्यु से जुड़े मामले को उठाते हुए युवाओं के भविष्य और परीक्षा प्रणाली की विश्वसनीयता पर चिंता जताई गई। उपस्थित परिजनों और युवाओं ने शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने की मांग की। पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता आशुतोष रांका ने कहा कि यह आंदोलन किसी एक व्यक्ति या संगठन का नहीं बल्कि देश के करोड़ों युवाओं, विद्यार्थियों और अभिभावकों की आवाज है। जब तक शिक्षा और रोजगार से जुड़े मुद्दों पर ठोस और प्रभावी समाधान नहीं निकलते तब तक जनजागरण और लोकतांत्रिक संघर्ष जारी रहेगा। प्रदर्शन के दौरान अभिजीत दीपके ने घोषणा की है कि आगामी 20 जुलाई से नई दिल्ली स्थित जंतर-मंतर पर अनिश्चितकालीन धरना शुरू किया जाएगा। उन्होंने देशभर के युवाओं, विद्यार्थियों, अभिभावकों, शिक्षकों एवं जागरूक नागरिकों से बड़ी संख्या में शामिल होने का आह्वान करते हुए कहा कि यह संघर्ष शिक्षा, रोजगार, पारदर्शिता और युवाओं के सम्मान की लड़ाई को राष्ट्रीय स्तर पर मजबूती प्रदान करेगा। मीडिया अभिषेक जैन बिट्टू ने बताया कि प्रदर्शन शांतिपूर्ण एवं अनुशासित तरीके से सम्पन्न हुआ और पार्टी कार्यकर्ताओं ने पुलिस प्रशासन द्वारा निर्धारित सभी नियमों की पालना करते हुए पूरा सहयोग प्रदान किया। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम के दौरान कुछ व्यक्तियों द्वारा व्यवधान उत्पन्न करने का प्रयास किया गया परंतु कार्यकर्ताओं ने संयम और सूझबूझ का परिचय देते हुए स्थिति को नियंत्रित रखा और प्रदर्शन को शांतिपूर्वक सम्पन्न कराया। उन्होंने कहा कि इस प्रदर्शन में शामिल अनेक युवाओं ने कानून व्यवस्था और सुरक्षा प्रबंधन को लेकर अपनी अपेक्षाएं व्यक्त कीं और संबंधित प्रशासनिक व्यवस्थाओं के प्रति असंतोष भी जताया। इसके बावजूद पूरे कार्यक्रम का संचालन लोकतांत्रिक एवं शांतिपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुआ।

केटीएसएस कार्यकर्ताओं की हुई बैठक: ठेका कर्मियों के बच्चों के लिए स्कॉलरशिप, मुल वेतन का 15 प्रतिशत बढौत्तरी पर हुआ समझौता

भीम प्रज्ञा न्यूज.खेतड़ीनगर।

हर्ष स्वामी । केटीएसएस कार्यालय में सोमवार शाम को कार्यकर्ताओं की बैठक हुई। एसएन गर्वा, जगदीश प्रसाद मीणा, रामसिंह शेखावत की अध्यक्ष मंडल में बैठक का आयोजन हुआ। बैठक के दौरान हिन्दुस्तान कॉपर लिमिटेड के कोलकात्ता मुख्यालय में आयोजित दो दिवसीय एनजेसीसी की मीटिंग में लिए गए निर्णयों को लेकर चर्चा की गई। केटीएसएस महासचिव बिड़दूराम सैनी ने बताया कि कोलकाता में 11 व 12 जून को एनजेसीसी की बैठक में स्थाई एवं ठेका कामगारों की मांगों को लेकर विचार विमर्श हुआ। जिसमें वेतन समझौते में कामगारों को ग्रेच्युटी का भुगतान 1 नवंबर 2017 से दस से 20 लाख रुपए तथा 50 प्रतिशत डीए होने की स्थिति में 1 अक्टूबर 2025 से 20 से 25 लाख रुपए तक किया गया। एक जून 2026 तक रिटायर हुए कामगारों का भुगतान 31 अक्टूबर तक करने, प्रति वर्ष एसग्रेसियाइस राशी मिलती थी

उसकी एनवल परफॉर्मेस अवार्ड स्कीम 2026 बनाई गई है, जिसमें कंपनी में उत्पादित एमआईसी तथा बेचे गए एमआईसी डवलपमेंट व टेक्स के पहले के लाभ का तीन वर्ष के एवरेज के आधार पर भुगतान किया जाएंगा। इस स्कीम वर्ष 25-26 के आधार पर दिवाली से पहले भुगतान करने का निर्णय लिया गया है। उन्होंने बताया कि कंपनी में एक ही भर्ती व पदोन्नती के नियम बनाए जाएंगे। इसी प्रकार ठेका कर्मियों के लिए मूल न्यूनतम वेतन का 15 प्रतिशत राशी विशेष राहत के रूप में एक जून से ठेकाकर्मियों को दी जाएंगी, इसी प्रकार ठेका कर्मचारियों को कैंटिन अलाउंस दस रूपए से बढा कर एक जून से 20 करने, ठेका कामगारों के बच्चों के लिए छात्रवृत्ति योजना की घोषणा की गई, इसके तहत 10वीं उत्तीर्ण विद्यार्थियों को 2100 तथा 12वीं उत्तीर्ण विद्यार्थियों को 5100 की सहायता राशि दी जाएगी। सैनी ने बताया कि एचसीएल में औद्योगिक संबंध संहिताएं एवं नियमों के तहत बने मॉडल स्टैंडिंग ऑर्डर को मानकर कंपनी में एक समान मॉडल स्टैंडिंग ऑर्डर लागू करने पर सहमति बनी। सैनी ने बताया कि एचसीएल के इतिहास में इस प्रकार का पहला समझौता हुआ है जिससे स्थाई कर्मचारियों के साथ-साथ ठेका कामगारों की मांगों पर भी विचार किया गया। इस दौरान सचिव बाबूलाल, कोलिहान शाखा अध्यक्ष तेजपाल, हरीसिंह ने भी संबोधित किया। संचालन ओमप्रकाश ने किया। इस मौके पर स्थाई कर्मचारी एवं ठेका कामगारों ने भाग लिया।

डॉ सुधा पोद्दार जाजोदिया बनी मानवाधिकार सहयोग संघ की प्रदेश शिक्षा सलाहकार

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।

मानवाधिकार सहयोग संघ के नारी शक्ति प्रकोष्ठ, राजस्थान ने प्रदेश महामंत्री श्रीमती कनक गुप्ता की अनुशंसा पर शिक्षाविद डॉ. सुधा पोद्दार जाजोदिया को प्रदेश शिक्षा सलाहकार पद पर नियुक्ति प्रदान की। संघ के संस्थापक अध्यक्ष बी. एस. चौधरी एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष ओमप्रकाश बागला ने शिक्षा के क्षेत्र में गत 22 वर्षों से सक्रिय योगदान देने वाली डॉ. सुधा की योग्यता, कर्मठता और सेवाभावना को देखते हुए इस महत्त्वपूर्ण पद पर नियुक्ति प्रदान की। डॉ. सुधा प्रदेश,जिला एवं तहसील स्तर पर अनेक संस्थाओं में महत्वपूर्ण पदों पर कार्य करते हुए सामाजिक सरोकारों से जुड़ी हुई है। डॉ सुधा ने अपनी इस नियुक्ति पर राष्ट्रीय नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए समाज हित में अपना सर्वोत्कृष्ट देने का वचन दोहराया।

पंडित कौशल दत्त शर्मा संस्कृत गौरव सम्मान से सम्मानित

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।

भारत की समृद्ध संस्कृत परंपरा एवं वैदिक ज्ञान के संवर्धन में उल्लेखनीय योगदान के लिए शेखावाटी अंचल के विद्वान पंडित कौशल दत्त शर्मा नीमकाथाना को प्रतिष्ठित संस्कृत गौरव सम्मान से सम्मानित किया गया। यह सम्मान चौमूं स्थित होटल ओसियन ब्ल्यू में आयोजित विद्वत् सम्मान समारोह 2026 के दौरान प्रदान किया गया।कार्यक्रम का आयोजन देश की सुप्रसिद्ध संस्था विराज फाउण्डेशन द्वारा किया गया। समारोह में पूर्व कुलपति प्रो. अर्कनाथ चौधरी, प्रो. ताराशंकर पाण्डेय, राजस्थान सरकार के विप्र कल्याण बोर्ड की पूर्व अध्यक्षा मंजू शर्मा, कार्यक्रम संयोजक एवं वेद-वेदांग प्रकोष्ठ की प्रान्तीय अध्यक्षता से जुड़े प्रो. अरुण कुमार शर्मा, विराज फाउण्डेशन के प्रदेशाध्यक्ष भुवनेश तिवाड़ी तथा अनेक संत-महंतों के कर-कमलों से पंडित कौशल दत्त शर्मा को अभिनंदन पत्र एवं सम्मान प्रदान किया गया।सम्मान प्राप्ति के पश्चात पंडित कौशल दत्त शर्मा ने इसे अपने गुरुओं, संत-महंतों एवं शुभचिंतकों का आशीर्वाद बताते हुए सभी के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह सम्मान संस्कृत भाषा, वैदिक संस्कृति और सनातन परंपराओं के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए निरंतर कार्य करने की प्रेरणा प्रदान करेगा।समारोह में राजस्थान के अनेक ज्येष्ठ, श्रेष्ठ एवं वरिष्ठ विद्वानों की गरिमामई उपस्थिति रही तथा उपस्थित जनों ने कार्यक्रम को संस्कृत एवं भारतीय ज्ञान परंपरा के गौरव को समर्पित एक अद्भुत, अकल्पनीय और अभूतपूर्व आयोजन बताया।

टोडपुरा सरस्वती माध्यमिक विद्यालय में अग्निवीरों का हुआ सम्मान अग्निवीर भर्ती में हुए जवानों का फूल माला पहनाकर किया सम्मान

अग्निवीरभर्ती में चयन हुए जवानों ने भेरुजी महाराज के लगाई धोक, मांगी मन्नत

भीम प्रज्ञा न्यूज.उदयपुरवाटी

सुमेर मीणा । निकटवर्ती टोडपुरा गांव में स्थित सरस्वती माध्यमिक विद्यालय के प्रांगण में अग्नि वीर सेना में भर्ती हुए जवानों का फूल माला पहनाकर व शेखावाटी परंपरा के अनुसार चुनरी का साफा पहनाकर जोरदार स्वागत किया गया। आपको बता दें कि टोडपुरा ग्राम पंचायत के 17 होनहार जवानों का अग्नि वीर सेना में चयन हुआ है द्य विद्यालय के प्रधानाध्यापक राजेंद्र सैनी व डायरेक्टर फतेहचंद सैनी ने अग्निवीर सेना में भर्ती हुए नए जवानों की हौसला अफजाई के लिए कहां की टोडपुरा गांव का तो इन लाडले बेटों ने नाम रोशन किया ही किया है साथ ही सरस्वती माध्यमिक विद्यालय का भी नाम रोशन किया है द्य विद्यालय के प्रधानाध्यापक राजेंद्र सैनी व डायरेक्टर फतेहचंद सैनी ने इन जवानों को सेना में भर्ती होने पर बधाई दी है द्य सरस्वती माध्यमिक विद्यालय से टोडपुरा भेरुजी बणी तक सेना में भर्ती हुए नए जवानों की हौसला अफजाई के लिए रैली निकाली गई द्य भेरुजी बणी में स्थित भेरुजी महाराज के सेना में भर्ती हुए जवानों ने धोक लगाकर मन्नत मांगी द्य सरस्वती माध्यमिक

विद्यालय के मैनेजिंग डायरेक्टर विजेंद्र सैनी ने सभी आगंतुक महानुभावों का आभार व्यक्त किया द्य इस दौरान टोडपुरा के पूर्व सरपंच पंकज मीणा, द्वारका प्रसाद बाबूजी, कन्हैयालाल फौजी, सज्जन सोनी, गिरधारी लाल मेघवाल, रामनिवास सैनी, भोमाराम, देवी लाल सैनी, धीर सिंह सैनी, राजेश सैनी ,सोहनलाल चुनवाल, श्रीराम आडतिया, रामु महाराज सहित कई लोग मौजूद रहेंद्य

बिसाऊ रेलवे स्टेशन का डीआरएम ने किया बारीकी से निरीक्षण

बोलें- जल्द शुरू होगा प्लेटफॉर्म ऊंचाई बढ़ाने व एफओबी निर्माण कार्य

भीम प्रज्ञा न्यूज.बिसाऊ।

चूरू से जयपुर रेलखंड के निरीक्षण के तहत सोमवार दोपहर मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) अपनी टीम के साथ निरीक्षण यान से बिसाऊ रेलवे स्टेशन पहुंचे। इस दौरान डीआरएम सहित अन्य रेलवे अधिकारियों ने स्टेशन का बारीकी से निरीक्षण किया। स्टेशन अधीक्षक राजेंद्र कुमार, स्टेशन मास्टर, रामजीलाल सामौता, ने निरीक्षण कार्य में सहयोग किया। निरीक्षण के दौरान समाज सेवी ऋषि राज सोनी ने

केन्द्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव के नाम बिसाऊ रेलवे स्टेशन पर रेल ठहराव अमृत भारत योजना के लिए अनुमति सहित प्रयागराज, कोटा सिरसा, बीकानेर बान्द्रा, गंगानगर लक्ष्मीबाई नगर का ठहराव, बीकानेर इंटरसिटी का ठहराव, चूरू जयपुर के बीच डेमू चलाने, प्लेटफार्म की ऊंचाई बढ़ाने, एफओबी बनाने, कोच डिस्प्ले बोर्ड लगाने, बिसाऊ मंडावा झुंझुनू तक रेल लाइन डालने की मांग को लेकर एवं चुंगी नाका बस स्टैंड के व्यापारियों ने व्यापार मंडल अध्यक्ष सुभाष चंद्र खटीक के नेतृत्व में विभिन्न मांगों को लेकर डीआरएम रवि जैन को ज्ञापन सौंपा।

डीआरएम रवि जैन ने बताया कि चूरू से जयपुर तक के रेलखंड का निरीक्षण किया जा रहा है। बिसाऊ रेलवे स्टेशन पर कई विकास कार्य प्रस्तावित हैं, जिनमें प्लेटफॉर्म की ऊंचाई बढ़ाना और फुट ओवर ब्रिज (एफओबी) का निर्माण प्रमुख हैं। इन कार्यों की तैयारियों और उन्हें जल्द शुरू करने की संभावनाओं का जायजा लिया गया है। बिसाऊ स्टेशन पर ट्रेनों के ठहराव की मांग को लेकर डीआरएम ने कहा कि रेलवे के निर्धारित मानकों के अनुसार यात्री संख्या, टिकट बिक्री और राजस्व का आकलन किया जाता है। इन्हीं मानकों के आधार पर किसी ट्रेन के ठहराव का निर्णय लिया जाता है। मांग और आवश्यकता के अनुसार भविष्य की योजना बनाई जाती है। उन्होंने कहा कि यह एक नियमित निरीक्षण था और इसका उद्देश्य स्टेशन पर यात्रियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने तथा स्टेशन के समग्र विकास की संभावनाओं का आकलन करना है। व्यापार मंडल अध्यक्ष सुभाष खटीक ने बताया कि ज्ञापन के माध्यम से बिसाऊ स्टेशन पर प्रयागराज एक्सप्रेस और जयपुर इंटरसिटी के ठहराव, चूरू-जयपुर के बीच ट्रेनों की संख्या बढ़ाने, प्लेटफॉर्म की ऊंचाई बढ़ाने और फुट ओवर ब्रिज निर्माण की मांग रखी गई। डीआरएम ने प्लेटफॉर्म की ऊंचाई बढ़ाने तथा एफओबी के निर्माण कार्य को जल्द शुरू कराने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर चुंगी नाका व्यापार मंडल के महामंत्री विनीत दाधीच, इमरान खान आदि मौजूद रहे।

घर की बालकनी में लगा दिए ये 4 पौधे, तो खुशबू से महक उठेगा आपका पूरा घर

घर को खूबसूरत बनाने के लिए लोग बहुत मेहनत करते हैं और अब आप अपने घर को खुशबू से भी महका सकते हैं। जी हां, अगर आप चाहते हैं कि आपका घर न केवल देखने में सुंदर हो बल्कि उसमें खुशबू भी फैले तो आपको अपनी बालकनी में कुछ खास पौधे लगाने चाहिए। इन खुशबूदार पौधों से ना केवल आपके घर की खूबसूरती बढ़ेगी, बल्कि इनकी महक से आपका मन भी प्रसन्न रहेगा। आइए जानते हैं, ऐसे चार खुशबूदार पौधों के बारे में जिन्हें आप अपनी बालकनी में लगा सकते हैं।

मोगरे का पौधा

अगर आप अपनी बालकनी में मोगरे का पौधा लगाते हैं, तो इसके फूलों की खुशबू पूरे घर में फैल जाएगी। मोगरे के फूलों की सुगंध इतनी प्यारी और मधुर होती है कि यह किसी को भी आकर्षित कर सकती है। मोगरे का पौधा बालकनी में लगाने से आपके घर के हर कोने में उसकी खुशबू पहुंच जाएगी, चाहे वह मेन दरवाजा हो या पीछे का दरवाजा। इसकी खुशबू आपके घर को एक अलग ही माहौल देगी।

चमेली का पौधा

चमेली के फूलों की खुशबू बहुत ही मनमोहक होती है। जब आप अपनी बालकनी में चमेली का पौधा लगाते हैं, तो यह आपके पूरे घर को महकाने में मदद करता है। चमेली के फूलों की महक आपके दिन को बेहतर बना सकती है और आपको ताजगी का अहसास करवा सकती है। इसे आप किसी सुंदर गमले में लगाकर अपनी बालकनी के किनारे पर रख सकते हैं। इस पौधे के फूलों से आपके घर में एक नई ऊर्जा और खुशबू का अहसास होगा।

रजनीगंधा का पौधा

रजनीगंधा के फूलों की खुशबू खासतौर पर रात के समय और भी ज्यादा तेज हो जाती है। रात के समय इसकी सुगंध इतनी ताजगी से भरी होती है कि आपको एक आरामदायक और चैन की नींद आती है। रजनीगंधा का पौधा बालकनी में रखने के साथ-साथ आप इसे घर के अंदर भी रख सकते हैं। इस पौधे को छायादार जगह पर भी लगाया जा सकता है, और यह कम रोशनी में भी अच्छी तरह से पनपता है। इसकी खुशबू आपके घर के वातावरण को शांति और सुखमय बना सकती है।

गुलाब का पौधा

गुलाब के फूलों की खुशबू बहुत ही लुभावनी होती है। गुलाब का पौधा आपके घर की बालकनी में लगाए तो यह न केवल आपके घर को महकाएगा, बल्कि घर की सुंदरता भी बढ़ाएगा। गुलाब के विभिन्न रंगों के फूल आपकी बालकनी को और भी खूबसूरत बना सकते हैं। गुलाब के फूलों की महक से पूरा घर महक उठेगा और यह आपकी हर एक सांस में समा जाएगी। गुलाब का पौधा किसी भी प्रकार के मौसम में बहुत अच्छे से पनपता है और यह आपके घर को ताजगी से भर सकता है।

खुशबू का मानसिक और शारीरिक प्रभाव

इन पौधों की खुशबू आपके मूड को भी फ्रेश कर सकती है। इनकी महक से आपका मानसिक तनाव कम हो सकता है और एक सुखद माहौल बन सकता है। जब आप इन पौधों के बीच बैठते हैं तो यह न केवल आपके घर को खुशबूदार बनाएंगे, बल्कि यह आपके जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार भी करेंगे। यह पौधे आपके घर में न केवल ताजगी और खूबसूरती लाते हैं, बल्कि आपके मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य को भी लाभ पहुंचाते हैं।

आप इन चार पौधों को अपनी बालकनी में लगाकर घर को न केवल खूबसूरत बना सकते हैं, बल्कि इनकी खुशबू से आपका मन भी शांत रहेगा। तो अपनी बालकनी में इन पौधों को लगाकर अपने घर को खुशबूदार बनाएं और हर दिन एक ताजगी का अनुभव करें।

अनारकली सूट में दिखना है स्टनिंग तो अपनाएं ये फैशन हैक्स

अनारकली सूट के साथ दुपट्टा कैरी करते समय थोड़ा स्मार्टली प्ले करें। मसलन, अगर अनारकली पर हैवी एंब्रायडरी है, दुपट्टा लाइट रखें। वहीं, अगर अनारकली सिंपल या एक रंग की है, तो उस पर बनारसी, फुलकारी, गोटा-पट्टी या मिरर वर्क वाला दुपट्टा बहुत अच्छा लगता है।

जब भी किसी वेडिंग फंक्शन या फैमिली पार्टी के लिए तैयार होने की बात होती है तो अक्सर हम सभी एथनिक वियर पहनना पसंद करती है। इन एथनिक वियर में अनारकली सूट भी एक बेहतरीन एथनिक वियर ऑप्शन माना जाता है। यह एक ऐसा आउटफिट है, जो आपको एलीगेंट लेकिन रॉयल लुक देता है और शायद यही वजह है कि हर लड़की की वार्डरोब में अनारकली सूट होता ही है। यूं तो अनारकली सूट को ऐसे ही कैरी किया जा सकता है। लेकिन अगर इसके साथ कुछ आसान फैशन हैक्स को अपनाया जाए तो आप एक ही सूट को हर बार एक अलग तरह से कैरी कर सकती हैं। इतना ही नहीं, सिंपल सा अनारकली सूट भी आपके लुक को काफी एन्हॉन्स कर सकता है। अनारकली सूट को स्टाइल करते समय बस आपको कुछ छोटे-छोटे टिप्स पर ध्यान देने की जरूरत है, जिसके बारे में आज हम आपको इस लेख में बता रहे हैं-

दुपट्टे को यूं करें स्टाइल

अनारकली सूट के साथ दुपट्टा कैरी करते समय थोड़ा स्मार्टली प्ले करें। मसलन, अगर अनारकली पर हैवी एंब्रायडरी है, दुपट्टा लाइट रखें। वहीं, अगर अनारकली सिंपल या एक रंग की है, तो उस पर बनारसी, फुलकारी, गोटा-पट्टी या मिरर वर्क वाला दुपट्टा बहुत अच्छा लगता है। आप दुपट्टे को एक तरफ कंधे पर पिन कर दो और दूसरी तरफ ढीला छोड़ दो। इससे एक रॉयल लुक मिलता है। या फिर अगर आप चाहें तो कमर पर बेल्ट लगाकर दुपट्टा फिक्स किया जा सकता है। यह ना केवल स्टाइलिश लगता है, बल्कि दुपट्टे को मैनेजर करना भी आसान हो जाता है।

फुटवियर पर करें फोकस

जब आप अनारकली सूट पहन रही हैं तो उसके साथ हील्स को जरूर पहनें। फ्लैट्स से अनारकली में आपकी हाइट कम महसूस हो सकती है। अगर आप पेंसिल हील्स पहनने में कंफर्टेबल नहीं है तो ऐसे में ब्लॉक हील्स, मोजड़ी हील्स या कोल्हापुरी वेजेस पहने जा सकते हैं। वहीं, अगर आपको इसे लंबे टाइम तक पहनना है, तो कुशन वाले प्लेटफॉर्म हील्स को चुना जा सकता है। यह आपको कंफर्ट और ग्रेस दोनों देगा।

समझदारी से स्टाइल करें ज्वेलरी

अनारकली सूट के साथ एक्सेसरीज को थोड़ा स्मार्टली कैरी करना चाहिए। मसलन, अगर अनारकली सूट की नेकलाइन हाई है तो ऐसे में नेकपीस पहनने से बचें। इसकी जगह बस आप बड़े झुमके या चांदबालियां स्टाइल कर लें। वहीं, अगर नेकलाइन डीप है, तो सिंपल पेंडेंट और छोटे स्टड्स भी काफी अच्छे लगते हैं। इसके अलावा, दोनों हाथों को चूड़ियों से भरने की गलती ना करें। एक हाथ में स्टेटमेंट कड़ा रखो, दूसरे में वॉच।

अब मलाई से घी बनाना नहीं झंझट वाला काम, जानिए 2 मिनट की आसान ट्रिक

आज के समय में खाने-पीने की चीजों में मिलावट आम बात हो गई है। बाजार में मिलने वाला घी कितना शुद्ध है ये जानना मुश्किल हो गया है। इसलिए लोग अब कोशिश करते हैं कि जो चीज घर पर बन सके, उसे घर में ही तैयार करें। खासकर महिलाएं जो शुद्धता को लेकर ज्यादा सजग होती हैं वो मलाई से घर का घी बनाना पसंद करती हैं। हालांकि कई लोगों को लगता है कि मलाई से घी निकालना एक लंबा और झंझट भरा काम है। लेकिन अगर सही तरीका अपनाया जाए तो ये काम न सिर्फ आसान बल्कि बहुत जल्दी हो सकता है।

हाल ही में एक ऐसी ट्रिक सामने आई है, जिससे सिर्फ 2 मिनट में घी निकाला जा सकता है वो भी बिना ज्यादा झंझट के।

कैसी मलाई लेनी चाहिए घी बनाने के लिए?

घी बनाने के लिए मलाई का सही होना सबसे जरूरी है। गीता चौधरी बताती हैं कि आपको 5 से 6 दिन पुरानी मलाई लेनी चाहिए। इससे ज्यादा पुरानी मलाई का इस्तेमाल ना करें, क्योंकि इससे घी की गुणवत्ता प्रभावित हो सकती है। आप चाहें तो हर दिन दूध उबालकर थोड़ा ठंडा करके फ्रिज में रखें, जिससे ऊपर एक अच्छी परत मलाई की जम जाती है। यही सबसे बढ़िया तरीका है ताजा मलाई इकट्ठा करने का।

मलाई को गर्म करने का सही तरीका

जब आपके पास पर्याप्त मलाई इकट्ठा हो जाए, तो उसे एक गहरे बर्तन में निकाल लें। अब इस मलाई को एक चम्मच से अच्छे से मिला लें ताकि जो भी गांठें बनी हों वो हट जाएं। इसके बाद, मलाई को हल्का सा गर्म करें बिलकुल उतना जितना दही जमाने के लिए दूध गर्म किया जाता है। इसका मकसद है मलाई को थोड़ा मुलायम और तैयार करना।

अब लगाएं दही जमाने वाली ट्रिक

इस स्टेप को खास मानती हैं। वे कहती हैं गर्म की गई मलाई में अब थोड़ा छाछ या जामन मिलाएं। जामन मिलाते वक्त ध्यान रखें कि मलाई ज्यादा गर्म ना हो सिर्फ इतनी गर्म हो कि आपकी उंगली उसमें आराम से जा सके। गीता ने बताया कि उन्होंने लगभग 2.5 चम्मच छाछ डाली थी। अगर आपकी छाछ खट्टी है, तो 2 चम्मच ही काफी होगी। अब इस बर्तन को 5-6 घंटे या पूरी रात के लिए ढक कर रख दें। इससे यह दही की तरह जम जाएगी।

2 मिनट में मक्खन कैसे निकालें?

जब मलाई दही की तरह जम जाए, तब आपको ज्यादा मेहनत नहीं करनी। जमने के बाद इस दही में ठंडा पानी और बर्फ डाल दें। अब लकड़ी की मथनी (या रवी/चरणी) से इसे मथें। ध्यान रहे, आपको मिक्सर चलाने की कोई जरूरत नहीं पड़ेगी। सिर्फ 2 मिनट मथने के बाद, मक्खन और छाछ अलग हो जाएंगे। यह तरीका खास तौर पर गर्मियों के मौसम में बेहद फायदेमंद है क्योंकि इसमें ना ज्यादा वक्त लगता है, ना ही आपको किचन की गर्मी में पसीना बहाना पड़ता है।

अब घी बनाने की बारी

मक्खन तैयार हो जाने के बाद अब आखिरी स्टेप घी निकालने की है। मक्खन को एक गहरे बर्तन में डालें और धीमी आंच पर गर्म करें। थोड़ी ही देर में शुद्ध घी तैयार हो जाएगा, जिसे आप छानकर स्टोर कर सकती हैं। इस ट्रिक से बनाए गए घी को कोई पहचान नहीं सकता कि ये मलाई से निकाला गया है या बाजार से खरीदा गया है। साथ ही, एक और आसान तरीका है कुकर में घी बनाना, जो तेज और सुरक्षित रहता है। मलाई से घी निकालना अगर सही तरीके से किया जाए, तो यह न तो समय लेने वाला है और न ही झंझट वाला।

19वीं राज्य रैंक व महिला वर्ग में 5वां स्थान हासिल कर शिखा सैनी बनी प्रेरणा स्रोत

शिखा सैनी के सम्मान में आयोजित हुआ नागरिक अभिनंदन समारोह

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।

राजस्थान में 19वीं व महिला वर्ग में 5वीं रैंक हासिल कर ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल कर कीर्तिमान स्थापित करते हुए रिकॉर्ड कायम करने वाली शिखा सैनी का महात्मा ज्योतिबा फुले छात्रावास लक्ष्मनगढ में रविवार को गरिमामय समारोह में अभिनंदन किया गया।

राजस्थान लोक सेवा आयोग अजमेर द्वारा वरिष्ठ अध्यापक गणित के घोषित परिणाम में विशेष योग्यता व अनुकरणीय उपलब्धि हासिल कर राज्य में 19वीं वीं रैंक व राजस्थान महिला वर्ग में 5वीं रैंक प्राप्त कर प्रदेश में कीर्तिमान स्थापित करने वाली शहीद दयाचंद राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय रहनावा माधोपुरा में पदस्थापित शिक्षक व माताजी की ढाणी नवलगढ़ निवासी गोरधन सैनी की सुपुत्री शिखा सैनी की शानदार सफलता व विशेष उपलब्धि हासिल करने व कीर्तिमान स्थापित कर रिकॉर्ड कायम करते हुए इतिहास रचने पर महात्मा ज्योतिबा फुले छात्रावास लक्ष्मनगढ में नागरिक अभिनंदन किया गया। राष्ट्रीय राजमार्ग 52 पर सेठों की कोठी से बैरास जाने वाले रास्ते पर निर्माणाधीन महात्मा ज्योतिबा फुले छात्रावास में आयोजित समारोह में शिखा

के माता-पिता श्रीमती सुनीता सैनी व गोरधन सैनी का भी स्वागत किया गया। इस अवसर शिखा सैनी के मामा राजेश सैनी फतेहपुर चचेरे भाई जितेंद्र सैनी माताजी की ढाणी का भी छात्रावास का प्रतिक चिन्ह भेंट कर स्वागत किया गया। छात्रावास के अध्यक्ष अनिल कुमार बागड़ी की अध्यक्षता में आयोजित गरिमामय समारोह में शिखा सैनी को छात्रावास की ओर मोतियों की माला, छात्रावास का दुपट्टा, साफा पहनाकर व छात्रावास का प्रतिक चिन्ह भेंट कर नागरिक अभिनंदन किया गया। समारोह में उपकोषाधिकारी सज्जन कुमार सैनी, दीनदयाल चुनवाल, भंवरलाल सांखला, शिखा सैनी उनके पिता गोरधन सैनी, माता श्रीमती श्रीमती सुनीता सैनी, साफ्टवेयर इंजीनियर राजेश सैनी, टेक्निशियन जितेंद्र सैनी मंचस्थ अतिथि थे। इस अवसर पर शिखा सैनी, पिता गोरधन सैनी, माता श्रीमती सुनीता सैनी, सोफ्टवेयर इंजीनियर राजेश राकसिया, टेक्निशियन जितेंद्र सैनी ने संबोधित किया तथा छात्रावास के विधार्थियों को प्रतियोगिता परीक्षाओं की तैयारी के बारे विस्तृत रुप में अपने अनुभव शेयर करते हुए जानकारी दी । कार्यक्रम का संचालन महामंत्री महेंद्र कुमार माली ने किया जबकि संयोजक सज्जन कुमार सैनी ने अभिनंदन पत्र का वाचन किया व धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष अनिल कुमार बागड़ी, मार्गदर्शक भंवरलाल सांखला, संयोजक सज्जन कुमार सैनी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष दीनदयाल नेछवा, महामंत्री महेंद्र कुमार माली, वरिष्ठ उपाध्यक्ष नथमल मावलियों की ढाणी, विनोद सेठों की कोठी, प्रवक्ता मनोज राकसिया, मंत्री मनोज कुमार धाभाई की ढाणी, पूर्व पार्षद राकेश गौड़, संगठन मंत्री मुकेश टांक, नरेंद्र बठोठ, मीडिया प्रभारी राजेश राजू सैनी, राजेश सैनी, जितेंद्र कुमार सैनी, सचिन गौड़, कैलाश बोदलासी, कानाराम चुनवाल नेछवा, बुधकरण भैरिया, प्रहलाद मारोठिया, पुरूषोत्तम गौड़, संदीप पिपलोदिया, अंकित गौड़, राजा कटारिया, पंकज खडोलिया, अंकित मावर, पंकज खुड़ी, अनिल बलोद, बाबूलाल सैनी सहित छात्रावास के पदाधिकारी सदस्य व विधार्थी मौजूद थे।

निर्मल क्लासेज में आर्मी चयनित युवा का किया सम्मान, युवाओं को दिया सफलता का संदेश

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावा।

पवन कुमार शर्मा । कस्बे के सुभाष चौक के पास स्थित निर्मल क्लासेज कोचिंग संस्थान में लाडसर निवासी युवा अशोक कुमार पुत्र रोहिताश कुमार के भारतीय सेना में चयन होने पर सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कोचिंग संचालक रजनीश बेनीवाल ने अशोक कुमार को माला पहनाकर एवं मिठाई खिलाकर शुभकामनाएं दीं तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम में उपस्थित युवाओं और गणमान्य नागरिकों ने सेना में चयन को क्षेत्र के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि बताते हुए अशोक कुमार का उत्साहवर्धन किया। वक्ताओं ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र के युवाओं की मेहनत और लगन आज उन्हें देश की प्रतिष्ठित सेवाओं तक पहुंचा रही है, जिससे अन्य युवाओं को भी प्रेरणा मिल रही है। इस दौरान समाजसेवी अमित मीणा ने कहा कि क्षेत्र के युवा लगातार विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं एवं सरकारी सेवाओं में चयनित होकर अपने गांव, क्षेत्र और जिले का नाम रोशन कर रहे हैं। उन्होंने युवाओं से लक्ष्य निर्धारित कर अनुशासन और परिश्रम के साथ तैयारी करने का आह्वान किया।समारोह के दौरान विकास चौधरी, पंकज शर्मा, अभिषेक शर्मा, रविन्द्र कुमार, अभिषेक सैनी सहित बड़ी संख्या में युवा उपस्थित रहे। सभी ने अशोक कुमार को बधाई देते हुए उनके सफल एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

कुम्हार समाज के प्रतिभा सम्मान समारोह में समाज की 200 प्रतिभाएं हुई सम्मानित

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।

माँ श्रीयादे कुम्हार समाज लक्ष्मणगढ़ के तत्वावधान में आयोजित प्रथम प्रतिभा सम्मान समारोह में समाज की 200 प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम संयोजक मुकेश कुमावत ने बताया कि समारोह के मुख्य अतिथि भामाशाह एवं उद्योगपति मूलचंद कारगवाल तथा माटी कला बोर्ड अध्यक्ष (राज्य मंत्री) प्रहलाद टाक रहे। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में दांतारामगढ़ भाजपा नेता गजानंद कुमावत, समाजसेवी चतुर्भुज तुनवाल, सरपंच प्रतिनिधि सुरेश बगड़ी, गनेड़ी सरपंच शंभूदयाल कुमावत, प्रिंसिपल गायत्री पोरवाल, रिटायर्ड नायब तहसीलदार भंवरलाल कुमावत, पूर्व शिक्षा विभाग उपनिदेशक अर्जुन वर्मा, नगरपालिका ईओ नवनीत वर्मा, एसडीएम पीए हरीश भाटीवाल, भामाशाह ताराचंद बागोरिया, सांवरमल नीरानिया, पार्षद प्रतिनिधि सुशील कारगवाल, जनप्रतिनिधि संपत चेजारा एवं फूलचंद नीरानिया सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहें।

कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। समारोह में 10वीं एवं 12वीं बोर्ड के प्रतिभावान विद्यार्थियों, नीट, रीट सहित विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में चयनित प्रतिभाओं तथा नव चयनित अधिकारी एवं कर्मचारियों का सम्मान किया गया। इस अवसर पर माटी कला बोर्ड अध्यक्ष प्रहलाद टाक ने विद्यार्थियों से संवाद करते हुए कहा कि मेहनत, लगन और सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने से सफलता अवश्य मिलती है। उन्होंने समाज की प्रतिभाओं को निरंतर प्रगति के लिए प्रेरित किया।कार्यक्रम में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया,समारोह में बड़ी संख्या में समाजबंधु मौजूद रहें। आयोजन को लेकर समाज में उत्साह का माहौल देखने को मिला।इस दौरान माँ श्रीयादे कुम्हार समाज लक्ष्मणगढ़ संस्था का पोस्टर का विमोचन भी किया गया।इस दौरान समाज के संरक्षक कैलाश चंद नीरानिया, हुकुमचंद कुदाल प्रिंसिपल, ताराचंद कुमावत प्रिंसिपल, फूलचंद होदकासिया, संदीप कुमावत टीचर, प्रेमचंद पवन कुमावत, पिंटू कुमावत, योगेश घासोलिया सहित समाज बंधु मौजूद रहें।कार्यक्रम का संचालक व्याख्याता शिशुपाल कुमावत नें किया।

किन्नर समाज ने भरा नानी बाई का मायरा, भक्ति और सामाजिक समरसता का दिया संदेश

जानकी वल्लभ मंदिर में पांच दिवसीय कथा महोत्सव का हुआ भव्य आयोजन, श्रद्धालुओं ने लिया धर्म लाभ

भीम प्रज्ञा न्यूज़.खेतड़ी।

धर्म, संस्कृति और लोक परंपराओं के अद्भुत संगम के बीच परम पूज्य रसिक दास जी महाराज के पावन सानिध्य में जानकी वल्लभ मंदिर, खेतड़ी में आयोजित पांच दिवसीय नानी बाई का मायरा कथा महोत्सव श्रद्धा, भक्ति और सामाजिक समरसता के संदेश के साथ संपन्न हुआ। कथा के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने उपस्थित होकर धर्म लाभ प्राप्त किया।कथा वाचन का दायित्व युवा कथावाचक ममता दाधीच एवं अनीता दाधीच ने निभाया। उन्होंने भक्त नरसी मेहता और नानी बाई के मायरे की लोकगाथा का भावपूर्ण वर्णन करते हुए भक्ति, विश्वास और मानवीय मूल्यों का संदेश दिया। कथा के दौरान श्रद्धालु भाव-विभोर होकर भजनों और धार्मिक प्रसंगों में डूबे नजर आए।

भजनों से गूंजा मंदिर परिसर

कार्यक्रम में भजन गायक ललित शर्मा एवं उनकी मंडली ने सुमधुर भजनों और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से भक्तिमय वातावरण का निर्माण किया। भजनों पर श्रद्धालु झूम उठे और पूरा मंदिर परिसर भक्तिरस में सराबोर हो गया।

धर्म और संस्कृति के संरक्षण का आह्वान

इस अवसर पर उपस्थित वक्ताओं ने कहा कि धार्मिक कथाएं केवल आस्था का विषय नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति, पारिवारिक मूल्यों और सामाजिक एकता को मजबूत करने का माध्यम भी हैं। ऐसे आयोजन नई पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक विरासत से जोड़ने का कार्य करते हैं। कार्यक्रम में श्यामलाल कांकरिया, मनोज गुप्ता, दिनेश गुप्ता, समाज अध्यक्ष प्रदीप

झुनझुनवाला, कारगिल शहीद राजकुमार मेमोरियल ट्रस्ट इन्द्रसर के अध्यक्ष प्रताप सिंह यादव, राम अग्रवाल, किन्नर समाज से ज्योति ,माही, राधिका, स्वीटी, ममता, काजल, पिंकी, अनु सहित अनेक गणमान्य नागरिक एवं श्रद्धालु उपस्थित रहें।धार्मिक अनुष्ठानों, भजन संध्या और कथा प्रवचनों से सजे इस आयोजन ने खेतड़ी क्षेत्र में भक्ति, संस्कृति और सामाजिक समरसता की एक नई मिसाल प्रस्तुत की।

किन्नर समाज ने निभाई मायरे की परंपरा

सोमवार को कथा का विशेष आकर्षण तब रहा जब उदयपुरवाटी से किन्नर समाज की अध्यक्ष सनम बाई पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ नानी बाई का मायरा भरने पहुंचीं। भारतीय लोक संस्कृति में मायरे की प्राचीन परंपरा का निर्वहन करते हुए उन्होंने सामाजिक सद्भाव, प्रेम और सहयोग का संदेश दिया। इस अनूठे आयोजन ने उपस्थित श्रद्धालुओं का ध्यान आकर्षित किया तथा सामाजिक समावेशिता का प्रेरक उदाहरण प्रस्तुत किया।

सोमवती अमावस्या पर लोहार्गल के सूर्यकुंड में श्रद्धालुओं ने लगाई आस्था की डुबकी

मंदिरों में पूजा अर्चना कर किया दान पुण्य

भीम प्रज्ञा न्यूज.उदयपुरवाटी।

सुमेर मीणा । निकटवर्ती धार्मिक तीर्थ स्थल लोहार्गल धाम में सोमवार को सोमवती अमावस्या पर श्रद्धालुओं ने सूर्य कुंड में आस्था के डुबकी लगाकर भगवान सूर्य नारायण के दर्शन किए। सोमवती अमावस्या पर लोहार्गल में श्रद्धालुओं की अच्छी खासी भीड़ रहीं।जगह-जगह सामाजिक संगठनों एवं समाज सेवकों द्वारा सेवा भाव देखने को मिला द्य रास्ते में जगह-जगह पानी, ठंडाई और शरबत पिलाया गया। सोमवती अमावस्या पर लोहार्गल के सभी मंदिरों में अच्छी खासी भीड़ देखने को मिली मंदिरों में श्रद्धालुओं ने धोक लगाकर मन्नत मांगी एवं दान पुण्य कियाद्य श्रीमद् जगतगुरु रामानुजाचार्य लोहार्गल सूर्य मठ मंदिर के पीठाधीश्वर महंत स्वामी अवधेशाचार्य महाराज ने जानकारी देते हुए बताया कि पुरुषोत्तम मास के इस पावन पर्व में सोमवती अमावस्या के दिन लाखों सरदारों ने सूर्य कुंड में स्नान कर भगवान सूर्य नारायण के शीश नवाकर मन्नत मांगीद्य पितरों को तर्पण किया, पितृ दोष, कालसर्प दोष, मांगलिक दोष की पूजाएं दो दिवसीय चलती रहीं। प्रातः काल रविवार से श्रद्धालुओं का सूर्य कुंड में स्नान कर सूर्यनारायण भगवान के दर्शन कर नारियल बांधकर मनोकामनाएं मांगी गई द्य वेंकटेश बालाजी मंदिर के अश्वनी आचार्य महाराज ने जानकारी देते हुए बताया कि सोमवती अमावस्या पर श्रद्धालुओं ने भगवान वेंकटेश के दरबार में शीश नवा कर मन्नत मांगी द्य वेंकटेश बालाजी मंदिर के अश्वनी आचार्य महाराज के अनुसार सोमवती अमावस्या पर मंदिर परिसर में फूल बंगला झांकी का भी आयोजन किया गया। मंदिर परिसर में सोमवती अमावस्या होने के कारण श्रद्धालुओं ने धोक लगाकर अश्विनी आचार्य महाराज से आशीर्वाद ग्रहण किया।अमावस्या पर प्रशासन की तरफ से भी मंकुल व्यवस्था देखने को मिली द्य

न्यायालय से स्टे के बाद वरिष्ठ सहायक संजय कुमार ने चिड़ावा नगरपालिका में पुनः संभाला कार्यभार, कर्मचारियों ने मनाई खुशी

भीम प्रज्ञा न्यूज.चिड़ावा।

स्थानीय नगरपालिका के वरिष्ठ सहायक एवं कर्मचारी संघ अध्यक्ष संजय कुमार ने सोमवार को पुनः अपना कार्यभार ग्रहण कर लिया है। अधिशासी अधिकारी दिनेश कुमार नूनिया द्वारा न्यायालय से प्राप्त स्थगन आदेश (स्टे) के आधार पर उन्हें कार्यग्रहण कराने के आदेश जारी किए गए। जानकारी के अनुसार, संजय कुमार के विरुद्ध पूर्व में जारी एपीओ (APO) आदेश पर न्यायालय ने स्टे प्रदान किया था, जिसके बाद अधिशासी अधिकारी ने नियमानुसार आदेश जारी कर उन्हें बहाल किया। कार्यभार ग्रहण करने के अवसर पर नगरपालिका परिसर में भारी उत्साह और खुशी का माहौल देखने को मिला। कर्मचारी संघ के अध्यक्ष होने के नाते संजय कुमार के समर्थकों, यूनियन के पदाधिकारियों, कर्मचारियों तथा वार्ड सदस्यों ने अधिशासी अधिकारी (ईओ) सहित एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर प्रसन्नता व्यक्त की और बधाई दी। नगरपालिका कर्मचारियों ने इस निर्णय को न्यायिक प्रक्रिया में विश्वास तथा नियमों के अनुरूप प्रशासनिक कार्रवाई बताया। इस दौरान बड़ी संख्या में कर्मचारी और पूर्व पार्षद उपस्थित रहे।

अवैध खनन व दलित महिलाओं से मारपीट के विरोध में ग्रामीणों का कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन

भीम प्रज्ञा न्यूज.सीकर।

पाटन थाना क्षेत्र के डुंगा की नांगल गांव में संचालित एके स्टोन क्रेशर के खिलाफ ग्रामीणों ने भीम आर्मी सहित विभिन्न सामाजिक संगठनों के साथ सोमवार को विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारी डाक बंगला सीकर से कलेक्ट्रेट तक रैली निकालते हुए पहुंचे और जिला कलेक्टर के नाम ज्ञापन सौंपकर कार्रवाई की मांग की। भीम आर्मी जिलाध्यक्ष एडवोकेट जयस्वामी कल्याण ने बताया कि डुंगा की नांगल में ओमप्रकाश वर्मा के घर से मात्र 20 मीटर की दूरी पर अवैध खनन कार्य किया जा रहा है। खनन के दौरान होने वाली भारी ब्लास्टिंग से उनके मकान में दरारें आ गई हैं और घर गिरने की स्थिति में पहुंच गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि ब्लास्टिंग से उड़कर आने वाले पत्थरों से परिवार के कई सदस्य घायल हो चुके हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि खनन कार्य का विरोध करने पर खनन माफियाओं ने महिला और बच्चों सहित परिवार के सदस्यों पर जानलेवा हमला किया, जिसमें आधा दर्जन लोग घायल हो गए। इस संबंध में 10 मई को पाटन थाने में मामला दर्ज कराया गया था, लेकिन अब तक आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं होने से लोगों में रोष है। भीम सेना के राष्ट्रीय महासचिव राजेश जोया ने कहा कि दलित उत्पीड़न की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी नहीं हुई तो व्यापक आंदोलन के साथ सीकर बंद का आह्वान किया जाएगा। ज्ञापन में बताया गया कि खनन क्षेत्र में होने वाली भारी ब्लास्टिंग से सैकड़ों ग्रामीण प्रभावित हैं। इसके चलते कई पालतू पशुओं की मौत हो चुकी है तथा क्षेत्र के अनेक लोगों की सुनने की क्षमता भी प्रभावित हुई है।प्रदर्शनकारियों ने मांग की कि मामले में नामजद आरोपियों को तत्काल गिरफ्तार किया जाए, एके स्टोन क्रेशर को सीज किया जाए, नीमकाथाना क्षेत्र में संचालित सभी खनन कार्यों की वैधता की जांच कराई जाए, पीड़ित परिवार को पुलिस सुरक्षा उपलब्ध कराई जाए तथा नियमानुसार मुआवजा दिया जाए।

इस दौरान बीएएसएफ प्रदेश प्रभारी सोनिया जोया, आसपा जिलाध्यक्ष सतीश इंशा, पूजा पालड़ी, लीलाराम आजाद, एडवोकेट अनिल कूदन, अजय अजबपुरा, धर्मपाल बाबर, अभिषेक गोठड़ा, नरेंद्र मोदी कटराथल, अनिल परसोया, संतोष देवी, ओमप्रकाश वर्मा सहित सैकड़ों ग्रामीण मौजूद रहे।

रक्तदान से साकार हुआ सेवा का संकल्प, एसएसबी जवानों ने दिखाया मानवता का जज्बा

विश्व रक्तदाता दिवस पर डेरा स्थित एसएसबी केंद्र में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर, 78 कार्मिकों ने दिखाई सहभागिता

भीम प्रज्ञा न्यूज.अलवर।

मनोज खंडेलवाल । विश्व रक्तदाता दिवस-2026 के अवसर पर सशस्त्र सीमा बल के श्वान प्रशिक्षण एवं प्रजनन केन्द्र (डीटीएंडबीसी) डेरा में आयोजित स्वैच्छिक रक्तदान शिविर मानव सेवा और सामाजिक सरोकार का प्रेरक उदाहरण बन गया। राजीव गांधी राजकीय सामान्य चिकित्सालय, अलवर के सहयोग से आयोजित इस शिविर में अधिकारियों, अधीनस्थ अधिकारियों एवं जवानों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए रक्तदान के महत्व का सशक्त संदेश दिया। डीटीएंडबीसी परिसर में आयोजित शिविर में कुल 78 कार्मिकों ने स्वैच्छिक रक्तदान के लिए अपनी सहमति व्यक्त की। चिकित्सा विशेषज्ञों की निगरानी में रक्तदाताओं का स्वास्थ्य परीक्षण, रक्तचाप जांच एवं आवश्यक चिकित्सकीय प्रक्रिया पूरी करने के बाद सुरक्षित तरीके से रक्त संग्रहण किया गया। शिविर में राजीव गांधी राजकीय सामान्य चिकित्सालय, अलवर के विशेषज्ञ चिकित्सकों और रक्त बैंक टीम ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कमांडेंट (पशु चिकित्सा) एवं कमांडिंग ऑफिसर डॉ. जयन्त कुमार शर्मा तथा कमांडेंट डॉ. देबाशीष त्रिपाठी ने रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि रक्तदान मानवता की सबसे बड़ी सेवा है। उन्होंने कहा कि रक्त का कोई कृत्रिम विकल्प नहीं है और एक यूनिट रक्त किसी जरूरतमंद व्यक्ति को नया जीवन दे सकता है। अधिकारियों ने कहा कि सशस्त्र सीमा बल केवल सीमाओं की सुरक्षा ही नहीं करता, बल्कि जनहित और सामाजिक उत्तरदायित्व के कार्यों में भी अग्रणी भूमिका निभाता है।

विश्व रक्तदाता दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित यह शिविर समाज में स्वैच्छिक रक्तदान के प्रति जागरूकता बढ़ाने का प्रभावी माध्यम बना। कार्यक्रम के दौरान जवानों को नियमित रक्तदान के लाभों की जानकारी दी गई तथा जरूरतमंदों के जीवन बचाने के इस महादान के लिए प्रेरित किया गया। सशस्त्र सीमा बल के आदर्श वाक्य 'सेवा, सुरक्षा एवं बंधुत्व' को चरितार्थ करते हुए जवानों ने रक्तदान कर मानव जीवन की रक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता का परिचय दिया।

हेतमसर राजकीय कन्या महाविद्यालय में रिक्त सीटों पर प्रवेश के लिए आवेदन आमंत्रित, छात्राओं को मिला नया अवसर

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावा।

पवन कुमार शर्मा । राजकीय कन्या महाविद्यालय, हेतमसर में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए स्नातक प्रथम वर्ष (बी.ए. एवं बी.एससी.) की प्रवेश प्रक्रिया जारी है। प्रथम वरीयता सूची में चयनित छात्राओं के दस्तावेज सत्यापन एवं शुल्क जमा कराने की प्रक्रिया वर्तमान में संचालित की जा रही है। इसी बीच महाविद्यालय प्रशासन ने कला एवं विज्ञान संकाय की रिक्त सीटों पर प्रवेश के लिए पुनः ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए हैं। महाविद्यालय प्रशासन के अनुसार कला एवं विज्ञान दोनों संकायों के अंतर्गत सामान्य, ईडब्ल्यूएस, ओबीसी, एससी, एसटी एवं एमबीसी वर्ग की कुछ सीटें अभी भी रिक्त हैं। इन रिक्त सीटों को भरने के लिए इच्छुक छात्राओं से 15 जून से 21 जून 2026 तक ऑनलाइन आवेदन मांगे गए हैं।महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. सुनीता बेनीवाल ने बताया कि प्रवेश की इच्छुक छात्राएं उच्च शिक्षा विभाग के आधिकारिक पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकती हैं। उन्होंने कहा कि महाविद्यालय में कला संकाय के अंतर्गत अंग्रेजी साहित्य, हिन्दी साहित्य, उर्दू साहित्य, भूगोल, राजनीति विज्ञान, इतिहास, अर्थशास्त्र एवं गृह विज्ञान जैसे विषय उपलब्ध हैं। वहीं विज्ञान संकाय में गणित एवं जीव विज्ञान विषयों का अध्ययन कराया जाता है। प्रवेश नोडल अधिकारी योगेंद्र कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि पूरी आवेदन प्रक्रिया ऑनलाइन रखी गई है ताकि छात्राओं को सुविधा मिल सके। उन्होंने छात्राओं को अंतिम तिथि का इंतजार किए बिना समय रहते आवेदन करने की सलाह दी है, जिससे किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या से बचा जा सकें। महाविद्यालय प्रशासन ने छात्राओं की सहायता के लिए परिसर में एक हेल्प डेस्क भी स्थापित की है, जहां प्रवेश प्रक्रिया से संबंधित जानकारी एवं आवश्यक मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जा रहा है। महाविद्यालय प्रशासन ने क्षेत्र की छात्राओं से इस अवसर का लाभ उठाते हुए समय पर आवेदन करने की अपील की है, ताकि वे उच्च शिक्षा प्राप्त कर अपने भविष्य को नई दिशा दे सकें।

मंडावा थाना स्टाफ ने निराश्रित कामधेनु गौशाला में किया वृक्षारोपण, गोवंश को 10 क्विंटल हरा चारा भेंट

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावा।

पवन कुमार शर्मा । पर्यावरण संरक्षण, गौसेवा एवं जनजागरूकता के उद्देश्य से मुकंदगढ़ रोड स्थित निराश्रित कामधेनु गौशाला, मंडावा में रामनारायण चोयल के नेतृत्व में मंडावा थाना स्टाफ द्वारा वृक्षारोपण एवं गौसेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान गौशाला परिसर में विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाए गए तथा गोवंश के लिए 10 क्विंटल हरा चारा भेंट कर सेवा कार्य किया गया। कार्यक्रम में मंडावा थाना स्टाफ के साथ सुनील, संजय, शिवसुंदर दास, अमर सिंह एवं पिंटू ने विशेष भूमिका निभाई। सभी ने मिलकर पर्यावरण संरक्षण और गौसेवा का संदेश देते हुए वृक्षारोपण किया तथा गोवंश को हरा चारा खिलाया। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि वृक्ष मानव जीवन का आधार हैं और पर्यावरण

संतुलन बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। बढ़ते प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन के दौर में प्रत्येक व्यक्ति को पौधारोपण कर उनकी देखभाल की जिम्मेदारी निभानी चाहिए। वहीं गौसेवा भारतीय संस्कृति का अभिन्न अंग है, जिसके माध्यम से समाज में सेवा और संवेदनशीलता की भावना का विकास होता है। कार्यक्रम को सफल बनाने में रविंद्र कुमार शर्मा, किशोर सिंह चौहान, प्रकाश, भावरपाल धाभाई, विजय, बंश माथुर, गजेंद्र सिंह, विकास, जयप्रकाश सोनी एवं गौरव शर्मा सहित अनेक समाजसेवियों ने सक्रिय सहयोग दिया। सभी सहयोगियों ने पौधारोपण के साथ-साथ गोवंश के लिए हरे चारे की व्यवस्था कर गौशाला के सेवा कार्यों में योगदान दिया। इस दौरान उपस्थित लोगों ने पर्यावरण संरक्षण एवं गौसंवर्धन का संकल्प लेते हुए भविष्य में भी ऐसे जनहितकारी कार्यक्रम आयोजित करने का निर्णय लिया। कार्यक्रम सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ तथा सभी ने वृक्षों के संरक्षण और गौशाला के विकास में सहयोग देने का भरोसा दिलाया।

पचलंगी से झडाया बजरंग धाम आश्रम तक विशाल कलश यात्रा आज

कलश यात्रा के दौरान जगह जगह ड्रोन से होगी पुष्प वर्षा

साधु संतों के सानिध्य में निकलेगी कलश यात्रा

भीम प्रज्ञा न्यूज.उदयपुरवाटी

सुमेर मीणा । उपखंड क्षेत्र के झडाया बजरंग धाम आश्रम पर बुधवार से प्रारंभ होने वाले 108 कुंडीय श्री राम महायज्ञ को लेकर सभी तैयारियां पूरी कर ली गई है द्य मंदिर परिसर पर आयोजित होने वाला 108 कुंडीय श्रीराम महायज्ञ बजरंग धाम आश्रम के महंत महामंडलेश्वर श्री श्री 1008 श्री सीताराम दास महाराज के सानिध्य में आयोजित होगा द्य यज्ञ सेवा समिति के अध्यक्ष मदन लाल भगवरिया ने जानकारी देते हुए बताया कि 108 कुंडीय श्री राम महायज्ञ प्रारंभ होने से पूर्व आज मंगलवार को पचलंगी से झडाया बजरंग धाम आश्रम तक एक विशाल ऐतिहासिक कलश यात्रा निकाली जाएगी जिसमें हजारों की तादाद में महिलाएं शामिल होंगी द्य आज आयोजित होने वाली विशाल कलश यात्रा साधु संतों के सानिध्य में आयोजित होगी द्य कलश यात्रा के दौरान रास्ते में जगह-जगह ड्रोन से पुष्प वर्षा कर स्वागत किया जाएगाद्य कलश यात्रा को ध्यान में रखते हुए सोमवार को यज्ञ सेवा समिति के कार्यकर्ताओं ने गांव-गांव व ढाणी ढाणी में पीले चावल देकर महिलाओं को कलश

यात्रा में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया द्य इस दौरान पूर्व सरपंच श्रीलाल यादव, छगनलाल कसाना, सुभाष चंद्र लाम्बा, बलदेव सैनी पचलंगी, मुकेश सैनी, जयचंद रोहलाण, सहीराम खरीटा पापडा, महादेव जांगिड़, महेंद्र तेतरवाल, हनुमान यादव, सेवानिवृत्ति पीटीआई भगवान सहाय यादव आदि लोग मौजूद रहेंद्य

पेड़ से टकराई कार, बुझ गया घर का चिराग; विधायक राजेन्द्र मीना ने शोक संतप्त परिवार को बंधाया ढांढस

महवा अस्पताल पहुंचे विधायक, परिजनों को दिलाया हरसंभव सहयोग का भरोसा

भीम प्रज्ञा न्यूज.महवा।

मनोज खंडेलवाल । महवा क्षेत्र में सड़क हादसे ने एक परिवार की खुशियां पलभर में छीन लीं। सलेमपुर थाना क्षेत्र के तालचिड़ी के पास अनियंत्रित होकर एक कार पेड़ से जा टकराई, जिसमें सांथा निवासी कार चालक रामकेश मीणा पुत्र रामोतार मीणा गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद मौके पर पहुंचे स्थानीय लोगों ने घायल को तत्काल महवा जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई।हादसे की सूचना से सांथा गांव में शोक की लहर दौड़ गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार टक्कर इतनी भीषण थी कि कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। कहा भी गया है कि 'मंजिल तक पहुंचने की चाह थी, मगर किस्मत ने रास्ते में ही सफर

रोक दिया।' रामकेश की असमय मौत से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

घटना की जानकारी मिलते ही महवा विधायक राजेन्द्र मीना जिला अस्पताल पहुंचे और स्वर्गीय रामकेश मीणा के शोकाकुल परिजनों से मुलाकात कर उन्हें ढांढस बंधाया। विधायक ने इस दुःखद घटना को अत्यंत पीड़ादायक बताते हुए कहा कि संकट की इस घड़ी में पूरा समाज और प्रशासन पीड़ित परिवार के साथ खड़ा है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक प्रशासनिक कार्यवाही शीघ्रता से पूर्ण करने तथा परिवार को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। विधायक राजेन्द्र मीना ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना करते हुए शोक संतप्त परिवार को यह अपार दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करने की कामना की। वहीं पूरे क्षेत्र में इस हादसे को लेकर गहरा शोक व्याप्त है और ग्रामीणों ने दिवंगत रामकेश मीणा को नम आंखों से श्रद्धांजलि अर्पित की।

हेतमसर राजकीय कन्या महाविद्यालय में रिक्त सीटों पर प्रवेश के लिए आवेदन आमंत्रित, छात्राओं को मिला नया अवसर

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावा।

पवन कुमार शर्मा । राजकीय कन्या महाविद्यालय, हेतमसर में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए स्नातक प्रथम वर्ष (बी.ए. एवं बी.एससी.) की प्रवेश प्रक्रिया जारी है। प्रथम वरीयता सूची में चयनित छात्राओं के दस्तावेज सत्यापन एवं शुल्क जमा कराने की प्रक्रिया वर्तमान में संचालित की जा रही है। इसी बीच महाविद्यालय प्रशासन ने कला एवं विज्ञान संकाय की रिक्त सीटों पर प्रवेश के लिए पुनः ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए हैं। महाविद्यालय प्रशासन के अनुसार कला एवं विज्ञान दोनों संकायों के अंतर्गत सामान्य, ईडब्ल्यूएस, ओबीसी, एससी, एसटी एवं एमबीसी वर्ग की कुछ सीटें अभी भी रिक्त हैं। इन रिक्त सीटों को भरने के लिए इच्छुक छात्राओं से 15 जून से 21 जून 2026 तक ऑनलाइन आवेदन मांगे गए हैं। महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. सुनीता बेनीवाल ने बताया कि प्रवेश की इच्छुक छात्राएं उच्च शिक्षा विभाग के आधिकारिक पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकती हैं। उन्होंने कहा कि महाविद्यालय में कला संकाय के अंतर्गत अंग्रेजी साहित्य, हिन्दी साहित्य, उर्दू साहित्य, भूगोल, राजनीति विज्ञान, इतिहास, अर्थशास्त्र एवं गृह विज्ञान जैसे विषय उपलब्ध हैं। वहीं विज्ञान संकाय में गणित एवं जीव विज्ञान विषयों का अध्ययन कराया जाता है। प्रवेश नोडल अधिकारी योगेंद्र कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि पूरी आवेदन प्रक्रिया ऑनलाइन रखी गई है ताकि छात्राओं को सुविधा मिल सके। उन्होंने छात्राओं को अंतिम तिथि का इंतजार किए बिना समय रहते आवेदन करने की सलाह दी है, जिससे किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या से बचा जा सके। महाविद्यालय प्रशासन ने छात्राओं की सहायता के लिए परिसर में एक हेल्प डेस्क भी स्थापित की है, जहां प्रवेश प्रक्रिया से संबंधित जानकारी एवं आवश्यक मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जा रहा है। महाविद्यालय प्रशासन ने क्षेत्र की छात्राओं से इस अवसर का लाभ उठाते हुए समय पर आवेदन करने की अपील की है, ताकि वे उच्च शिक्षा प्राप्त कर अपने भविष्य को नई दिशा दे सकें।

भगवा रक्षा वाहिनी ने गोवंश को खिलाया गुड़ व कच्ची बस्तियों में ठंडी छाछ की वितरित

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।

भगवा रक्षा वाहिनी की ओर सोमवती अमावस्या पर गौवंश को गुड़ खिलाया व कच्ची बस्तियों में ठंडी छाछ व दही का वितरण किया। यह जानकारी देते हुए वाहिनी अध्यक्ष जयशंकर पुजारी ने बताया कि लक्ष्मणगढ़ नागरिक परिषद चैरिटेबल ट्रस्ट सूरत के अध्यक्ष एवं समाजसेवी प्रभु दयाल का काबरा की प्रेरणा एवं दानदाता के सहयोग से लक्ष्मणगढ़ में गोवंश को गुड़ खिलाया तथा कच्ची बस्तियों में ठंडी छाछ दही एवं चिप्स का वितरण किया गया । उन्होंने बताया कि सेवा कार्य में वाहिनी के संरक्षक सुरेश जाजोदिया उपाध्यक्ष ताराचंद ठेकेदार महेश सेन कैलाश सेन अध्यक्ष जयशंकर पुजारी आदि ने अपनी सेवाएं दी।

राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने शहीद गोवर्धन सिंह ढाका की प्रतिमा का किया अनावरण शहीदों का त्याग और बलिदान नई पीढ़ी को देश सेवा के लिए प्रेरित करता है-राज्यपाल

भीम प्रज्ञा न्यूज.सीकर।

बाबूलाल सैनी । राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने सोमवार को जसरासर स्थित शहीद स्मारक में शहीद गोवर्धन सिंह ढाका की प्रतिमा का अनावरण किया। इस अवसर पर राज्यपाल ने शहीद की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रृद्धांजलि दी तथा स्मारक परिसर में पौधारोपण किया। कार्यक्रम के दौरान राज्यपाल ने शहीद गोवर्धन सिंह ढाका की माता भगवानी देवी एवं पत्नी सुनीता देवी सहित शहीद वीरांगनाओं को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया।समारोह को संबोधित करते हुए राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा कि सीकर, झुंझुनूं और नागौर सहित शेखावाटी क्षेत्र के जवानों का देश की तीनों सेनाओं में विशेष योगदान है। उन्होंने कहा कि भारत की सेना में 14 लाख से अधिक जवान हैं और इनमें बड़ी संख्या में राजस्थान के वीर जवान शामिल हैं। राजस्थान वीरों और शूरवीरों की भूमि रही है, जहां के सपूतों ने प्राचीन काल से देश की रक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने चित्तौड़गढ़ के बप्पा रावल और महाराणा प्रताप जैसे वीरों के योगदान को याद करते हुए कहा कि शहीद गोवर्धन सिंह ढाका का बलिदान आने वाली पीढ़ियों के लिए सदैव

प्रेरणास्रोत रहेगा और नई पीढ़ी को राष्ट्र सेवा के लिए ऊर्जा प्रदान करेगा।राज्यपाल बागडे ने कहा कि सामाजिक एवं धार्मिक आयोजनों में शहीदों के माता-पिता और परिवारजनों को सम्मानपूर्वक आमंत्रित करना चाहिए, ताकि समाज उनके त्याग और बलिदान को सदैव स्मरण रखे। उन्होंने बताया कि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई के कार्यकाल में वीरगति प्राप्त सैनिकों के पार्थिव शरीर को पूरे सम्मान के साथ उनके पैतृक गांव तक पहुंचाने की व्यवस्था की गई थी। इस अवसर पर राज्यपाल ने मंगल पांडे, खुदीराम बोस, भगत सिंह, राजगुरु सहित अन्य स्वतंत्रता सेनानियों के योगदान को भी याद किया।कार्यक्रम में 13वीं ग्रेनेडियर्स की टुकड़ी द्वारा शहीद को गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। साथ ही शहीद की माता को सम्मान पत्र प्रदान किया गया।राज्यपाल बागडे ने शहीद के परिजनों के साथ भोजन किया।

कार्यक्रम में नगरीय विकास एवं स्वायत शासन मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने कहा कि देश का सैनिक कठिन परिस्थितियों और विपरीत मौसम में भी 24 घंटे राष्ट्र की सुरक्षा के लिए तत्पर रहता है। उन्होंने स्वतंत्रता सेनानियों और आजाद हिंद फौज के योगदान को याद करते हुए कहा कि वर्ष 2047 तक भारत को विकसित, आत्मनिर्भर, सशक्त और सामाजिक समरसता वाला राष्ट्र बनाने के लिए सभी को अपना योगदान देना होगा। यही स्वतंत्रता सेनानियों और शहीदों के प्रति सच्ची श्रृद्धांजलि होगी। उन्होंने 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत पौधारोपण, स्वच्छ भारत अभियान और बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान को सफल बनाने में सहयोग देने की अपील की। इस दौरान उन्होंने जसरासर ग्रामवासियों की मांगों पर चर्चा करते हुए कार्य वीबीजी रामजी योजना के तहत करवाने की बात कही। साथ ही ट्यूबवेल निर्माण के लिए जलदाय मंत्री से भी वार्ता करने का आश्वासन दिया।राज्य सैनिक कल्याण सलाहकार समिति के अध्यक्ष प्रेम सिंह बाजोर ने समारोह में कहा कि शहीदों का स्थान देवताओं से भी ऊंचा है। उन्होंने सामाजिक एवं धार्मिक कार्यक्रमों में शहीदों को स्मरण करने की बात कही।पूर्व सांसद सीकर स्वामी सुमेधानंद सरस्वती ने कहा कि शहीदों के प्रति सम्मान का भाव रखना हम सभी का दायित्व है। उन्होंने विभिन्न अवसरों पर शहीदों को याद करने का आह्वान किया।धोद विधायक गोरधन वर्मा ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को सीमा पर जाकर देश सेवा करने का अवसर नहीं मिलता, इसलिए हमें अपने कार्यों को पूरी निष्ठा और समर्पण भाव से करते हुए भारत माता के प्रति अपना कर्तव्य निभाना चाहिए।खंडेला विधायक सुभाष मील ने कहा कि कर्तव्य पथ पर देशहित में अपना बलिदान देने वाले वीर सदा अमर रहते हैं। उन्होंने युवाओं से अपनी ऊर्जा का उपयोग राष्ट्रहित में करते हुए देश को आगे बढ़ाने का संकल्प लेने की अपील की।इस अवसर पर पूर्व केंद्रीय मंत्री सुभाष महरिया, भाजपा जिला अध्यक्ष मनोज बाटड़, राजेश रोलन, जिला कलेक्टर आशीष मोदी, पुलिस अधीक्षक प्रवीण नायक नुनावत, लक्ष्मणगढ़ उपखण्ड अधिकारी मोहर सिंह मीना, सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी, ग्रामवासी एवं शहीद वीरांगनाएं उपस्थित रहीं।

माता की स्मृति में पुत्रों ने छात्रावास के लिए बहुमूल्य एक बीघा भूमि की दान

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।

व्यवसायी परमेश्वर लाल सैनी व मुकेश कुमार सैनी ने अपनी माताश्री श्रीमती लक्ष्मी देवी की स्मृति में छात्रावास निर्माण के लिए एक बीघा बेशकीमती भूमि दान करने की घोषणा की हैं। यह जानकारी देते हुए महात्मा ज्योतिबा फुले छात्रावास लक्षमनगढ के अध्यक्ष अनिल कुमार बागड़ी ने बताया कि सोमवार को आयोजित टीके की रस्म अदायगी के अवसर पर व्यवसायी पुत्रों ने अपनी माताश्री की स्मृति में महात्मा ज्योतिबा फुले छात्रावास को अपनी बहुमूल्य जमीन में से बेशकीमती एक बीघा जमीन दान करने की घोषणा की हैं । छात्रावास के महामंत्री महेंद्र कुमार माली ने बताया इससे पूर्व इनके पिता विनोद कुमार गौड़ सैनी ने भी अपने माता-पिता की स्मृति छात्रावास निर्माण के लिए बेशकीमती दो बीघा जमीन दान दी थी । जिस पर छात्रावास का निर्माण कार्य चल रहा है तथा समाज के युवा छात्रावास में रहकर प्रतियोगिता परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं। छात्रावास के संयोजक सज्जन कुमार सैनी ने बताया कि छात्रावास के लिए करीब तीन वर्ष पूर्व भामाशाह विनोद गौड़ दान दी थी। पिता के ही पद चिन्हों पर चलते हुए पुत्रों ने भी अब बहुमूल्य एक जमीन दान कर अनुकरणीय व अतुलनीय उदाहरण समाज के समक्ष प्रस्तुत किया है।

रामगढ़-मंडावा सड़क बदहाल: गड्ढों, जलभराव और टूटी सड़क से रोजाना जूझ रहे राहगीर, हादसों का बढ़ा खतरा

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावा।

पवन कुमार शर्मा । मंडावा-रामगढ़ सड़क मार्ग की जर्जर हालत क्षेत्र के हजारों ग्रामीणों, वाहन चालकों और राहगीरों के लिए गंभीर परेशानी का कारण बन गई है। सड़क पर जगह-जगह बड़े गड्ढे, उखड़ी हुई डामर परत तथा कई स्थानों पर जलभराव के कारण आवागमन जोखिम भरा हो गया है। लंबे समय से समस्या बनी रहने के बावजूद संबंधित विभाग द्वारा कोई ठोस कार्रवाई नहीं किए जाने से लोगों में भारी रोष व्याप्त है। मार्ग की वर्तमान स्थिति को देखकर स्पष्ट होता है कि कई हिस्सों में सड़क पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो चुकी है। सड़क किनारों से डामर उखड़ने के कारण मार्ग संकरा हो गया है, जिससे वाहन चालकों को संतुलन बनाए रखने में कठिनाई होती है। वहीं रेलवे ओवरब्रिज के नीचे जलभराव की स्थिति ने समस्या को और अधिक गंभीर बना दिया है। पानी भरे गड्ढों की गहराई का अंदाजा नहीं लग पाने के कारण वाहन चालकों को दुर्घटना का भय बना रहता है।

स्थानीय निवासी राजकुमार चौधरी ने बताया कि सड़क की हालत पिछले लंबे समय से खराब बनी हुई है। कई स्थानों पर सड़क का नामोनिशान तक मिट चुका है और केवल गिट्टी व मिट्टी ही दिखाई देती है।

दुपहिया वाहन चालक आए दिन गड्ढों में फंसकर गिर जाते हैं, जिससे उन्हें चोटें भी लगती हैं। बरसात के दौरान स्थिति और अधिक विकट हो जाती है, जब सड़क पर जलभराव के कारण आवागमन लगभग बाधित हो जाता है। ग्रामीणों का कहना है कि इस संबंध में कई बार विभागीय अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों को अवगत कराया जा चुका है, लेकिन अब तक केवल आश्वासन ही मिले हैं। सड़क की मरम्मत और पुनर्निर्माण की दिशा में कोई प्रभावी कदम नहीं उठाया गया है। इससे क्षेत्र के किसानों, विद्यार्थियों, कर्मचारियों और व्यापारियों को प्रतिदिन परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। क्षेत्रवासियों ने प्रशासन और सार्वजनिक निर्माण विभाग से मांग की है कि मंडावा-रामगढ़ सड़क मार्ग की तत्काल मरम्मत कराई जाए तथा जलनिकासी की समुचित व्यवस्था की जाए, ताकि आमजन को राहत मिल सके और संभावित दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाया जा सके। लोगों का कहना है कि यदि जल्द समाधान नहीं किया गया तो जनआंदोलन करने पर भी विचार किया जाएगा। क्षेत्रवासियों की मांग है कि सड़क की बदहाल स्थिति को देखते हुए प्रशासन तत्काल संज्ञान लेकर मरम्मत कार्य शुरू कराए, ताकि लोगों को सुरक्षित और सुगम आवागमन की सुविधा मिल सके।

ग्रामीण सेवा शिविर बना राहत का माध्यम, तीन माह से लंबित मामलों का हुआ मौके पर निस्तारण

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावा।

पवन कुमार शर्मा । राज्य सरकार के निर्देशानुसार ग्रामीण क्षेत्रों में आमजन को त्वरित, पारदर्शी एवं सुगम सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से आयोजित ग्रामीण सेवा शिविरों का सकारात्मक प्रभाव अब दिखाई देने लगा है। पंचायत समिति मंडावा की ग्राम पंचायत सीरियासर कलां में आयोजित ग्रामीण सेवा शिविर के दौरान लंबे समय से लंबित जनसेवा कार्यों का सफलतापूर्वक निस्तारण कर ग्रामीणों को बड़ी राहत प्रदान की गई। शिविर में करीब तीन माह से लंबित पड़े तीन मृत्यु प्रमाण-पत्रों को प्राथमिकता के आधार पर जारी किया गया। प्रमाण-पत्र नहीं मिलने के कारण संबंधित परिवारों को विभिन्न सरकारी योजनाओं एवं प्रशासनिक कार्यों में परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। शिविर में ही इन मामलों का समाधान होने पर प्रभावित परिवारों ने राहत महसूस करते हुए प्रशासन का आभार व्यक्त किया। ग्रामीण सेवा शिविर के दौरान जनाधार योजना से संबंधित कार्यों का भी प्रभावी ढंग से निष्पादन किया गया। एक नए लाभार्थी का जनाधार नामांकन किया गया, जबकि सात नए सदस्यों को जनाधार से जोड़ा गया। इसके अतिरिक्त 27 विभिन्न प्रकार के जनाधार संशोधन कार्यों को भी मौके पर ही पूर्ण किया गया। इससे ग्रामीणों को बार-बार सरकारी कार्यालयों के चक्कर लगाने से मुक्ति मिली और आवश्यक दस्तावेज समय पर उपलब्ध हो सकें। शिविर में उपस्थित अधिकारियों ने बताया कि राज्य सरकार की मंशा के अनुरूप ग्रामीण क्षेत्रों में सरकारी सेवाओं को घर-घर तक पहुंचाने और लोगों की समस्याओं का त्वरित समाधान करने के लिए ऐसे शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। इन शिविरों के माध्यम से पात्र व्यक्तियों को योजनाओं का लाभ समय पर उपलब्ध कराने के साथ-साथ प्रशासनिक प्रक्रियाओं को भी सरल बनाया जा रहा है। इस कार्य को सफल बनाने में जिला कलक्टर अरुण गर्ग, उपखंड अधिकारी देवीलाल यादव, तहसीलदार डॉ. सुरेंद्र भास्कर, आधार एवं जनाधार ब्लॉक नोडल अधिकारी एवं ब्लॉक सांख्यिकी अधिकारी शारदा देवी,

जन्म-मृत्यु रजिस्ट्रार सुनील माहिच, अमित चौधरी विकास अधिकारी पंचायत समिति मंडावा,सांख्यिकी विभाग के संगणक राकेश कुमार की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

ग्रामीणों ने प्रशासन की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ग्रामीण सेवा शिविरों के माध्यम से मौके पर ही समस्याओं का समाधान होने से समय और धन दोनों की बचत हुई है। साथ ही सरकारी सेवाओं के प्रति लोगों का विश्वास भी मजबूत हुआ है। ग्रामीणों का मानना है कि इस प्रकार के शिविर आमजन और प्रशासन के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने के साथ-साथ जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

सोमवती अमावस्या पर पुण्य कार्य, लोक सेवा ज्ञान मंदिर ट्रस्ट ने झुग्गी-झोपड़ियों में बांटे मटके, हाथ-पंखे और जलजीरा

भीम प्रज्ञा न्यूज.चिड़ावा।

सोमवती अमावस्या के पावन और पवित्र अवसर पर सामाजिक सरोकारों में सदैव अग्रणी रहने वाली संस्था लोक सेवा ज्ञान मंदिर ट्रस्ट, चिड़ावा द्वारा एक अनूठी और सराहनीय पहल की गई। क्षेत्र में पड़ रही भीषण और रिकॉर्डतोड़ गर्मी को देखते हुए ट्रस्ट ने स्टेशन स्थित झुग्गी-झोपड़ियों में रहने वाले जरूरतमंद परिवारों की मदद के लिए हाथ बढ़ाए। जिला प्रभारी राधेश्याम शर्मा सुखाड़िया के नेतृत्व में आयोजित इस सेवा कार्यक्रम के तहत बस्ती के अभावग्रस्त लोगों को भीषण तपिश से राहत दिलाने के

लिए ठंडे पानी के मिट्टी के मटके, हवा के लिए हाथ-पंखे और शरीर को शीतलता प्रदान करने वाली जलजीरा की बोतलें वितरित की गईं।

तहसील प्रभारी रजनीकांत मिश्रा ने संस्था के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि लोक सेवा ज्ञान मंदिर ट्रस्ट पूरे शेखावाटी अंचल में जरूरतमंदों की सेवा के लिए हमेशा अग्रिम पंक्ति में रहकर कार्य कर रहा है। इसी कड़ी में चिड़ावा इकाई द्वारा यह 'अनूठी पहल' शुरू की गई है, जिसके तहत झुग्गी बस्तियों में रहने वाले वंचित वर्ग के बीच हर छोटे-बड़े त्योहार पर पहुंचकर उनकी जरूरत के अनुसार सहयोग व खुशियां बांटने का प्रयास किया जाता है। इस भीषण गर्मी में जब मटके, पंखे और जलजीरा जैसी अत्यंत आवश्यक सामग्रियां बस्ती की मां-बहनों और मासूम बच्चों को मिलीं, तो उनके चेहरे खुशी से खिल उठे। बस्ती वासियों ने इस पुनीत कार्य के लिए ट्रस्ट का आभार जताया। इस अवसर पर जिला प्रभारी राधेश्याम शर्मा सुखाड़िया, तहसील प्रभारी रजनीकांत मिश्रा, ट्रस्ट संरक्षक अशोक पुजारी, अमित सैनी (गोलू), श्याम सुंदर शर्मा, विक्रम राजपूत सहित संस्था के कई कर्मठ सदस्य और गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

रक्तदान एक ऐसा महादान है जो किसी जरूरतमंद व्यक्ति को नया जीवन दे सकता है- प्रधान नरसिंह

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडी अटेली।

मनोज बुलाण । सैनी सभा नांगल चौधरी में समाज सेवी योगेश व सिंगर साहिल सैनी नारनौलिया के जन्मदिन के उपलक्ष्य में एक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें महंत शीतल दास महाराज मुख्य अतिथि तथा नरसिंह सैनी प्रधान विशिष्ट अतिथि रहे। शिविर में 101 यूनिट रक्त की एकत्रित हुआ। युवा साथी ग्रुप हरियाणा व उड़ान जनसेवा ट्रस्ट ढाणी बाठोठा के प्रधान ने एक दुपट्टा ओढ़ाकर व स्मृति चिन्ह भेंट कर नरसिंह प्रधान का स्वागत अभिनंदन किया। इस मौके पर प्रधान नरसिंह ने कहा कि रक्तदान एक ऐसा महादान है जो किसी जरूरतमंद व्यक्ति को नया जीवन दे सकता है। निरंतर रक्तदान करने के लिए प्रेरित किया। जन्म दिन को एक त्योहार की तरह मनाया गया। जन्मदिन पर इस तरह का शिविर लगाया जाना और भारी भीड इकट्ठा ऐसा पहली बार हुआ है। नरसिंह सैनी ने उपस्थित लोगों को रक्तदान के महत्व बारे जागरूक किया

तथा अधिक से अधिक लोगों को नियमित रक्तदान के लिए प्रेरित किया। स्वस्थ व्यक्ति द्वारा किया गया एक यूनिट रक्तदान कई लोगों के जीवन में उम्मीद की नई किरण जगा सकता है।

ग्रीष्मकालीन अभिरुचि कला-कौशल शिविर का समापन, प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र व स्मृति चिन्ह वितरित

भीम प्रज्ञा न्यूज.झुंझुनूं।

राजस्थान राज्य भारत स्काउट गाइड एवं शिक्षा विभाग झुंझुनूं के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित जिला स्तरीय स्काउट-गाइड ग्रीष्मकालीन अभिरुचि कला-कौशल प्रशिक्षण शिविर का समापन सोमवार को स्काउट-गाइड कार्यालय परिसर में समारोहपूर्वक किया गया। कार्यक्रम में मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी एवं स्काउट-गाइड के जिला मुख्य आयुक्त अशोक कुमार शर्मा मुख्य अतिथि रहे। समारोह की अध्यक्षता जिला उपाध्यक्ष विनोद सिंघानिया ने की, जबकि सीए मनीष अग्रवाल एवं स्काउट उपाध्यक्ष प्रमोद सैनी विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहें। सीओ स्काउट महेश कालावत ने बताया कि 18 मई से संचालित शिविर में छात्र-छात्राओं, महिलाओं एवं युवाओं को मेहंदी, ब्यूटी पार्लर, सिलाई, आर्ट एंड क्राफ्ट, वाद्य यंत्र, गीत-संगीत, नृत्य, पेंटिंग तथा स्पोकन इंग्लिश सहित विभिन्न विधाओं का प्रशिक्षण अनुभवी प्रशिक्षकों द्वारा दिया गया। शिविर के समापन अवसर पर सभी प्रतिभागियों को कार्य दक्षता प्रमाण पत्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया। मुख्य जिला

शिक्षा अधिकारी अशोक कुमार शर्मा ने कहा कि स्काउट-गाइड संगठन बालक-बालिकाओं एवं युवाओं में सामाजिक, नैतिक, चारित्रिक, आध्यात्मिक और शारीरिक गुणों का विकास करता है। अनुशासन का पाठ पढ़ाकर उन्हें देश का जिम्मेदार एवं सुयोग्य नागरिक बनाया जाता है। उन्होंने कहा कि शिविर में सीखे गए कौशल प्रतिभागियों को आत्मनिर्भर बनाने के साथ भविष्य में आर्थिक रूप से सशक्त बनने में भी सहायक होंगे।

विशिष्ट अतिथि सीए मनीष अग्रवाल ने कहा कि शिविर में सीखी गई गतिविधियों को जीवन का हिस्सा बनाना चाहिए। उन्होंने स्काउट-गाइड संगठन को सामाजिक क्षेत्र में संस्कारवान नागरिक तैयार करने वाला अग्रणी संगठन बताया। इस अवसर पर उन्होंने संगठन को स्टील की 21 थालियां, 21 चम्मच, 21 गिलास एवं तीन जग भेंट किए तथा सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग नहीं करने का संदेश दिया। अध्यक्षीय उद्बोधन में विनोद सिंघानिया ने स्काउट-गाइड संगठन द्वारा किए जा रहे निस्वार्थ कार्यों की सराहना करते हुए हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया।महेश कालावत ने बताया कि शिविर में रामसिंह कुल्हरी, रामचंद्र मीणा, समदर लाल सैनी, मुकेश कुमार, पिंकी धायल, विजेता नेहरा, सुनीता बेनीवाल, सरिता कुल्हरी, अंजू सैनी, रेणु सैनी, सुमित्रा सैनी, राज किरण, पूजा कुमारी, सिमोना झुनझुनवाला एवं राजेंद्र कुमार ने विभिन्न विषयों का प्रशिक्षण प्रदान किया। समारोह में स्काउट संगठन के कोषाध्यक्ष ओमप्रकाश डिग्रवाल, विजेंद्र कुमार, राष्ट्रपति स्काउट उमेश रोहिल्ला, सुरेंद्र किरोड़ीवाल, सुनील कुमार सहित बड़ी संख्या में शिविरार्थी, रोवर्स, रेंजर्स, स्काउट एवं गाइड उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन रामसिंह कुल्हरी ने किया।

पीबीएम अस्पताल सुधारो आंदोलन पांचवें दिन भी जारी, कांग्रेस ने चलाया सफाई अभियान

भीम प्रज्ञा न्यूज.बीकानेर।

पीबीएम अस्पताल में कथित चिकित्सा लापरवाही, भ्रष्टाचार और अव्यवस्थाओं के विरोध में जिला कांग्रेस कमेटी के नेतृत्व में चल रहा 'पीबीएम अस्पताल सुधारो' जनआंदोलन सोमवार को पांचवें दिन भी जारी रहा। आंदोलन के तहत कांग्रेसजनों और कांग्रेस सेवादल कार्यकर्ताओं ने अस्पताल परिसर में सफाई अभियान चलाकर प्रशासन का ध्यान अस्पताल की समस्याओं की ओर आकर्षित किया। देहात कांग्रेस अध्यक्ष बिशनाराम सियाग, शहर कांग्रेस अध्यक्ष मदनगोपाल मेघवाल तथा कांग्रेस सेवादल के प्रदेश उपाध्यक्ष कमल कल्ला के संयुक्त नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने हाथों में झाड़ू

लेकर अस्पताल परिसर में रैली निकाली। इसके बाद अस्पताल के विभिन्न वार्डों, परिसर और शौचालयों में श्रमदान कर सफाई की गई।बिशनाराम सियाग ने कहा कि अस्पताल प्रशासन अपनी जिम्मेदारियों का समुचित निर्वहन नहीं कर पा रहा है, जिसके कारण मरीजों और उनके परिजनों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि यह सफाई अभियान सांकेतिक रूप से अस्पताल की व्यवस्थाओं में व्याप्त गंदगी, अकर्मण्यता और भ्रष्टाचार को समाप्त करने का संदेश देता है।

मदनगोपाल मेघवाल ने कहा कि पीबीएम अस्पताल प्रशासन को जागृत करने और व्यवस्थाओं में सुधार की मांग को लेकर यह अभियान चलाया गया है। उन्होंने कहा कि अस्पताल के वार्डों और शौचालयों की सफाई कर प्रशासन का ध्यान मूलभूत समस्याओं की ओर आकर्षित किया गया। कांग्रेस सेवादल के प्रदेश उपाध्यक्ष कमल कल्ला ने कहा कि यह श्रमदान केवल अस्पताल परिसर की सफाई तक सीमित नहीं है, बल्कि प्रशासन और जनप्रतिनिधियों को भी अपनी जिम्मेदारियों के प्रति जागरूक करने का प्रयास है। उन्होंने कहा कि पीबीएम अस्पताल की सुरक्षा, संरक्षा और विकास प्रत्येक नागरिक का दायित्व है। जिला संगठन महासचिव प्रहलाद सिंह मार्शल ने बताया कि आंदोलन में कांग्रेस पदाधिकारियों, सेवादल कार्यकर्ताओं और सामाजिक कार्यकर्ताओं सहित बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लेकर अस्पताल की व्यवस्थाओं में सुधार की मांग को बुलंद किया।

सबको रोजगार देने के लिए सरकार से विशेष अभियान चलाने की जोरदार मांग

हर गांव में जिम,लाइब्रेरी खोलने का सरकारी फैसला जनमत की शानदार जीत : अशोक प्रधान

भीम प्रज्ञा न्यूज.रेवाड़ी।

जनहित में युवावर्ग की ज्वलंत समस्याओं के समाधान को लेकर राष्ट्रीय सामाजिक संगठन लोक सेवा मंच ने मेगा मिशन जनसंपर्क अभियान तेज कर दिया है । युवाओं ने सबको रोजगार उपलब्ध कराने के लिए सरकार से विशेष अभियान तुरंत शुरू करने की पुरजोर मांग उठाई है। इस सिलसिले में स्थानीय बड़ा तालाब के समीप युवाओं की बैठक हुई जिसमें राष्ट्रीय प्रगतिशील विचारक एवं सामाजिक कार्यकर्ता अशोक प्रधान लोक सेवा मंच मुख्य वक्ता बनकर पधारे। उन्होंने कहा कि अच्छा स्वास्थ्य,बेहतर शिक्षा और सबको रोजगार युवावर्ग की अनिवार्य जरूरतें हैं। बड़े पैमाने पर बेरोजगारी को लेकर युवाओं में भारी चिंता व्याप्त है । मगर इसी दौरान प्रदेश के हर गांव में इंडोर जिम और पुस्तकालय स्थापित करने सहित वीभिन्न विकास योजनाओं के लिए राज्य सरकार द्वारा 2697 करोड़ जारी होने से युवावर्ग की लोक सेवा मंच के माध्यम से बुलंद हुई आवाज के बलबूते जनमत की शानदार जीत पर खासा उत्साह

दिखाई दिया । कोर कमेटी के सदस्य नंदलाल यादव ने कहा कि मंच की ओर से मेगा मिशन जनसंपर्क अभियान के तहत जन सहयोग से लगातार जोरदार ढंग से उठाईं गईं अनेकानेक मांगों में से हर गांव में जिम और लाइब्रेरी खोलने की दो मांगें प्रदेश सरकार ने स्वीकार करके बजट अलॉट कर दिया है । इस पर उन्होंने युवाओं व प्रदेशभर के नागरिकों को बधाइयां दीं ।

सीएम को लिखे पत्र में कहा है कि हर गांव में जिम के साथ करीब 5 एकड़ में खेल के मैदान की व्यवस्था भी की जानी चाहिए तथा शहर के हर वार्ड व सेक्टर में भी जिम,लाइब्रेरी जल्द खोलने सहित अन्य लंबित मांगों को व्यापक जनहित में जल्द पूरा किया जाए । जिस प्रकार प्रदेश सरकार ने युवाओं के लिए खेलों का वार्षिक कैलेंडर जारी किया है , उसी तरह बड़ी संख्या में शिक्षित बेरोजगार युवाओं को एडजस्ट करने के लिए एसएससी की तर्ज पर जॉब (रोजगार) कैलेंडर घोषित करना चाहिए । युवाओं ने कहा कि देश-प्रदेश में 'रोजगार नीतियां' नहीं हैं जिससे सबको रोजगार का रास्ता नहीं मिल रहा है । केंद्र व राज्य सरकारों को रोजगार नीतियां जल्द बनानीं चाहिएं । उन्होंने आगे कहा कि शैक्षणिक संस्थानों, कोचिंग,ट्यूशन पर आने जाने के लिए सरकार को विद्यार्थियों के लिए स्पेशल बसें चलानी चाहिएं । शिक्षित बेरोजगारों को रोजगार उपलब्ध कराने तक क्षतिपूर्ति गुजारे भत्ते के तौर पर ?20हजार प्रतिमाह 'जॉब्लेस क्लेम' देने की व्यवस्था की जाए । इस सिलसिले में देश- प्रदेश के खेल,रोजगार एवं युवा मामलों के मंत्रियों, मुख्यमंत्री व प्रधानमंत्री को पत्र लिखे जाएंगे । समाधान होने तक मेगा मिशन जनसंपर्क अभियान लगातार जारी रहने का प्रस्ताव बैठक में सर्वसम्मति से पारित हुआ ।

ढांढण धाम में आयोजित हुआ आमरथ महोत्सव

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।

माँ ढांढणवाली के निज धाम ढांढण में तारादेवी रामेश्वर लाल बजाज चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा रविवार को श्री दादीजी का आमरथ महोत्सव मनाया गया। पुरुषोत्तम मास की चतुर्दशी पर दादीजी के दिव्य दरबार में प्रथम बार आम मनोरथ महोत्सव का आयोजन संध्या आरती के साथ प्रारम्भ हुआ। दादी भक्त संदीप बजाज एवं शुभम बजाज ने बताया कि दादीजी की संध्या आरती के पश्चात् भव्य भजन संध्या का आयोजन हुआ जिसमें शेखावाटी के प्रसिद्ध संत गुलाबनाथ जी महाराज

रुकनसर, पवन शर्मा लक्ष्मणगढ़ सहित सुप्रसिद्ध भजन गायकों ने मधुर भजनों से दादीजी को रिझाया जिन पर दादी भक्त झूम उठे । गुजरात एवं बंगाल के कारीगरों द्वारा विभिन्न किस्म के आमों से दादीजी के मंदिर का नयनाभिराम श्रृंगार किया गया जिसे देखकर श्रद्धालु भाव विभोर होकर दादीजी का गुणगान करने लगे कार्यक्रम में सर्वप्रथम नथमल बजाज फरीदाबाद एवं रामनिरंजन दिल्ली ने पूजा अर्चना करते हुए ज्योत प्रज्ज्वलित की कार्यक्रम में दिल्ली फरीदाबाद मुंबई किशनगढ़ लक्ष्मणगढ़ चुरु रतनगढ़ फतेहपुर बिसाऊ सादुलपुर जयपुर सहित कई जगह से श्रद्धालुओं ने भाग लिया।

श्री श्रद्धनाथजी का आश्रम के पीठाधीश्वर पद्मश्री ब्रह्मलीन संत बैजनाथ महाराज दी श्रद्धांजलि

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।

श्री श्रद्धनाथजी का आश्रम के पीठाधीश्वर पद्मश्री ब्रह्मलीन संत श्री बैजनाथ जी महाराज को संतों के सानिध्य में श्रद्धांजलि अर्पित की। यहां श्री ऋषिकुल विद्यापीठ सभागार में आयोजित श्रद्धांजलि सभा में शिव मठ धाम गाडौदा के पीठाधीश्वर महावीर जति महाराज,श्री शिलजति आश्रम भोजासर बडा के पीठाधीश्वर शिवराजजति महाराज, डुडवा आश्रम के प्रवीण नाथ महाराज एवं बीदावत जी मंदिर के महंत दिलीपदास के सानिध्य में आयोजित श्रद्धांजलि सभा में उपस्थित जनों ने

महाराज श्री को पुष्पांजलि अर्पित की। श्रद्धांजलि सभा में गाडोदा के महावीर जति महाराज ने आश्रम में बिताए दो वर्षों के अध्ययन काल का वर्णन करते हुए महाराजश्री को शिक्षा के क्षेत्र में अलख जगाने वाले संत की संज्ञा दी। भोजासर बडा के शिवराज जति महाराज ने कहा कि ऐसे संत पुण्यों से नसीब होते हैं जो जीवन पर्यंत सनातन संस्कृति और शिक्षा का प्रसार करते हैं। दिलीपदास महाराज ने राम धुन, वहीं गौ सेवक एवं शिक्षाविद संजय जोशी ने हनुमान चालीसा पाठ का वाचन किया। श्रद्धांजलि सभा में संस्था प्रधान डॉ रेखा शर्मा,शिक्षाविद अर्जुनलाल वर्मा, मांगीलाल शर्मा,पवन गोयनका, भागीरथमल शर्मा, रामनिवास राजोतिया, राजकीय महाविद्यालय सालासर के सहायक आचार्य चंद्रशेखर मिश्रा, वरिष्ठ अध्यापक कमल किशोर गोयनका,राजकुमार खिरवेवाला, जयप्रकाश सरावगी,सूरजभान बिंजला, विद्याधर शर्मा, कैलाश शर्मा, सुमित पूनियां, प्रदीप दाधीच, संदीप शर्मा,मनीषा शर्मा, शारीरिक शिक्षक बनवारीलाल मील, प्रवीण दाधीच, सुनीता सैनी, विद्यापीठ स्टाफ, बी.एड महाविद्यालय के प्रशिक्षणार्थी आदि उपस्थित रहे। संचालन सुभम शर्मा ने किया। इस अवसर पर संतो सहित उपस्थित जनों ने महाराजश्री को श्रद्धांजलि अर्पित की।

शिविरों में लंबित मामलों का मौके पर हो निस्तारण, आमजन को मिले तत्काल राहत

जिला कलक्टर ने दिए प्री-कैंप और फॉलोअप कैंप के निर्देश, पेंडेंसी खत्म करने पर जोर

भीम प्रज्ञा न्यूज.दौसा।

मनोज खंडेलवाल । ग्रामीण एवं शहरी सेवा शिविरों को आमजन की समस्याओं के प्रभावी समाधान का मजबूत माध्यम बनाते हुए जिला कलक्टर डॉ. सौम्या झा ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि शिविरों में आने वाले प्रत्येक प्रकरण का संवेदनशीलता और जवाबदेही के साथ निस्तारण सुनिश्चित किया जाए, ताकि लोगों को वास्तविक राहत मिल सके। सोमवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित समीक्षा बैठक में जिला कलक्टर ने कहा कि राज्य सरकार की मंशा है कि आमजन के लंबे समय से लंबित कार्य शिविरों में प्राथमिकता के साथ निपटें और पात्र लोगों तक योजनाओं का लाभ समयबद्ध रूप से पहुंचे। उन्होंने आगामी शिविरों की प्रभावशीलता बढ़ाने के लिए पूर्व तैयारी स्वरूप प्री-कैंप आयोजित करने तथा पहले से आयोजित शिविरों के फॉलोअप कैंप लगाने के निर्देश दिए। साथ ही ग्राम पंचायतों और नगरीय निकाय क्षेत्रों में विभिन्न विभागों से जुड़े लंबित प्रकरणों को प्राथमिकता से निस्तारित कर पेंडेंसी को न्यूनतम स्तर तक लाने पर जोर दिया।

जिला कलक्टर ने राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, नामांतरण, फार्मर रजिस्ट्री सहित विभिन्न जनकल्याणकारी सेवाओं से जुड़े लंबित

आवेदनों का शत-प्रतिशत निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश देते हुए कहा कि शिविरों का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए, ताकि अधिक से अधिक पात्र व्यक्ति लाभान्वित हो सकें। उन्होंने जनप्रतिनिधियों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने और उपखंड अधिकारियों को ग्रामीण एवं शहरी दोनों प्रकार के शिविरों का नियमित निरीक्षण कर प्रभावी मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए। बैठक में अतिरिक्त जिला कलक्टर अरविंद शर्मा, जिला परिषद के अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी राजेश कुमार मीणा सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे, जबकि जिले के सभी उपखंड अधिकारी, तहसीलदार, नगर परिषद आयुक्त एवं अधिशासी अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया कि शिविरों का मूल उद्देश्य आमजन को कार्यालयों के चक्कर से राहत देकर समस्याओं का समाधान उनके गांव और शहर स्तर पर उपलब्ध कराना है।

पुलिस वाहन पर हमले का फरार आरोपी दबोचा, दो साल बाद चढ़ा पुलिस के हत्थे

इनामी बदमाश की तलाश के दौरान पुलिस जाप्ते पर हमला करने के मामले में बांदीकुई पुलिस की कार्रवाई, आरोपी रिमांड पर

भीम प्रज्ञा न्यूज.बांदीकुई।

मनोज खंडेलवाल । कानून व्यवस्था को चुनौती देकर पुलिस जाप्ते पर हमला करने के मामले में बांदीकुई पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। करीब दो वर्ष से फरार चल रहे आरोपी को गिरफ्तार कर पुलिस ने मामले में चल रही जांच को नई दिशा दी है। आरोपी पर आरोप है कि उसने अपने साथियों के साथ मिलकर इनामी बदमाश की तलाश में गई पुलिस टीम पर जानलेवा हमला करते हुए पुलिस वाहन को टक्कर मार दी थी। जिला पुलिस अधीक्षक पीयूष दीक्षित के निर्देशन तथा वृत्ताधिकारी लक्ष्मीकांत शर्मा के सुपरविजन में थाना प्रभारी जहीर अब्बास एवं उनकी टीम ने कार्रवाई करते हुए फरार आरोपी अजय कुमार मीना निवासी रुपबास को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार 9 नवंबर 2024 को तत्कालीन महवा थाना प्रभारी जितेन्द्र सिंह द्वारा दर्ज कराई गई रिपोर्ट के आधार पर मामला दर्ज किया गया था। पुलिस टीम उस समय इनामी बदमाश दीपक गुर्जर की तलाश में रलावता नदी क्षेत्र के जंगलों में पहुंची थी, जहां आरोपियों ने पुलिस कार्रवाई में बाधा डालते हुए पुलिस वाहन को टक्कर मार दी थी।

मामले में भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं तथा सार्वजनिक संपत्ति क्षति निवारण अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज कर अनुसंधान शुरू किया गया था। जांच के दौरान चार आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है, जबकि अन्य आरोपियों की तलाश जारी थी। इसी क्रम में मुखबिर सूचना के आधार पर पुलिस ने रुपबास क्षेत्र में दबिश देकर आरोपी अजय कुमार मीना को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अधिकारियों के अनुसार आरोपी से घटना के संबंध में गहन पूछताछ की जा रही है तथा उसे पुलिस रिमांड पर लेकर मामले के अन्य पहलुओं की जांच जारी है। पुलिस का कहना है कि कानून से बचने की कोशिश करने वाले आरोपियों के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा।

शिविर में हुई पथरगढ़ी, वर्षों की जमीन चिंता से मुक्त हुआ किसान

महादेवपुरा में राजस्व टीम ने किया सीमांकन, भूमि विवाद की आशंका समाप्त।

भीम प्रज्ञा न्यूज.दौसा।

मनोज खंडेलवाल । ग्रामीण सेवा शिविर अब केवल सरकारी योजनाओं के प्रचार तक सीमित नहीं रहकर ग्रामीणों की जमीनी समस्याओं के समाधान का प्रभावी माध्यम बनते जा रहे हैं। बसवा

उपखंड क्षेत्र की ग्राम पंचायत केसरीसिंहपुरा के महादेवपुरा निवासी किसान बालकिशन शर्मा को भी शिविर के माध्यम से बड़ी राहत मिली है। वर्षों से कृषि भूमि की स्पष्ट सीमाओं को लेकर बनी असमंजस की स्थिति का समाधान राजस्व विभाग ने सीमांकन और पथरगढ़ी कर दूर कर दिया। ग्रामीण सेवा शिविर के दौरान राजस्व विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर भूमि अभिलेखों और राजस्व नक्शों का परीक्षण किया तथा नियमानुसार सीमांकन कर खेत की पथरगढ़ी करवाई। पथरगढ़ी के बाद भूमि की सीमाएं स्पष्ट रूप से चिन्हित हो गईं, जिससे भविष्य में भूमि विवाद और कब्जे को लेकर उत्पन्न होने वाली आशंकाओं पर भी विराम लग गया। किसान बालकिशन शर्मा ने बताया कि लंबे समय से पथरगढ़ी नहीं होने के कारण वह परेशान था। शिविर की जानकारी मिलने पर उसने आवेदन प्रस्तुत किया, जिस पर राजस्व प्रशासन ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आवश्यक प्रक्रिया पूरी कर खेत की पथरगढ़ी करवा दी। इससे अब भूमि की सीमाएं स्पष्ट हो गई हैं और उसे मानसिक संतोष मिला है। उपखंड अधिकारी रविकांत सिंह ने बताया कि ग्रामीण सेवा शिविरों में राजस्व संबंधी मामलों के त्वरित निस्तारण, भूमि सीमांकन, पथरगढ़ी तथा विभिन्न विभागों की सेवाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध कराई जा रही हैं। इससे ग्रामीणों को राहत मिल रही है और शासन की योजनाओं का लाभ सीधे गांव स्तर तक पहुंच रहा है।

हरमनप्रीत टी20 विश्व कप में सबसे अधिक रन बनाने वाली भारतीय महिला क्रिकेटर बनी

लंदन (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने पाकिस्तान के खिलाफ टी20 विश्व कप मुकाबले में 36 रनों की अपनी पारी के दौरान ही एक नया रिकार्ड अपने नाम कर लिया है। हरमनप्रीत अब टी20 विश्वकप में सबसे अधिक रन बनाने वाली भारतीय खिलाड़ी बन गयी हैं। इससे पहले पूर्व कप्तान मिताली राज 726 रनों के साथ ही रनों के मामले में शीर्ष पर थीं। मैच के दौरान अपनी पहली ही गेंद पर एक रन लेकर उन्होंने मिताली के लंबे समय से चले आ रहे इस रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया।

इस शानदार प्रदर्शन के साथ, हरमनप्रीत के टी20 विश्व कप में अब कुल 762 रन हो गए हैं, जो किसी भी भारतीय महिला खिलाड़ी द्वारा बनाए गए सबसे अधिक रन हैं। इस प्रकार उन्होंने 726 रनों के साथ दूसरे स्थान पर मौजूद मिताली के रिकॉर्ड को ध्वस्त कर दिया है, जिन्होंने कई वर्षों तक यह प्रतिष्ठित स्थान बरकरार रखा था। टी20 विश्व कप में सबसे अधिक रन बनाने वाली भारतीय महिला बल्लेबाजों की सूची में तीसरे स्थान पर मंधाना हैं, जिन्होंने अब तक 592 रन बनाए हैं। उनके बाद जेमिमा रोड्रिग्स 408 रनों के साथ चौथे और पुनम राऊत 375 रनों के साथ पांचवें स्थान पर हैं।

हरमनप्रीत का यह रिकॉर्ड उनकी निरंतरता, जुझारूपन और बड़े मंच पर दबाव में भी अच्छा प्रदर्शन करने की क्षमता को दिखाता है। एक कप्तान और एक मैच विजेता के रूप में, उनका योगदान भारतीय महिला क्रिकेट के लिए अमूल्य है। यह उपलब्धि सिर्फ उनके व्यक्तिगत करियर में एक सुनहरा अध्याय नहीं जोड़ती, बल्कि भारतीय महिला क्रिकेट की बढ़ती ताकत और वैश्विक मंच पर उसकी पहचान को भी रेखांकित करती है। उनकी यह पारी आने वाली पीढ़ी के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगी।

यह उपलब्धि हरमनप्रीत के लिए ऐसे समय पर आई जब टीम को उनकी सबसे ज्यादा जरूरत थी। पाक के खिलाफ भारतीय पारी की शुरुआत खराब रही थी, जब शैफाली वर्मा और जेमिमा रोड्रिग्स ने शुरुआत में ही अपने विकेट खो दिए। ऐसे दबाव के बीच भी हरमनप्रीत ने तीसरे नंबर पर आक्रामक बल्लेबाजी की । उन्होंने 35 गेंदों पर 36 रन बनाये। इसमें , 4 शानदार चौके भी शामिल थे।

हरमनप्रीत ने इस मैच में स्मृति मंधाना के साथ मिलकर तीसरे विकेट के लिए 91 रनों की एक बेहद महत्वपूर्ण और निर्णायक साझेदारी निभाई। इस साझेदारी ने न केवल भारतीय पारी को स्थिरता प्रदान की और उसे गति दी, बल्कि

यह भारत की जीत की नींव रखने में भी महत्वपूर्ण साबित हुई। उनकी यह कप्तानी पारी, जिसमें उन्होंने रिकॉर्ड भी तोड़ा और टीम को मजबूती भी दी, भारतीय टीम के लिए प्रेरणादायक थी।

भारत-पाकिस्तान महिला टी20 विश्वकप मुकाबले में रिकार्ड संख्या में पहुंचे दर्शक

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईसीसी महिला टी20 विश्व कप 2026 में रविवार को खेले गये भारत और पाकिस्तान के बीच हुए मुकाबले में दर्शकों की भारी तादाद ने एक नया रिकार्ड बना दिया। विश्वकप में हमेशा ही भारतीय टीम हावी रही है पर इसके बाद भी इन मैचों में गजब का आकर्षण रहा है। इस बार तो दर्शकों की भारी संख्या ने पिछले सारे रिकार्ड तोड़ दिये।

ये पहली बार है जब आईसीसी महिला टी20 विश्व कप के लीग या ग्रुप चरण के किसी मैच को देखने के लिए इतनी भारी संख्या में दर्शक स्टेडियम पहुंचे हैं। इससे पहले 6 अक्टूबर 2024 को दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में हुए मुकाबले में 15,935 दर्शकों स्टेडियम पहुंचे थे। तब ये महिला टी20 विश्व कप के इतिहास में किसी भी ग्रुप चरण के मैच में सबसे अधिक दर्शकों की संख्या थी लेकिन इस बार बर्मिंघम स्थित एजबेस्टन मैदान में ये रिकार्ड भी टूट गया। इस बार भारत-पाकिस्तान महिला टी20 विश्व कप मैच को देखने के लिए 18,814 दर्शक स्टेडियम में पहुंचे थे। ये महिला टी20 विश्व कप के किसी भी ग्रुप स्तर मैच का सबसे अधिक आंकड़ा है। इस तरह दुबई में दो साल पहले बना रिकॉर्ड इंग्लैंड में टूट गया, ये दिखाता है कि भारत और पाक के बीच मुकाबले का कितना आकर्षण रहता है।

इस मैच में भारतीय टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 170 रन बनाये। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए पाक टीम 106 रनों पर सिमट गई। इस प्रकार भारतीय टीम को 64 रनों से जीत मिली। टी20 विश्व कप के इतिहास में पाकिस्तान की महिला टीम की भारतीय टीम के हाथों यह सातवीं हार थी।

फीफा विश्व कप : अयारी के दो गोल से स्वीडन ने ट्यूनीशिया को 5-1 से पीटा

मॉन्टेरी (एजेंसी)। यासीन अयारी के दो गोलों की सहायता से स्वीडन ने फीफा विश्व कप फुटबॉल के अपने पहले ही मैच में ट्यूनीशिया की टीम को 5-1 से हरा दिया। इस एकतरफा मुकाबले में अयारी ने दो शानदार गोल लागकर स्वीडन की जीत में मुख्य भूमिका निभाई। इस शानदार जीत के साथ ही स्वीडन की टीम ग्रुप एफ में नंबर एक पर पहुंच गयी है। इस मैच में अयारी ने काफी अच्छा प्रदर्शन किया। उन्होंने खेल के सातवें मिनट में ही एक गोल दागकर स्वीडन को बढ़त दिला दी। वहीं दूसरे हाफ के इंजरी टाइम में एक एक और गोल कर ट्यूनीशिया की वापसी की उम्मीदों को समाप्त कर दिया। अयारी ट्यूनीशियाई मूल के हैं पर वह स्वीडन से खेलते हैं। इस पूरे मैच के दौरान स्वीडन के खिलाड़ी हावी रहे। टीम ने आक्रामक खेल दिखाया और ट्यूनीशियाई डिफेंस को अवसर नहीं दिया। स्वीडन के अलेक्जेंडर इसाक ने 30वें मिनट में एक गोल किया जबकि विक्टर ग्योकेरेस ने 59वें मिनट में एक और गोल दाग दिया। इन दोनों खिलाड़ियों ने एक-एक गोल करने के साथ ही एक-एक गोल में सहायता भी की। इससे टीम में एकजुटता और तालमेल साफ दिखा। मैटियस स्वानबर्ग ने 84वें मिनट में एक और गोल कर स्वीडन की जीत के अंतर को और बढ़ा दिया। वहीं, विश्व रैंकिंग में 45वें स्थान पर काबिज ट्यूनीशिया के लिए उमर रेकिक ने एकमात्र गोल किया। यह ट्यूनीशिया का सातवां विश्व कप है हालांकि वह एक बार भी ग्रुप चरण से आगे नहीं बढ़ पायी है।

फीफा विश्ववकप 2026 : मेजबान अमेरिका ने पैराग्वे को 4-1 से हराकर दर्ज की सबसे बड़ी जीत

कनाडा ने बोस्निया और हर्जेगोविना से ड्रॉ खेलकर हासिल किया पहला अंक

लॉस एंजिलिस (एजेंसी)। फीफा विश्व कप फुटबॉल में मेजबान अमेरिका ने पैराग्वे को 4-1 से हराकर विश्व कप इतिहास की अपनी सबसे बड़ी जीत दर्ज की, वहीं सह-मेजबान कनाडा ने बोस्निया और हर्जेगोविना के खिलाफ 1-1 से ड्रॉ खेलकर विश्व कप में अपना पहला बहुप्रतीक्षित अंक हासिल किया। ग्रुप डी के इस मुकाबले में अमेरिका ने मैच की शुरुआत से ही अपने इरादे साफ कर दिए थे। सातवें मिनट में कप्तान क्रिश्चियन पुलिसिक ने जबरदस्त हमला किया। इस दौरान दौरान पैराग्वे के डिफेंडर डेमियन बोबाडिला के आत्मघाती गोल ने अमेरिका को शुरुआती बढ़त मिल गयी। इसके बाद, 31वें मिनट में फोलारिन बालोगुन ने पुलिसिक के एक शानदार पास को गोल में बदलकर स्कोर 2-0 कर दिया। पहले हाफ के इंजरी टाइम में बालोगुन ने अपना दूसरा गोल दागकर अमेरिकी टीम को 3-0 की मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया। दूसरे हाफ में, पैराग्वे के मौरिसियो ने 72वें मिनट में एक गोल दागकर स्कोर 3-1 किया, लेकिन यह काफी नहीं था। मैच के अंतिम क्षणोंमें युवा खिलाड़ी जियो रेयना

ने एक बेहतरीन गोल कर अमेरिका की 4-1 की ऐतिहासिक जीत पर मुहर लगा दी। यह न सिर्फ फीफा विश्व कप में अमेरिका की सबसे बड़ी जीत है, बल्कि यह पहला अवसर है जब उन्होंने विश्व कप के किसी एक मैच में चार गोल दागे हैं, जो उनकी आक्रामक खेल शैली का प्रमाण है।

वहीं दूसरी ओर टोरंटो में सह-मेजबान कनाडा ने बोस्निया और हर्जेगोविना के खिलाफ 1-1 से ड्रॉ खेलकर फीफा विश्व कप में अपना पहला अंक हासिल किया। मैच के 21वें मिनट में बोस्निया के जोवो लुकिच ने गोल दागकर अपनी टीम को बढ़त दिला दी, जिसके बाद कनाडा ने वापस के प्रयास शुरु कर दिये। । दूसरे हाफ के 77वें मिनट में सब्स्टीट्यूट खिलाड़ी साइल लारिन ने शानदार गोल दागकर स्कोर को 1-1 से बराबर कर दिया। इसके बाद कनाडा ने जीत के लिए पूरी ताकत झोंक दी पर बोस्निया का डिफेंस मजबूत बना रहा और अंततः मैच ड्रॉ पर समाप्त हुआ।

आईसीसी ट्रॉफी मैदान में भारत और पाक की पूर्व कप्तानों को लाते देख प्रशंसक हुए हैरान

लंदन । भारतीय टीम ने टी20 महिला विश्व कप क्रिकेट टूर्नामेंट में पाकिस्तान की टीम से हाथ न मिलाते हुए दूरी बनाये रखी। इस मैच में भारतीय महिला टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पाक टीम को 64 रनों से हरा दिया। हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में उतरी भारतीय टीम ने जहां पाक टीम से दूरी बनाये रखी। वहीं मैदान पर ट्रॉफी लाते हुए भारत की पूर्व कप्तान मिताली राज और पाकिस्तान की पूर्व कप्तान सना मीर एक साथ नजर आयीं जिससे प्रशंसक हैरान हो गये और उनके मन में सवाल भी उठने लगे कि जहां वर्तमान भारतीय खिलाड़ियों ने मैच के बाद पाकिस्तानी खिलाड़ियों से हाथ मिलाने से परहेज किया, वहीं मैच से ठीक पहले ट्रॉफी के लिए दोनो की पूर्व कप्तान कैसे साथ आई। गौरतलब है कि मैच शुरू होने से पहले विश्व कप की ट्रॉफी को मैदान पर लाने की एक विशेष रस्म अदा की गई। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने इस महत्वपूर्ण कार्य का अवसर भारत की मिताली और पाक की सना मीर को दिया। इसी कारण ये दोनों दिग्गज खिलाड़ी मिलकर विश्व कप ट्रॉफी को दर्शकों के बीच लेकर आईं और बाद में ट्रॉफी के साथ एक तस्वीर के लिए भी पहुंची। जिसपर कई लोगों को हैरानी भी हुई।

इंग्लैंड की मुश्किलें बढ़ीं, दूसरे टेस्ट से बाहर हुए रॉबिन्सन

लंदन । न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच से ठीक पहले इंग्लैंड टीम के बल्लेबाज ओली रॉबिन्सन अभ्यास के दौरान चोटिल होने के कारण मैच से बाहर हो गये हैं। दो साल बाद टीम में वापसी कर रहे रॉबिन्सन के घुटने में चोट लगी हैं। ऐसे में उनकी जगह पर हेनरी क्रोकोम्बे को शामिल किया गया है। गौरतलब है कि इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के बीच दूसरा टेस्ट मैच 19 जून से ओवल में खेला जाएगा। रॉबिन्सन की जगह पर शामिल क्रोकोम्बे ने अब तक कोई अंतराराष्ट्रीय मैच नहीं खेला है पर वह इंग्लैंड लायंस टीम के नियमित सदस्य रहे हैं। उन्होंने फर्स्ट क्लास क्रिकेट के 48 मैचों में 106 विकेट लिए हैं, जिसमें एक बार पांच विकेट और आठ बार चार विकेट लेने का रिकार्ड भी है।

मेजबान टीम की परेशानी इसलिए भी बढ़ी है क्योंकि न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में जीत के बाद कप्तान बेन स्टोक्स और गस एटकिंसन नाइटक्लब विवाद के कारण पहले ही दूसरे टेस्ट से बाहर कर दिये गये थे। वहीं अब इसमें रॉबिन्सन का भी नाम जुड़ गया है। में टीम के लिए राहत की बात ये है कि तेज गेंदबाज जोफा आर्चर की टीम में वापसी हुई है। वहीं स्टोक्स की जगह जो रूट को टीम का अंतरिम कप्तान बनाया गया है।

नीरज चोपड़ा दोहा डायमंड लीग 2026 में लंबे समय बाद करेंगे वापसी

दोहा (एजेंसी)। भारत के स्टार भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा शुक्रवार को दोहा डायमंड लीग 2026 से अपने एथलेटिक्स सीजन की शुरुआत करेंगे। सोमवार को जारी प्रतियोगिता की प्रवेश सूची में आयोजकों ने स्पर्धा में उनकी भागीदारी की पुष्टि की। डायमंड लीग के दोहा लेग में नीरज चोपड़ा की यह लगातार चौथी उपस्थिति होगी।

दो बार के ओलंपिक पदक विजेता ने 88.67 मीटर के थ्रो के साथ दोहा डायमंड लीग का 2023 एडिशन जीता था, 2024 में 88.36 मीटर के साथ दूसरे स्थान पर रहे और पिछले साल 90.23 मीटर का नेशनल रिकॉर्ड बनाया, लेकिन जर्मनी के जूलियन वेबर के पीछे दूसरे स्थान पर रहे। नीरज चोपड़ा के लिए यह 2026 एथलेटिक्स सीज़न का पहला

कॉम्पिटिशन होगा, जो स्विट्ज़रलैंड में ऑफ-सीज़न ट्रेनिंग कैंप के दौरान पीठ की चोट से उबर रहे थे। भारतीय जैवलिन थ्रो स्टार को आखिरी बार सितंबर में टोक्यो में वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 में एक्शन में देखा गया था।

डायमंड लीग में नीरज चोपड़ा की भागीदारी की पुष्टि ऐसे समय हुई है जब उन्हें कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 के लिए भारत की 32-सदस्यीय एथलेटिक्स टीम में अस्थायी रूप से शामिल किया गया था। दोहा में पुरुषों की भला फेंक प्रतियोगिता में भारतीय एथलीट के शामिल होने से पहले से ही मजबूत फील्ड में और गुणवत्ता जुड़ गई है।

जहां पाकिस्तान के ओलंपिक चैंपियन अरशद नदीम को शुरू में फील्ड में नाम होने के बाद प्रवेश सूची से हटा दिया गया है, वहीं श्रीलंका के रूमेष पथिराज, जो वर्तमान में वर्ल्ड चैंपियन हैं, दोहा में स्पर्धा के लिए तैयार हैं। रूमेष पथिराज इस महीने की शुरुआत में रोम डायमंड लीग में 92.62 मीटर का शानदार थ्रो करने के बाद दोहा आ रहे हैं। दोहा मीट 2026 डायमंड लीग सीज़न का सातवां पड़ाव है, जो 4 और 5 सितंबर को ब्रुसेल्स में होने वाले सीरीज फाइनल के साथ खत्म होगा।

इस बार विंबलडन में मिलेगी सबसे अधिक इनामी राशि

लंदन । इस माह के अंत में शुरु हो रहे विंबलडन टेनिस टूर्नामेंट में खिलाड़ियों को पहले से अधिक इनामी राशि मिलेगी। पिछले कुछ समय से खिलाड़ियों ने राजस्व में हिस्सेदारी बढ़ाने के लिए एक बड़ा अभियान चलाया था जिसके बाद ही विंबलडन ने अपनी कुल इनामी राशि में 20 फीसदी वृद्धि की घोषणा की। इस प्रतिष्ठित ग्रास कोर्ट ग्रैंडस्लैम टेनिस टूर्नामेंट के एकल चैंपियन को अब पिछली बार की जगह पर रिकॉर्ड 36 लाख पाउंड (लगभग 48 लाख डॉलर) मिलेंगे, जो कि प्रतियोगिता के इतिहास में अब तक की सबसे बड़ी विजेता राशि है। ऑल इंग्लैंड क्लब की अध्यक्ष, डेबोरा जेवन्स ने कहा है कि खिलाड़ियों की मांग के बाद दैनिक भत्ते सहित कुल इनामी राशि छह करोड़ 42 लाख पाउंड (लगभग आठ करोड़ 58 लाख डॉलर) तक पहुंच जाएगी। यह महत्वपूर्ण बढ़ोतरी ऐसे समय में हुई है जब टेनिस खिलाड़ी लंबे समय से चार ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंटों से होने वाली भारी कमाई में अपनी अधिक हिस्सेदारी की मांग कर रहे थे। हाल के महीनों में, इस मुद्दे पर खिलाड़ियों ने सामूहिक कार्रवाई की दिशा में ठोस कदम उठाने शुरू किये थे। फ्रेंच ओपन से ठीक पहले, दुनिया की नंबर एक महिला खिलाड़ी एरिना सबालेंका ने तो यहां तक कहा था कि यदि उनकी मांगें पूरी नहीं होती हैं, तो खिलाड़ियों को किसी न किसी स्तर पर टूर्नामेंटों का बहिष्कार करना चाहिए। इसके अलावा पुरुषों के नंबर एक खिलाड़ी यानिक सिनर, अमेरिकी स्टार कोको गॉफ और कई अन्य शीर्ष खिलाड़ियों ने भी सार्वजनिक रूप से इस मुद्दे पर अपनी बात रखी थीहै। खिलाड़ियों की एकजुटता का एक और उदाहरण रोलां गैरो (फ्रेंच ओपन) पर देखने को मिला, जहां टूर्नामेंट से पहले हुई प्रेस कॉन्फ्रेंस में शीर्ष 10 खिलाड़ियों ने टूर्नामेंट से होने वाली कमाई में अपने हिस्से को लेकर सांकेतिक विरोध दर्ज कराने के लिए पत्रकारों के साथ अपने सत्र को केवल 15 मिनट तक सीमित रखा। यह कदम स्पष्ट रूप से आयोजकों पर दबाव बनाने के उद्देश्य से उठाया गया था। इसी का परिणाम अब सामने आया है।

इंग्लैंड दौरे के लिए इसी सप्ताह हो सकती है भारतीय एकदिवसीय टीम की घोषणा

विराट, हार्दिक और रोहित को फिट होने पर अवसर मिलना तय

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) चयन समिति इसी सप्ताह इंग्लैंड दौरे के लिए एकदिवसीय टीम की घोषणा कर सकती है। भारतीय टीम को अगले माह जुलाई में इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय सीरीज सीरीज खेलनी है। इस दौर को लेकर अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली, ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या और रोहित शर्मा पर सबकी नजरें रहेंगी। अगर ये फिट रहे तो इन्हें जगह मिलना पक्का है। कोहली और पांड्या दोनों ही चोटिल होने के कारण अफगानिस्तान के खिलाफ जारी रही तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज से बाहर हैं, इनकी फिटनेस रिपोर्ट पर चयनसमिति संभीरता से नजर रखेगी। विराट को मांसपेशियों में खिंचाव की समस्या है, जबकि हार्दिक पांड्या की चोट पुरानी है। हार्दिक, जो पहले चोट से उबरकर अफगानिस्तान सीरीज के लिए वापसी के करीब थे पर बदकिस्मती से आखिरी प्रशिक्षण सत्रों के दौरान पैर में दोबारा चोटिल होने के कारण बाहर हो गये। इस कारण वह एक बार फिर खेल से दूर हो गए हैं। वह अभी बेंगलुरु स्थित बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में रिकवरी के दौर से गुजर रहे हैं। वहीं चयनकर्ता और टीम प्रबंधन की प्राथमिकता है कि ये दोनों खिलाड़ी जल्द से जल्द फिट होकर अपनी फॉर्म फिर हासिल करें, जिससे 2027 विश्व कप के लिए एक आदर्श टीम संयोजन तैयार किया जा सके। अफगानिस्तान सीरीज में कोहली की अनुपस्थिति में ईशान किशन नंबर तीन पर बल्लेबाजी कर रहे हैं, जबकि हार्दिक की जगह युवा नीतीश कुमार रेड्डी को मौका दिया जा रहा है। चयनकर्ता चाहेंगे कि हार्दिक को पूर्ण रूप से फॉर्म में लौटने और वनडे क्रिकेट से तालमेल बिठाने के लिए पर्याप्त अवसर मिलें। साथ ही, नीतीश को भी भविष्य के लिए तैयार किया जा सके। दूसरी ओर रोहित की फॉर्म चिंता का एक बड़ा कारण बनी हुई है। बोर्ड और चयनकर्ताओं की ओर से पहले ही यह संकेत दिए जा चुके हैं कि उनकी प्रदर्शन पर सीरीज-दर-सीरीज बारीकी से नजर रखी जाएगी। उनकी पिछली सीरीज और आईपीएल 2026 दोनों ही औसत रहे थे, और अफगानिस्तान के खिलाफ पहले एकदिवसीय में भी वह रन बनाने के लिए संघर्ष करते दिखे, जहां वह रन आउट होने से पहले असहज महसूस कर रहे थे।

फीफा विश्वकप में बेहतर शुरुआत से ही मिलेगी सफलता : रोनाल्डो

ह्यूस्टन । पुर्तगाल के कप्तान और स्टार स्ट्राइकर क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने अपनी टीम से कहा है कि उसे फीफा विश्वकप खिताब जीतने की चिन्ता छोड़कर बेहतर शुरुआत पर ध्यान देना चाहिये। रोनाल्डो के अनुसार बेहतर शुरुआत होने से ही टीम को खिताबी जीत मिलने की संभावना रहेगी। पुर्तगाल की टीम विश्वकप में अपने अभियान की शुरुआत 17 जून को कांगो के खिलाफ मैच से करेगी है। उन्होंने खिलाड़ियों से खिताब जीतने के शुरुआती दबाव को भूलकर टूर्नामेंट में एक मजबूत और सकारात्मक शुरुआत पर ध्यान केंद्रित करने को कहा है। रोनाल्डो ने स्पष्ट किया कि बड़े लक्ष्यों की ओर बढ़ने से पहले, हर मैच को एक-एक करके खेलना और धीरे-धीरे अपनी रणनीति को अमल में लाने पर ही विश्व कप जैसे कठिन मुकाबले में सफलता मिल सकती है एक प्रकार से देखा जाये तो ये जीत की कुंजी होगी। पुर्तगाल अपना पहला ग्रुप मैच -गौतरलब हैकि 48 शीर्ष टीमों के इस विशाल टूर्नामेंट में रोनाल्डो के कारण ही पुर्तगाल को स्वाभाविक रूप से एक मजबूत दावेदार के रूप में देखा जा रहा है। 41 वर्षीय रोनाल्डो, जो इतिहास रचते हुए अपना छठा विश्व कप खेलने जा रहे हैं, इस मामले में अर्जेंटीना के अपने चिर-प्रतिद्वंद्वी लियोनेल मेसी के साथ सर्वाधिक विश्व कप खेलने का रिकॉर्ड साझा करेंगे। अपने अपार अनुभव और असाधारण नेतृत्व क्षमता के साथ, रोनाल्डो अच्छी तरह जानते हैं कि बड़े अंतरराष्ट्रीय मंचों पर किस तरह की मानसिकता की आवश्यकता होती है। उन्होंने अपनी बात पर जोर देते हुए कहा, अच्छी शुरुआत करना, पहले और दूसरे मैच में अच्छा प्रदर्शन करना और फिर ग्रुप में पहले स्थान पर रहना जरुरी है। उन्होंने कहा, इसके बाद हम केवल एक मैच पर ध्यान केंद्रित करेंगे। हमें धीरे-धीरे आगे बढ़ना होगा। अच्छी शुरुआत सबसे महत्वपूर्ण है। यह रवैया टीम को हर मैच में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने और अनावश्यक दबाव से बचने में मदद करेगा। पुर्तगाल की टीम ग्रुप के में है और अपना पहला मैच बुधवार को ह्यूस्टन के स्टेडियम में कांगो के खिलाफ खेलेगी। इसके बाद, वे 23 जून को ह्यूस्टन में ही उज्बेकिस्तान से भिड़ेंगे।

डिप्रेशन से जूझ रही थीं, क्रिकेट छोड़ने का मन बना लिया था : श्रेयंका पाटिल

बर्मिंघम (एजेंसी)। भारत की ऑफ-स्पिनर श्रेयंका पाटिल ने बताया है कि चोट के कारण खेल से दूर रहने के मुश्किल दौर में वह डिप्रेशन से जूझ रही थीं और उन्होंने क्रिकेट छोड़ने तक का मन बना लिया था। इस चोट की वजह से वह एक साल से ज्यादा समय तक खेल नहीं पाई थीं। रविवार को यहां महिला टी20 वर्ल्ड कप में पाकिस्तान के खिलाफ भारत की 64 रन की जीत में किफायती गेंदबाजी करने वाली इस ऑफ-स्पिनर ने इस मुश्किल दौर से निकलने और राष्ट्रीय टीम में सफल वापसी करने का श्रेय अपने मजबूत सपोर्ट सिस्टम को दिया।

जुलाई 2024 में पाकिस्तान के खिलाफ एशिया कप मैच के दौरान उंगली में फ्रैक्चर होने के बाद श्रेयंका लगभग 14 महीने तक खेल से दूर रहीं। चोट की परेशानियां यहीं खत्म नहीं हुईं, उन्हें दोनों पैरों की पिंडली (शिन) में गंभीर समस्या और बाएं अंगूठे में फ्रैक्चर का भी सामना करना पड़ा। आखिरकार इस साल की शुरुआत में WPL में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के लिए उनकी वापसी हुई।

श्रेयंका ने जियोस्टार से कहा, 'अगर मैं कहूं कि मैं डिप्रेशन में नहीं थी या मैंने क्रिकेट छोड़ने के बारे में नहीं सोचा, तो यह झूठ होगा। चोट के दौर में शुरुआत में मुझे ऐसा ही महसूस हुआ था। लेकिन मेरे अंदर एक आवाज थी जो कहती थी चाहे कुछ भी हो जाए मुझे यह खेल खेलना पसंद है। मैं यहां सिर्फ इसलिए हूं क्योंकि मुझे इसे खेलना पसंद है। इसलिए, मैं उस चीज को नहीं छोड़ सकती थी जिसे करना मुझे पसंद है। मैंने हिम्मत नहीं हारी, मेरे पिता मुझसे बात करते रहे और मेरे परिवार ने पूरे समय मेरा साथ दिया। मेरे आस-पास का माहौल और मेरा मजबूत सपोर्ट सिस्टम मैं हमेशा अच्छे लोगों से घिरी रही। इसी चीज ने मुझे आगे बढ़ने की हिम्मत दी।'

स्पिनर ने आगे कहा, 'अब मुझे मैदान पर वापस आकर अच्छा लग रहा है और मैं इस एहसास को खोने नहीं दूंगी।' उन्होंने तीन ओवर में सिर्फ 17 रन दिए और भारत ने कट्टर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के खिलाफ 170 रन के स्कोर का आसानी से बचाव किया। पावरप्ले अक्सर बल्लेबाजों के पक्ष में होता है लेकिन श्रेयंका का कहना है कि उन्हें उन हाई-प्रेशर ओवरों में गेंदबाजी करने की चुनौती पसंद है। फील्डिंग प्रतिबंधों के कारण रन बनाने के मौके बनते हैं, ऐसे में उनका ध्यान रन रोकने और विपक्षी टीम को गलती करने पर मजबूर करने पर होता है।

उन्होंने कहा, 'मुझे हमेशा पावरप्ले में गेंदबाजी करना पसंद रहा है, चाहे वह मेरी राज्य की टीम के लिए हो या भारत के लिए। दबाव में बॉलिंग करना बहुत अच्छा लगता है क्योंकि मुझे यही करना पसंद है और मैंने पहले भी ऐसा सफलतापूर्वक किया है।' उन्होंने कहा, 'बाएं हाथ की बल्लेबाज के खिलाफ बॉलिंग करने में मजा आया। हमसे कुछ मौके छूटे, लेकिन दीप्ति (शर्मा) के पांच विकेट लेने से उसकी भरपाई हो गई। टूर्नामेंट की शुरुआत के लिए यह हमारे लिए एक शानदार जीत है और हमने इसे बड़े अंतर से हासिल किया।'

श्रेयंका ने इस बात पर जोर दिया कि पाकिस्तान पर शानदार जीत के बावजूद मौजूदा महिला विश्व कप चैंपियन भारत को अपना ध्यान बनाए रखना होगा, क्योंकि टूर्नामेंट में दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया जैसी मजबूत टीमें उनका इंतजार कर रही हैं। उन्होंने कहा, 'हम जानते हैं कि ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका भी शीर्ष टीमें हैं। यह विश्व कप है और कुछ भी हो सकता है। इसलिए आपको उस दिन अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा और अगर आप सब कुछ सही करते हैं, तो आप जीतेंगे।'

संक्षिप्त समाचार

चीन में जमीन पर गिरकर हेलिकॉप्टर चरखी जैसा घूमता रहा :2 टुकड़ों में टूटा

वुजिन, एजेंसी। चीन में हेलिकॉप्टर क्रैश का एक वीडियो सामने आया है। इसमें एक हेलिकॉप्टर खेत में क्रैश होकर दो हिस्से में टूट गया, इसके बावजूद उसके रोटर ब्लेड तेज रफ्तार में काफी देर तक घूमते रहे। कॉकपिट के अंदर फंसे पायलट और उसका साथी इधर-उधर झटके खाते रहे। एक पायलट तो हेलिकॉप्टर के दरवाजे से आधा बाहर लटका हुआ था। वह कई बार जमीन और हेलिकॉप्टर के किनारे से टकराया। पास की सड़क पर मौजूद लोग यह सब देखकर इकट्ठा हो गए, लेकिन हेलिकॉप्टर के रोटर ब्लेड लगातार घूम रहे थे, इसलिए कोई भी उनकी मदद के लिए आगे नहीं बढ़ सका। दोनों पायलटों की जान सीट बेल्ट की वजह से बच गई। द सन की रिपोर्ट के मुताबिक यह घटना चीन के वुजिन शहर में गुरुवार दोपहर 2 बजे हुई। एक डिस्चार्ज हुआ दूसरा अब भी अस्पताल में भर्ती हादसे की सूचना मिलते ही आपातकालीन सेवाएं मौके पर पहुंचीं। दोनों घायलों को अस्पताल ले जाया गया। इनमें से एक व्यक्ति को इलाज के बाद छुट्टी दे दी गई है, जबकि दूसरा अभी डॉक्टरों की निगरानी में है। राहत की बात यह है कि किसी की भी हालत जानलेवा नहीं बताई गई है। हेलिकॉप्टर हादसे के कारणों का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी गई है। यह घटना चीन में हाल के कुछ साल में सामने आई कई विमान दुर्घटनाओं की कड़ी में एक और मामला है। पिछले साल एक मशहूर सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर तांग फेइजी की लाइवस्ट्रीम के दौरान मौत हो गई थी। उनका अल्ट्रालाइट विमान अचानक आसमान से नीचे गिर गया था। हादसे में उनकी मौके पर ही मौत हो गई थी। रिपोर्टों के मुताबिक उस समय उन्होंने न तो हेलमेट पहना था और न ही पैराशूट। तांग फेइजी इससे पहले भी तकनीकी खराबी के कारण दो विमान हादसों से बच चुके थे, जिनमें एक दुर्घटना ईंधन मापने वाले उपकरण में खराबी की वजह से हुई थी।

ब्रिटेन में सोशल मीडिया पर बैन जल्द :16 साल से कम उम्र के बच्चों की पहुंच सीमित करने पर विचार?

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन की कीर स्टार्मर सरकार 16 वर्ष से कम आयु के बच्चों के सोशल मीडिया उपयोग पर प्रतिबंध लगाने की संभावना पर विचार कर रही? है। माना जा रहा है कि 18 जून को मेकरफील्ड उपचुनाव से पहले इस संबंध में घोषणा की जा सकती है। यह कदम ऐसे समय पर चर्चा में है?, जब सत्तारूढ़ लेबर पार्टी के भीतर स्टार्मर के नेतृत्व को लेकर असंतोष की खबरें हैं और ग्रेटर मैनचेस्टर के मेयर एंडी बर्नहैम को पार्टी का? संभावित भविष्य का नेता माना जा रहा है। इसके तहत बड़े सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म और वेबसाइटों पर 16 वर्ष से कम उम्र के बच्चों की? पहुंच सीमित की जा सकती है। हालांकि वॉट्सएप जैसी मैसेजिंग सेवाओं और यूट्यूब ?किड्स जैसे शैक्षणिक प्लेटफॉर्म को छूट मिल ?सकती है। सोशल मीडिया प्रतिबंध को लेकर? वैश्विक स्तर पर भी बहस तेज है। ऑस्ट्रेलिया ?पहले ही इस तरह का कानून लागू कर चुका है, जबकि कनाडा और यूरोपीय संघ भी इसी दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। मार्च में यूगॉव के सर्वे में 76% ब्रिटिश नागरिकों ने ऐसे प्रतिबंध का समर्थन किया था, जो प्रमुख यूरोपीय देशों में सबसे अधिक? समर्थन माना गया। लेबर नेता एंडी बर्नहैम का ?कहना है कि सोशल मीडिया, आर्टिफिशियल ?इंटेलिजेंस और बड़ी टेक कंपनियों को नियंत्रित? करने का समय आ गया है।

जी-7 में भारत-अमेरिका के बीच व्यापार वार्ता पर चर्चा होगी, तत्काल समझौते की उम्मीद नहीं : अमेरिकी अधिकारी

वाशिंगटन, एजेंसी। फ्रांस में होने वाले जी-7 शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर चर्चा होगी, हालांकि सम्मेलन में किसी अंतिम समझौते की घोषणा की संभावना नहीं है। अमेरिकी प्रशासन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने शनिवार को बताया कि अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि जैमीसन ग्रीर जी-7 शिखर सम्मेलन के अगले हफ्ते भारत की यात्रा करेंगे। अधिकारी के अनुसार, दोनों नेताओं की बैठक में भारत-अमेरिका व्यापार संबंध प्रमुख मुद्दों में शामिल रहेगा। हालांकि बातचीत आगे बढ़ने की उम्मीद है, लेकिन किसी व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने के लिए अभी और तकनीकी स्तर की वार्ताओं की आवश्यकता होगी। उन्होंने कहा कि अमेरिका भारत के साथ एक बहुत अच्छा समझौता करना चाहता है और ऐसी संभावना मौजूद है, लेकिन जी-7 शिखर सम्मेलन के दौरान इसके पूरा होने की उम्मीद नहीं है। अमेरिकी अधिकारी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी भारत की वैश्विक भूमिका और भारत-अमेरिका संबंधों को लेकर महत्वाकांक्षी दृष्टिकोण रखते हैं। उन्होंने संकेत दिया कि संभावित व्यापार समझौता दोनों देशों की रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत कर सकता है।

अमेरिका के साथ संभावित समझौते का ईरान में भारी विरोध, तेहरान और मशहद की सड़कों पर उतरे कट्टरपंथी

तेहरान/मशहद, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच लंबे समय से चले आ रहे सैन्य तनाव और युद्ध जैसी स्थिति को समाप्त करने के लिए रविवार को एक ऐतिहासिक समझौता होने की उम्मीद जताई जा रही है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी इस आगामी समझौते को लेकर सकारात्मक बयान जारी किया है। हालांकि, ईरान सरकार की ओर से इस समझौते पर हस्ताक्षर करने के सटीक समय या तारीख को लेकर अभी तक स्थिति पूरी तरह स्पष्ट नहीं की गई है। इस बीच, अमेरिका के साथ हाथ मिलाने की इस कूटनीतिक कोशिश का ईरान के भीतर ही तीव्र विरोध शुरू हो गया है। ईरान के प्रमुख शहरों में इस संभावित समझौते के खिलाफ उग्र प्रदर्शन देखने को मिल रहे हैं।

तेहरान और मशहद में फूटा प्रदर्शनकारियों का गुस्सा : बीबीसी फ़ारसी सेवा की रिपोर्ट के अनुसार, ईरान में इस समझौते के विरोधियों ने सड़कों पर उतरकर अपनी ही सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। राजधानी तेहरान के प्रमुख इब्न सिना स्क्वायर में एक विशाल रैली का आयोजन किया गया। इस रैली में शामिल प्रदर्शनकारियों ने ईरान के वर्तमान विदेश मंत्री अब्बास अराग़ची और संसद (मजलिस) के स्पीकर मोहम्मद बग़र ग़ालिबाफ़ के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। उल्लेखनीय है कि ये दोनों ही नेता अमेरिका के साथ बैक-चैनल और प्रत्यक्ष बातचीत में मुख्य भूमिका निभा रहे हैं। तेहरान के अलावा, शनिवार शाम को ईरान के दूसरे सबसे बड़े शहर मशहद में भी भारी तनाव देखा गया। यहाँ विदेश मंत्रालय की क्षेत्रीय इमारत के सामने दर्जनों प्रदर्शनकारी जमा हुए और उन्होंने विदेश मंत्री अब्बास अराग़ची के अमेरिका नीति से जुड़े बयानों की तीखी आलोचना की। फ़ार्स न्यूज़ एजेंसी द्वारा जारी एक वीडियो में प्रदर्शनकारियों को अराग़ची के खिलाफ आक्रामक नारे लगाते हुए देखा जा सकता है।

क्यों हो रहा है इस समझौते का विरोध : प्रदर्शन की कमान संभाल रहे लोग ईरान के धुर-कट्टरपंथी और चरमपंथी संगठन 'परसिस्टेंस फ्रंट' (जभ्भह-ए पादरदारी) के करीबी बताए जा रहे हैं। समझौते का विरोध करने वाले गुटों के पास मुख्य रूप से निम्नलिखित आपत्तियां हैं: रणनीतिक प्रभाव कम होने का डरः विरोधियों का दृढ़ता से मानना है कि अमेरिका के साथ किया जा रहा यह समझौता किसी भी सूरत में ईरान के राष्ट्रीय हितों में नहीं है। इससे खाड़ी क्षेत्र, विशेषकर दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण तेल मार्ग 'होर्मुज़ स्ट्रेट' में ईरान का दबदबा और सैन्य प्रभाव कमजोर हो जाएगा। अमेरिका पर अविश्वासः कट्टरपंथियों का तर्क है कि अमेरिका पर भरोसा करके ईरान अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा और संप्रभुता के साथ समझौता कर रहा है। विदेश मंत्री का बयानः नाकाबंदी हटेगी, पर संप्रभुता से समझौता नहीं इस बीच, आंतरिक विरोध और आशंकाओं को दूर करने के लिए विदेश मंत्री अब्बास अराग़ची ने एक टेलीविजन इंटरव्यू में इस समझौते के कुछ प्रमुख बिंदुओं को साझा किया था। उन्होंने स्पष्ट किया किः 'इस संभावित समझौते के तहत ईरानी बंदरगाहों पर लगी अमेरिकी नौसैनिक नाकाबंदी को पूरी तरह से हटा दिया जाएगा, जिससे ईरान की अर्थव्यवस्था को बड़ी राहत मिलेगी।' इसके साथ ही उन्होंने देश को आश्वस्त करते हुए कहा कि 'होर्मुज़ स्ट्रेट' पर ईरान का नियंत्रण और उसकी रणनीतिक स्थिति देश की प्रमुख डेटेरेंट (सैन्य निरोधक क्षमता) का हिस्सा बनी रहेगी और इससे कोई समझौता नहीं किया जाएगा। इसके बावजूद, देश के भीतर कूटनीति के रास्ते पर बढ़े कदम को लेकर जनता और सत्ता के एक धड़े में वैचारिक जंग छिड़ गई है।

पाकिस्तान में पेट्रोल-डीजल हुआ सस्ता, सरकार ने लिया बड़ा फैसला

इस्लामाबाद, एजेंसी। मिडिल ईस्ट में जारी तनाव और वैश्विक तेल-गैस संकट के बीच पाकिस्तान सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। सरकार ने आम लोगों को राहत देते हुए पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कटौती की है। पाकिस्तान के ऊर्जा मंत्रालय द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार, 13 जून 2026 से देश में पेट्रोलियम उत्पादों की नई कीमतें लागू कर दी गई हैं।

नई दरों के तहत पेट्रोल की कीमत में 4 पाकिस्तानी रुपये प्रति लीटर की कमी की गई है। इसके बाद पेट्रोल का नया रेट 373.78 पाकिस्तानी रुपये प्रति लीटर हो गया है, जबकि पहले इसकी कीमत 377.78 रुपये प्रति लीटर थी। वहीं, हाई-स्पीड डीजल की कीमत में 2 पाकिस्तानी रुपये प्रति लीटर की कटौती की गई है। इसके बाद डीजल का नया रेट 378.78 पाकिस्तानी रुपये प्रति लीटर हो गया है, जो पहले 380.78 रुपये प्रति लीटर था।

लगातार पांचवीं बार मिली राहत पाकिस्तान सरकार द्वारा हाल के सप्ताहों में यह लगातार पांचवीं बार है जब ईंधन की कीमतों में कमी की गई है। ईंधन आयात पर निर्भर पाकिस्तान में अंतरराष्ट्रीय बाजार के उतार-चढ़ाव का सीधा असर घरेलू कीमतों पर पड़ता है। देश में हर पंद्रह दिन पर पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतों की समीक्षा की जाती है। इससे पहले मई महीने में भी सरकार ने पेट्रोल और डीजल के

दामों में कटौती कर उपभोक्ताओं को राहत दी थी। कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट का असर विशेषज्ञों के अनुसार, अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में हालिया गिरावट के चलते पाकिस्तान सरकार ने ईंधन सस्ता करने का फैसला लिया है। अमेरिका और ईरान के बीच तनाव कम होने तथा संभावित समझौते की उम्मीदों से क्रूड ऑयल की कीमतों में करीब 4 प्रतिशत तक गिरावट दर्ज की गई है। इसके अलावा होर्मुज स्ट्रेट में आपूर्ति बाधाओं के कम होने की संभावना ने भी वैश्विक तेल बाजार को राहत दी है। कच्चा तेल सस्ता होने से पाकिस्तान जैसे आयात-निर्भर देशों को ईंधन कीमतों में कटौती का अवसर मिला है। विशेषज्ञों का मानना है कि पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कमी से परिवहन लागत घट सकती है, जिससे वस्तुओं की कीमतों और महंगाई दर पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़ने की संभावना है। साथ ही बिजली उत्पादन लागत में भी राहत मिल सकती है।

अमेरिका के फेमस 'केनेडी आर्ट सेंटर' से ट्रम्प का नाम हटेगा, कोर्ट बोला- नाम बदलने का हक सिर्फ संसद को

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के सबसे बड़े कल्चरल और ऑर्ट सेंटर में शामिल 'जॉन एफ. केनेडी सेंटर फॉर द परफॉर्मिंग आर्ट्स' से राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प का नाम हटाया जा रहा है। अमेरिकी कोर्ट ने कहा है कि सेंटर का नाम बदलना कानून के खिलाफ था। केनेडी सेंटर अमेरिका का नेशनल आर्ट सेंटर है। यहां हर साल बड़े संगीत कार्यक्रम, नाटक, डांस शो, ओपेरा और दूसरे सांस्कृतिक कार्यक्रम होते हैं। दुनिया के कई मशहूर कलाकार यहां प्रस्तुति देते हैं। इस सेंटर का नाम अमेरिका के 35वें राष्ट्रपति जॉन एफ. केनेडी के नाम पर रखा गया था। 1963 में उनकी हत्या के बाद अमेरिकी कांग्रेस ने 1964 में इसे उनकी याद में बनाया। इसलिए यह सिर्फ एक इमारत नहीं, बल्कि केनेडी की याद में बना राष्ट्रीय स्मारक भी है।

फरवरी 2025 में डोनाल्ड ट्रम्प ने सेंटर के बोर्ड में अपने करीबी लोगों को शामिल किया। बाद में बोर्ड ने सेंटर के नाम में ट्रम्प का नाम जोड़ने का फैसला कर लिया। इसके बाद इमारत पर 'द डोनाल्ड जे. ट्रम्प एंड जॉन एफ. केनेडी मेमोरियल सेंटर फॉर द परफॉर्मिंग आर्ट्स' लिखा गया। ओहायो की सांसद जॉयस बीटी ने इस फैसले को कोर्ट में चुनौती दी। उनका कहना था कि केनेडी सेंटर का नाम कांग्रेस (संसद) ने तय किया था, इसलिए उसे बदलने का हक सिर्फ कांग्रेस के पास है। कोर्ट ने उनकी बात मान ली और कहा कि बोर्ड अपने आप नाम नहीं बदल सकता। कोर्ट ने आदेश दिया कि ट्रम्प का नाम इमारत, वेबसाइट, सोशल मीडिया, दस्तावेजों और दूसरी सभी जगहों से हटाया जाए। कोर्ट की तय समय सीमा खत्म होने के बाद कर्मचारी इमारत से ट्रम्प के नाम वाले अक्षर हटाने लगे। ट्रम्प का नाम करीब 176 दिनों तक इस इमारत पर रहा। ट्रम्प का नाम हटाने के फैसले के बाद बड़ी संख्या में लोग केनेडी सेंटर के बाहर पहुंचे और खुशी जताई। केस जीतने वाली सांसद जॉयस बीटी ने कहा कि कानून के खिलाफ लिए गए फैसले को कोर्ट ने सही किया है। ट्रम्प समर्थकों का कहना है कि उनके नाम पर सेंटर के लिए काफी पैसा जुटाया गया है और नाम हटने से उस पर असर पड़ सकता है। लेकिन कोर्ट ने इस दलील को नहीं माना।

कोलंबो से सिडनी जा रहे विमान पर गिरी बिजली, बाल-बाल बची 233 यात्रियों की जान

कोलंबो , एजेंसी। हवाई सफर के दौरान मौसम की अनिश्चितता कभी-कभी बड़े हादसों का सबब बन सकती है। ऐसी ही एक रोंगटे खड़े कर देने वाली घटना श्रीलंका से ऑस्ट्रेलिया जा रही एक अंतरराष्ट्रीय फ्लाइट के साथ घटी। श्रीलंका की राजधानी कोलंबो से सिडनी के लिए उड़ान भरने वाली फ्लाइट संख्याशुक्रवार को उस समय बड़े हादसे का शिकार होने से बच गई, जब बीच आसमान में उस पर भीषण आसमानी बिजली गिर पड़ी। इस विमान में कुल 233 लोग सवार थे, जिनकी जान कुछ पलों के लिए हलक में अटक गई थी।

टेकऑफ के कुछ ही देर बाद हुआ हादसा : प्राप्त जानकारी के अनुसार, यह विमान शुक्रवार सुबह करीब 12:05 बजे कोलंबो के बंदरानायके इंटरनेशनल एयरपोर्ट से सिडनी के लिए रवाना हुआ था। उड़ान भरने के कुछ ही समय बाद विमान खराब मौसम की चपेट में आ गया। जब विमान काफी ऊंचाई पर था, तभी अचानक एक तेज गरज के साथ आसमानी बिजली सीधे विमान से जा टकराई। रिपोर्ट्स के मुताबिक, बिजली गिरने की आवाज इतनी तेज थी कि यात्रियों को किसी बड़े धमाके जैसा अनुभव हुआ।

इंजन से निकलीं चिंगारियां, यात्रियों में मचा हड़कंप : विमान पर बिजली गिरने का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में देखा जा सकता है कि बिजली गिरने के तुरंत बाद विमान के एक इंजन से चिंगारियां निकलती हुई दिखाई दीं। अचानक हुए इस धमाके और चिंगारियों को देखकर विमान के अंदर चीख-पुकार मच गई और अफरा-तफरी का माहौल पैदा हो गया। कोलंबो में कराई गई इमरजेंसी लैंडिंग विमान के पायलटों ने सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए आगे का सफर जारी रखने के बजाय वापस लौटने का फैसला किया। पायलटों ने यात्रियों को सूचित किया कि बिजली गिरने के कारण इंजन को मामूली क्षति पहुंची है, जिसके कारण एहतियात के तौर पर विमान को वापस कोलंबो ले जाया जा रहा है। कुछ ही समय बाद विमान को बंदरानायके इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर सुरक्षित तरीके से उतार लिया गया। विमान में सवार सभी 207 यात्री और 16 क्रू मेंबर पूरी तरह सुरक्षित हैं और किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। विमान के सुरक्षित लैंडिंग के बाद तकनीकी विशेषज्ञों और इंजीनियरों की एक टीम ने विमान की सघन जांच शुरू कर दी है। एयरलाइन सूत्रों ने पुष्टि की कि यात्रियों की सुरक्षा के साथ कोई समझौता नहीं किया जा सकता था, इसलिए बीच रास्ते से लौटने का फैसला बिल्कुल सही था। एयरलाइन ने फंसे हुए यात्रियों के लिए वैकल्पिक यात्रा की व्यवस्था की ताकि वे अपने गंतव्य तक पहुंच सकें।

अमेरिका की नाकेबंदी का उल्लंघन बर्दाश्त नहीं किया जाएगा: विदेश मंत्री रुबियो

वाशिंगटन, एजेंसी। विदेश मंत्री रुबियो ने इस बात पर जोर दिया कि सभी वाणिज्यिक जहाजों को अमेरिकी सेना के आदेशों का तुरंत पालन करना चाहिए, क्योंकि अमेरिकी सेना होर्मुज जलडमरू मध्य में शांति और सुरक्षा बनाए रखने का प्रयास कर रही है। उन्होंने रेखांकित किया कि अमेरिका द्वारा लगाई गई नाकेबंदी का उल्लंघन और ईरानी तेल का अवैध परिवहन किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कल भारतीय विदेश मंत्री सुब्रह्मण्यम जयशंकर से बात की। दोनों अधिकारियों ने होर्मुज जलडमरू मध्य में हाल ही में हुई घटनाओं पर चर्चा की। विदेश मंत्री रुबियो ने इस बात पर जोर दिया कि सभी वाणिज्यिक जहाजों को अमेरिकी सेना के आदेशों का तुरंत पालन करना चाहिए, क्योंकि अमेरिकी सेना होर्मुज जलडमरू मध्य में शांति

और सुरक्षा बनाए रखने का प्रयास कर रही है। उन्होंने रेखांकित किया कि अमेरिका द्वारा लगाई गई नाकेबंदी (ड्ढद्यशष्ह्वड्डस्रद्ग) का उल्लंघन और ईरानी तेल का अवैध परिवहन किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। गौरतलब है कि होर्मुज के समंदर में अमेरिका ने वो कायराना हरकत की जिसने भारत के सब्र का बांध तोड़ दिया। भारत के तीन जांबाज नाविकों की जान चली गई और वजह महाशक्ति होने का अहंकार। ये दिन इतिहास में अमेरिका की उस सशस्त्र डकैती के नाम पर दर्ज होगा जिसने तीन भारतीय परिवारों को उम्र भर का दर्द दे दिया। लेकिन कहानी यहां खत्म नहीं होती है। अमेरिका ने सोचा था कि वह झूठ बोलेगा और भारत मान लेगा। ट्रंप ने ईरान पर उंगली उठाई। लेकिन भारत ने उसी उंगली को मरोड़कर अमेरिका को आईना दिखा दिया और विदेश मंत्री एस जयशंकर ने आधी रात को अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो को फोन पर जो सुनाया उसे सुनकर वाशिंगटन के गलियारों में सन्नाटा पसर गया। ओमान की खाड़ी तेल टैंकर एम्प्टी सिट्टे बेलो शांति से अपने गंतव्य की ओर आगे बढ़ रहा था। इस जहाज पर कोई लड़ाकू विमान नहीं था। कोई मिसाइलें नहीं थी। इस पर सवार थे 24 भारतीय नागरिक जो अपने घर बार से दूर समंदर के सीने पर मेहनत कर रहे थे। तभी अचानक अमेरिकी नौसेना के युद्धपोतों ने इस कमर्शियल जहाज को घेर लिया। बिना किसी चेतावनी के, बिना किसी ठोस वजह के अमेरिका ने इस शांतिपूर्ण जहाज पर हमला कर दिया। गोलों की उस बरसात में जहाज दहल उठा और हमारे 21 भारतीय भाइयों ने मौत को करीब से देखा और किसी तरह अपनी जान बचाई। लेकिन तीन भारतीयों की जान इस अमेरिकी सनक में भेंट चढ़ गई।

राष्ट्रपति पेजेशकियान का संबोधन, एकता-सुरक्षा है ईरान की असली ताकत

तेहरान, एजेंसी। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान ने 12 दिवसीय भीषण संघर्ष की पहली बरसी पर देश को संबोधित किया। पिछले साल अमेरिका और इजरायल के साथ हुए इस भयानक युद्ध में जनता ने जो अदम्य साहस दिखाया, राष्ट्रपति ने उसकी जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि जियोनिस्ट दुश्मनों की बड़ी साजिशों को नाकाम करने में देश की जनता और हमारे सशस्त्र बलों की बहुत अहम भूमिका रही है। ईरान की यह अटूट एकता ही हमारी असली ताकत है जो हर मुसीबत में देश को बचाती है।

दुश्मनों ने गलत धारणाओं के आधार पर ईरान के वरिष्ठ सैन्य कमांडरों की हत्या की और बुनियादी ढांचे पर बड़े हमले किए। परमाणु वैज्ञानिकों को निशाना बनाकर ईरानी राष्ट्र की दृढ़ता और हिम्मत को पूरी तरह से तोड़ने की नाकाम कोशिश की गई। लेकिन ईरानी जनता ने शहीद नेता के दूरदर्शी नेतृत्व में अद्वितीय प्रतिरोध का शानदार प्रदर्शन किया। देश पर थोपे गए इस युद्ध ने साबित कर दिया कि सुरक्षा के मुद्दे पर पूरा ईरान एकजुट होकर एक साथ खड़ा रहता है।

एकता ही ईरान की पहचान : वैचारिक और राजनीतिक प्राथमिकताओं में तमाम भारी मतभेदों के बावजूद, जब भी हमारे प्यारे ईरान की राष्ट्रीय सुरक्षा की बात आती है। हम सब एक ही उद्देश्य के साथ और पूरी तरह एकजुट होकर हमेशा दुश्मन के सामने पहाड़ की तरह खड़े होते हैं। इसी अटूट और बेहद पवित्र राष्ट्रीय एकता ने अंततः देश के सभी क्रूर दुश्मनों की खतरनाक योजनाओं को पूरी तरह से विफल कर दिया है। देश की जनता ने साबित किया है कि बाहरी ताकतें उन्हें कभी भी कमजोर नहीं कर सकती हैं।

आर्थिक चुनौतियों पर जनता का साथ : राष्ट्रपति पेजेशकियान ने देशवासियों को संबोधित करते हुए कहा कि वे जनता की सभी बड़ी आर्थिक चुनौतियों और भारी दबावों से पूरी तरह वाकिफ हैं। सरकार इन मुश्किल परिस्थितियों में जनता के साथ मजबूती से खड़ी है और उनकी सभी समस्याओं को दूर करने का लगातार प्रयास कर रही है। सरकार के प्रतिनिधि दिन-रात मेहनत कर रहे हैं ताकि इस जटिल स्थिति में आम लोगों का आर्थिक बोझ जल्द से जल्द कम किया जा सके। इस संकट के समय में जनता का अपार धैर्य सरकार के लिए एक बहुत बड़ी जिम्मेदारी है।

सर्वोच्च नेता का अहम संदेश : आगे की बड़ी चुनौतियों से पार पाने के लिए राष्ट्रपति ने सर्वोच्च नेता अयातुल्ला सैयद मोजतबा खामेनेई के मूल संदेश पर भी विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि देश की निरंतर प्रगति के लिए मजबूत राष्ट्रीय एकता को बनाए रखना अब सबसे ज्यादा जरूरी हो गया है। अपनी सैन्य और रक्षा क्षमताओं को लगातार बढ़ाना तथा सार्वजनिक सतर्कता सुनिश्चित करना हमारी सबसे बड़ी प्राथमिकता है। राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान ने इस भीषण युद्ध में शहीद हुए सभी साहसी सैनिकों और सैन्य कमांडरों को अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की है। उन्होंने कहा कि इन वीर सपूतों के पवित्र खून से ईरान के गौरवशाली इतिहास में एक नया और स्वर्णिम अध्याय जुड़ गया है। देश की असली ताकत हमारे लोगों की एकजुटता और ईरान के युवाओं की असाधारण प्रतिभा में पूरी तरह से निहित है।

अयातुल्लाह अली खामेनेई को 9 जुलाई को किया जाएगा सुपुर्द-ए-खाक

तेहरान, एजेंसी। ईरान के दिवंगत सर्वोच्च नेता अयातुल्लाह अली खामेनेई की याद में आयोजित कार्यक्रम की शुरुआत चार जुलाई से होगी। ईरानी मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार, यह जानकारी उनकी स्मृति में गठित मुख्यालय की ओर से जारी एक बयान में दी गई है। बयान के मुताबिक, 4 और 5 जुलाई को तेहरान के इमाम खुमैनी मोसाला प्रार्थना हॉल में श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसके बाद 6 और 7 जुलाई को राजधानी तेहरान और मध्य ईरान के शहर कोम में अंतिम यात्रा निकाली जाएगी। इसके बाद 9 जुलाई को उत्तर-पूर्वी शहर मशहद में अंतिम संस्कार का आखिरी कार्यक्रम होगा। उसी दिन दिवंगत नेता को शिया मुसलमानों के आठवें इमाम, इमाम रजा के पवित्र दरगाह परिसर में दफनाया जाएगा।

सिन्हुआ के अनुसार, लंबे समय तक ईरान के सर्वोच्च नेता रहे खामेनेई की 28 फरवरी को अमेरिका और इजरायल के संयुक्त हवाई हमले में मौत हो गई थी। मार्च की शुरुआत में उनके बेटे मोजतबा खामेनेई को ईरान का नया सर्वोच्च नेता चुना गया। मार्च में खामेनेई की मौत को अमेरिका और इजरायल की ओर से किए गए एक ऐतिहासिक हमले का परिणाम बताया गया था। इस घटना को ईरान में 46 साल पुराने शिया धर्मतांत्रिक शासन के लिए एक बड़ा मोड़ माना गया, जबकि तेहरान की जवाबी कार्रवाई के बाद मध्य पूर्व के कई हिस्सों में तनाव और संघर्ष बढ़ गया।

तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने उस समय खामेनेई की मौत की घोषणा की थी। खामेनेई 86 वर्ष के थे और पिछले 36 वर्षों से ईरान पर मजबूत पकड़ के साथ शासन कर रहे थे। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ सोशल' पर लिखा था, 'वह हमारी खुफिया जानकारी और बेहद उन्नत ट्रैकिंग सिस्टम से बच नहीं पाए। इजरायल के साथ मिलकर काम करते हुए

हमने उन्हें ढूंढ़ निकाला और न तो वह और न ही उनके साथ मारे गए दूसरे नेता इससे बच सके।' ईरान की फार्स न्यूज एजेंसी ने रविवार को सूत्रों के हवाले से बताया कि अमेरिका-इजराइल के हमलों में खामेनेई के चार रिश्तेदार भी मारे गए थे। इनमें उनकी बेटी, एक नाती/पोता और उनके दामाद भी शामिल थे।

मुहर्रम में दफनाने की थी योजना: ईरानी मीडिया : बता दें, इस्लामिक कानून के मुताबिक सामान्यतः मृतकों को 24 घंटे के भीतर ही दफनाया जाता है। लेकिन युद्ध की स्थिति में इसे और भी लंबा खींचा जा सकता है। शुरुआत में ईरान ने मृत्यु के तुरंत बाद ही इसको करने की कोशिश की लेकिन जब ऐसा नहीं हो पाया तो फिर मुहर्रम के महीने में इसे करने की योजना बनाई गई। इरानी सरकारी समाचार एजेंसी के मुताबिक, ईरान सरकार शुरुआत में मुहर्मम के पहले तीन दिन में अंतिम संस्कार की योजना बना रहा था, जो कि जून महीने में पड़ता। लेकिन तेहरान के मेयर अलीरेजा जकानी के मुताबिक, मुहर्रम के शुरुआती दिनों में इमाम हुसैन के वार्षिक शोक के कार्यक्रम होते हैं। ऐसे में अंतिम संस्कार को दूसरे दस दिनों के लिए टाल दिया गया, जिससे यह 26 जून से 5 जुलाई के आसपास शुरू हो जाएगा। एक बार कार्यक्रम शुरू होने के बाद फिर से आराम से पूरा किया जा सकेगा। बता दें, यह पहली बार नहीं है, जब पश्चिम एशिया में इस तरह से अंतिम संस्कार को देरी से किया गया हो। इससे पहले हिजबुल्लाह प्रमुख नसरल्लाह का अंतिम संस्कार भी इजरायली हमले की डर की वजह से महीनों बाद किया गया था। पहले ही दिन इजरायली हमले में मारे गए नसरल्लाह के शव को रखा गया था।

शिगेल संक्रमण से 7 साल के बच्चे की मौत

मलप्पुरम(एजेंसी)। केरल के मलप्पुरम जिले में शिगेला संक्रमण से 7 साल के एक बच्चे की मौत हो गई। स्वास्थ्य अधिकारियों के मुताबिक, पूक्कोट्टूर निवासी अर्जव की कोझिकोड सरकारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल में इलाज के दौरान सोमवार को मौत हुई। अधिकारियों ने बताया कि अर्जव को 12 जून को बुखार और दस्त की शिकायत के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जांच में उसमें शिगेला संक्रमण की पुष्टि हुई थी। इस साल केरल में शिगेला संक्रमण से यह चौथी मौत है। इनमें से तीन मौतें जून महीने में हुई हैं। स्वास्थ्य सेवा निदेशालय के आंकड़ों के मुताबिक, 14 जून तक राज्य में शिगेला संक्रमण के 138 मामलों की पुष्टि हो चुकी है। सबसे ज्यादा मामले कोझिकोड जिले में दर्ज किए गए हैं। इसके अलावा राज्य में 77 संदिग्ध मामले भी सामने आए हैं। शिगेला एक बैक्टीरियल संक्रमण है, जिससे दस्त, बुखार और पेट में ऐंठन जैसी समस्याएं होती हैं। यह बीमारी मुख्य रूप से दूषित भोजन या पानी के सेवन और संक्रमित व्यक्ति के संपर्क में आने से फैलती है।

3 साल की बच्ची से रेप, मौत

तरुवल्लूर (एजेंसी)। तमिलनाडु के तिरुवल्लूर में 3 साल की बच्ची के साथ रेप का मामला सामने आया है। सोमवार को इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मामले में पुलिस ने बिहार के एक युवक को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान 19 साल के विबिन मंच के तौर पर हुई है, जो तिरुवल्लूर में मजदूरी करता है। वहीं पीड़ित परिवार भी बिहार का ही बताया जा रहा है, जो इंडस्ट्रीयल एरिया में काफी सालों से रह रहा था। स्थायीन लोगों के मुताबिक, रविवार को आरोपी बच्ची को बिस्किट का लालच देकर अपने साथ ले गया था। जिसके बाद बच्ची घर नहीं लौटी। सोमवार को एक महिला ने झाड़ी में बच्ची को गंभीर हालत में देखा। जिसके बाद उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया। इलाज के दौरान पता चला कि उसके साथ रेप हुआ था। थोड़ी देर बाद उसकी मौत हो गई। वहीं, पुलिस ने बताया कि बच्ची आरोपी को जानती थी। घटना के बाद गुस्साए परिजन और स्थानीय लोगों ने सडक़ पर उतरकर जमकर हंगामा किया। इस दौरान कई राहगीरों के साथ मारपीट की गई। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

केंद्र ने वीबी-जी राम जी योजना के तहत बंगाल को दिए 8500 करोड़, सीएम शुभेंदु ने शुरू किए जन कल्याण शिविर

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने सोमवार को बताया कि केंद्र सरकार ने राज्य को वीबी-जी राम जी योजना के तहत 8,500 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं। केंद्र सरकार के आंकड़ों के अनुसार, वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए बंगाल को 8,508 करोड़ रुपये मिले हैं। उत्तर प्रदेश के बाद बंगाल इस योजना में सबसे ज्यादा फंड पाने वाला दूसरा राज्य बन गया है। योजना के तहत उत्तर प्रदेश को 9,721.48 करोड़ रुपये दिए गए हैं। इसके अलावा, ग्राम सडक़ योजना के तहत भी 2,400 करोड़ रुपये मंजूर हुए हैं, जिनमें से 1,000 करोड़ रुपये केंद्र ने जारी कर दिए हैं। इस बीच, मुख्यमंत्री ने पूर्व मेदिनीपुर जिले के नंदीग्राम से राज्यव्यापी जन कल्याण शिविर कार्यक्रम की शुरुआत की। उन्होंने कहा, केंद्र से मिला यह पैसा ग्रामीण परिवारों को साल में 125 दिन के रोजगार की गारंटी देगा। राज्य में 15 जून से 17 जून तक 1,100 जन कल्याण शिविर लगाए जा रहे हैं। ये शिविर सुबह 10 बजे से शाम पांच बजे तक खुले रहेंगे। यहां लोग केंद्र और राज्य सरकार की 54 अलग-अलग योजनाओं की जानकारी ले सकते हैं और उनके लिए आवेदन जमा कर सकते हैं।

जयपुर में कॉकरोच जनता पार्टी के फाउंडर को थप्पड़ मारे

-प्रदर्शनकारियों ने युवक को पीटा; आपस में भिड़े समर्थक, कई फोन चोरी

जयपुर (एजेंसी)। जयपुर में कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के फाउंडर अभिजीत दीपके को थप्पड़ मारे गए हैं। इसके बाद पार्टी के समर्थकों ने थप्पड़ मारने वाले युवक को पकडक़र पीट दिया। अभिजीत नीट पेपर लीक, शिक्षा व्यवस्था, बेरोजगारी और युवाओं से जुड़े अलग-अलग मुद्दों को लेकर प्रदर्शन में शामिल होने आए हैं। प्रदर्शन के लिए बड़ी संख्या में लोग शहीद स्मारक पर जुटे थे। इससे पहले यहां नारेबाजी करते समय युवक आपस में भिड़ गए। इस पर पुलिस ने एक युवक को कस्टडी में ले लिया। धरनास्थल से कई प्रदर्शनकारियों के मोबाइल चोरी हो गए। इसके बाद मंच से लोगों को अपने मोबाइल सुरक्षित रखने के लिए कहा गया।

गुरुग्राम से बंधक महिला का रेस्क्यू : दो साल तक शारीरिक प्रताड़ना और जबरन मजदूरी

बीरभूम(एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के बीरभूम जिले की 39 वर्षीय महिला, भादु मांडी को गुरुग्राम स्थित एक फ्लैट से दो साल से अधिक समय तक कथित तौर पर बंधक बनाकर रखने, शारीरिक प्रताड़ना और रोजाना 16 घंटे से अधिक घरेलू काम कराने के बाद मुक्त कराया गया है। महिला को 40,000 रुपये के अग्रिम भुगतान पर घरेलू सहायिका के रूप में गुरुग्राम लाया गया था। पुलिस के अनुसार, वहां महिला को कथित तौर पर लगातार 16 घंटे से अधिक काम और शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया जाता था। इस मामले का खुलासा इसी साल मार्च में हुआ, जब मरम्मत के लिए आए एक तकनीशियन की मदद से भादु ने अपने परिवार से संपर्क कर दर्दनाक कहानी सुनाकर मदद मांगी। इसके बाद भादु की बहन लक्ष्मी टुडू ने अधिकारियों से गुहार लगाई। गैर-सरकारी संगठन 'नारी ओ शिशु कल्याण केंद्र' ने परिवार से विस्तृत जानकारी लेकर सरकारी एजेंसियों, जिसमें जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (डीएलएसए) और श्रम विभाग जैसी एजेंसियां शामिल थीं, से समन्वय स्थापित किया।

जांच के बाद, श्रम विभाग ने बंधुआ मजदूरी का मामला मानकर बीरभूम जिलाधिकारी को तुरंत हस्तक्षेप करने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी के निर्देश पर थाने में बंधित श्रम पद्धति (उत्सादन) अधिनियम, 1976 और भारतीय न्याय संहिता के तहत प्राथमिकी (एफआईआर) दर्ज की गई। इसके बाद पश्चिम बंगाल पुलिस की एक टीम गुरुग्राम पहुंची और लोकल प्रशासन के सहयोग से भादु को मुक्त कराया। बचाव अभियान के दौरान फ्लैट मालिक मौके पर नहीं मिले, उन्हें स्थानीय पुलिस के सामने पेश होने के लिए नोटिस दे दिया है। पुलिस ने बताया कि मामले में जांच जारी है और दोषी होने पर सभी व्यक्तियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। भादु के वापस लौटने पर पुलिस उसका बयान दर्ज करेगी।

जब उनका कोई दोष नहीं है तो इस्तीफा क्यों देंगे शिक्षा मंत्री

- नीट परीक्षा मामले में मंत्री किरेन रिजिजू ने स्थित स्पष्ट की

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में नीट परीक्षा और सीबीएसई से जुड़े मुद्दों को लेकर मचे सियासी घमासान के बीच केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने सरकार का रुख स्पष्ट किया है। परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं और पेपर लीक के आरोपों को लेकर विपक्ष और विभिन्न संगठनों द्वारा केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग की जा रही है। इस तनावपूर्ण माहौल में एक विशेष साक्षात्कार के दौरान जब केंद्रीय मंत्री से पूछा गया कि यदि आज भाजपा विपक्ष में होती, तो क्या वह भी शिक्षा मंत्री का इस्तीफा मांगती? इस पर एक इंटरव्यू में रिजिजू ने जवाब देते हुए कहा कि व्यवस्था को समझने में एक बुनियादी फर्क है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि किसी घोटाले या धोखाधड़ी में सीधे तौर पर मंत्री या उनके निजी स्टाफ की संलिप्तता होती है, तो निश्चित रूप से उसकी जिम्मेदारी मंत्री की बनती है। परंतु, जब किसी स्वायत्त संस्था के भीतर कोई तकनीकी या प्रशासनिक समस्या उत्पन्न होती है, तो उसके लिए वह संस्था ही सीधे तौर पर जवाबदेह होती है।

केंद्रीय मंत्री ने आगे कहा कि सीबीएसई और नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) जैसी संस्थाएं पूरी तरह से स्वायत्त हैं और इनके दैनिक कामकाज या निगरानी में शिक्षा मंत्री का सीधा हस्तक्षेप नहीं होता है। उन्होंने पिछले एक दशक से अधिक समय का हवाला देते हुए कहा कि बीते 12 वर्षों में मौजूदा सरकार के किसी भी मंत्री पर रिश्वतखोरी, कमीशन लेने या सरकारी तंत्र के साथ छेड़छाड़ करने के सीधे आरोप नहीं लगे हैं। उन्होंने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि जब वर्तमान सत्तापक्ष विपक्ष में हुआ करता था, तब तत्कालीन सरकार के मंत्रियों के खिलाफ हर महीने बड़े घोटाले सामने आते थे। इसलिए कांग्रेस और वर्तमान सरकार की कार्यप्रणाली के बीच के इस बड़े अंतर को जनता को समझना चाहिए। इसी दौरान, हाल ही में उभरे राजनीतिक संगठन कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) से जुड़े सवालों पर भी रिजिजू ने अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि भारतीय संविधान के तहत किसी को भी नया राजनीतिक दल बनाने का पूरा अधिकार है, परंतु किसी को भी देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था का मजाक बनाने या उसे कमजोर करने की इजाजत नहीं दी जानी चाहिए। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि यह नया संगठन केवल कांग्रेस के वोट बैंक के लिए चुनौती पेश कर रहा है, इसलिए इस पर चिंता करने की जरूरत भाजपा को नहीं बल्कि कांग्रेस को है। दूसरी तरफ, इस पूरे मुद्दे को लेकर मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस ने केंद्र सरकार के खिलाफ एक बड़े और व्यापक देशव्यापी आंदोलन की रूपरेखा तैयार कर ली है।

17 जून से सड़क पर उतरेगी कांग्रेस

कांग्रेस आगामी 17 जून से पेपर लीक, परीक्षाओं में विफलता और बढ़ती बेरोजगारी के मुद्दों को लेकर सड़कों पर उतरने जा रही है। इस देशव्यापी अभियान की कमान स्वयं लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी संभालेंगे। पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के अनुसार, राहुल गांधी 17 जून को राजस्थान के कोटा में आयोजित एक विशाल छात्र सम्मेलन के जरिए इस आंदोलन की शुरुआत करेंगे। इसके बाद वे 10 जुलाई को इलाहाबाद (प्रयागराज), 11 जुलाई को पटना और 14 जुलाई को देश की राजधानी दिल्ली में बड़े छात्र सम्मेलनों को संबोधित कर सरकार को घेरेंगे।

आरएसएस प्रमुख भागवत जाएंगे अमेरिका-ब्रिटेन, यात्रा की तैयारियां अंतिम चरण में

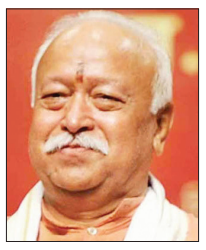

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के चीफ मोहन भागवत अगले दो महीनों के अंदर अमेरिका और ब्रिटेन की यात्रा पर जा सकते हैं। इस दौरान वह भारतीय मूल के लोगों और कई सामाजिक-सांस्कृतिक संगठनों के कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे। यह दौरा संघ के शताब्दी वर्ष के जश्न और वैश्विक स्तर पर संगठन के विस्तार का हिस्सा है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक भागवत की यात्रा की तैयारियां अंतिम चरण में हैं। कुछ कार्यक्रमों का आयोजन हिंदू स्वयंसेवक संघ (एचएसएस) द्वारा भी किया जाएगा, जो आरएसएस इंटरनेशनल विस्तार है। रिपोर्ट के मुताबिक आरएसएस इस समय अपने 100वें वर्ष के कार्यक्रमों का आयोजन कर रहा है। संगठन देश और विदेश में भारतीय समुदाय के साथ संवाद बढ़ाने पर जोर दे रहा है। इस कड़ी में मोहन भागवत का अमेरिका और ब्रिटेन दौरा अहम माना जा रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक शुरुआती स्तर पर न्यूयॉर्क में कार्यक्रम की भी योजना बनाई जा रही है। सूत्रों का कहना है कि भागवत वहां भारतीय समुदाय को संबोधित कर सकते हैं। हालांकि कार्यक्रमों की आधिकारिक घोषणा अभी नहीं की गई है। बता दें मोहन भागवत इससे पहले वर्ष 2016 में ब्रिटेन गए थे। उस दौरान उन्होंने हिंदू स्वयंसेवक संघ के एक कार्यक्रम में हिस्सा लिया था। एचएसएस विदेशों में भारतीय संस्कृति, योग, सेवा कार्यों और पारिवारिक मूल्यों को बढ़ावा देने का काम करता है। यह यात्रा ऐसे समय में हो रही है जब इंटरनेशनल स्तर पर कई भू-राजनीतिक चुनौतियां बनी हुई हैं। भारतीय प्रवासी समुदाय के बीच भारत और भारतीय संस्कृति को लेकर संवाद बढ़ाने को भी इस दौरे का प्रमुख उद्देश्य माना जा रहा है।

केरल सीएम का आदेश: संघ के कार्यक्रम में शामिल कुलपति माफी मांगें

-पूर्व मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने गहरी चिंता जाहिर की

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। केरल के मुख्यमंत्री वी.डी.सतीशन ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के शताब्दी समारोह में तीन कुलपतियों के शामिल होने पर कड़ी आपत्ति जाहिर की है। उन्होंने इन कुलपतियों से सार्वजनिक माफी की मांग कर कहा कि उनका यह कृत्य उनके पद की गरिमा और केरल की स्थापित शैक्षिक परंपराओं के बिल्कुल विपरीत है। यह घटना तिरुवनंतपुरम में आरएसएस सरसंघचालक मोहन भागवत द्वारा संबोधित कार्यक्रम में हुई, जिसमें केरल, एमजी और मलयालम विश्वविद्यालयों के कुलपति मौजूद थे।

मुख्यमंत्री सतीशन ने सोशल मीडिया पोस्ट के माध्यम से भागीदारी को गंभीर चूक करार दिया। उन्होंने कहा कि केरल का समाज कुलपति जैसे सम्मानित पद का बहुत आदर करता है, और अति-सांप्रदायिक विचारों के प्रचारक आरएसएस नेता के कार्यक्रम में उनकी उपस्थिति से पद की गरिमा धूमिल हुई है। सतीशन ने स्पष्ट चेतावनी दी कि सांप्रदायिकता को बढ़ावा देने वाली किसी भी गतिविधि को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा, और तीनों कुलपतियों को अविलंब केरल की जनता से माफी मांगनी चाहिए।

इस मुद्दे पर विपक्ष के नेता और पूर्व मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने गहरी चिंता जाहिर की है। उन्होंने आरोप लगाया कि कुलपतियों की यह भागीदारी उच्च शिक्षा के क्षेत्र में संघ परिवार के प्रभाव को बढ़ाने के प्रयासों का स्पष्ट संकेत है। पूर्व सीएम विजयन ने कहा कि यह घटना धर्मनिरपेक्ष केरल के लिए बेहद गंभीर मामला है, क्योंकि विश्वविद्यालयों में संघ परिवार के एजेंडे को लागू करने की कोशिशों को लेकर पहले से आशंकाएं जाहिर की गई थीं। कुलपतियों की इस उपस्थिति ने इन चिंताओं को और अधिक बल दिया है, जिससे यह साफ होता है कि आरएसएस किस तरह उच्च शिक्षा संस्थानों पर अपनी पकड़ मजबूत करने की कोशिश कर रहा है। यह घटना केरल के राजनीतिक और शैक्षिक गलियारों में गरमागरम बहस का विषय बन गई है, जिसमें राज्य के धर्मनिरपेक्ष मूल्यों को चुनौती के रूप में देखा जा रहा है।

तृणमूल कांग्रेस में बगावत के बीच शत्रुघ्न सिन्हा को लेकर सस्पेंस

बागी सांसदों के पत्र और दावों के बीच अभिनेता ने दी सफाई

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की सत्ताधारी पार्टी तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) में मचे आंतरिक घमासान के बीच एक बेहद चौंकाने वाला मोड़ सामने आया है। रविवार को सांसद काकोली घोष दस्तीदार की अगुवाई में तृणमूल कांग्रेस के बागी सांसदों ने लोकसभा स्पीकर ओम बिरला से मुलाकात की और औपचारिक रूप से सूचित किया कि वे 'नेशनलिस्ट सिटिजन्स पार्टी ऑफ इंडिया (एनसीपीआई) में विलय करना चाहते हैं। बागियों ने लोकसभा अध्यक्ष से संसद के भीतर अपने गुट के लिए अलग बैठने की व्यवस्था करने की मांग की है। हालांकि, लोकसभा स्पीकर को पत्र सौंपने के दौरान सामने आई तस्वीरों ने एक नया विवाद खड़ा कर दिया है, क्योंकि वहां टीएमसी के केवल 17 बागी सांसद ही मौजूद दिखाई दे रहे हैं, जबकि काकोली घोष का दावा है कि उन्होंने कुल 20 बागी सांसदों के हस्ताक्षर वाला आधिकारिक पत्र सौंपा है। इस संख्या बल के विवाद के बीच ही एनसीपीआई के एक सोशल मीडिया कदम ने राजनीतिक हलकों में खलबली मचा दी है। एनसीपीआई ने अपने ऑफिशियल फेसबुक अकाउंट से आसनसोल के सांसद और दिग्गज अभिनेता शत्रुघ्न सिन्हा की तस्वीर साझा करते हुए उनके पार्टी में शामिल होने पर खुशी जताई। पार्टी ने अपने पोस्ट में लिखा कि नेशनल सिटिज़न्स पार्टी ऑफ़ इंडिया के परिवार में एक जाने-माने जननेता का हार्दिक स्वागत है। हमें पूरा विश्वास है कि आपका लंबा राजनीतिक अनुभव, जनसंपर्क और लोगों के प्रति प्रतिबद्धता हमारे संगठन को और मजबूत तथा समृद्ध बनाएगी। देश और जनता की भलाई के लिए मिलकर काम करते हुए, हम न्याय, समानता, पारदर्शिता और विकास वाला एक नया भारत बनाएंगे। इस पोस्ट के सामने आते ही यह बड़ा सवाल उठ खड़ा हुआ कि क्या शत्रुघ्न सिन्हा का भी मूड बदल चुका है और वह गुपचुप तरीके से बागी सांसदों के खेमे में शामिल होकर नई पार्टी का हिस्सा बन चुके हैं। हालांकि, इन तमाम कयासों और अटकलों पर खुद शत्रुघ्न सिन्हा ने पूर्ण विराम लगा दिया है। उन्होंने बेहद कड़े और स्पष्ट शब्दों में एलान किया है कि वह किसी भी परिस्थिति में अपनी पार्टी प्रमुख ममता बनर्जी का साथ नहीं छोड़ेंगे। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि उनके राजनीतिक जीवन के सबसे कठिन दौर में ममता बनर्जी उनके साथ मजबूती से खड़ी थीं, इसलिए आज उनका यह नैतिक दायित्व बनता है कि वह भी संकट के इस समय में अपनी नेता के साथ पूरी ताकत से खड़े रहें। बागी सांसदों की सूची में अपना नाम उछाले जाने की कोशिशों को सिरे से खारिज करते हुए शत्रुघ्न सिन्हा ने कहा कि उनका रुख बिल्कुल साफ है और वह अपना तीन लाइन का व्हिप जारी करते हुए घोषणा करते हैं कि वह तृणमूल कांग्रेस और ममता बनर्जी के साथ थे, हैं और आगे भी हमेशा रहेंगे। शत्रुघ्न सिन्हा ने स्वीकार किया कि सिनेमा और राजनीति के लंबे सफर के कारण विभिन्न राजनीतिक दलों में उनके बहुत से मित्र हैं, लेकिन इसका यह मतलब बिल्कुल नहीं निकाला जाना चाहिए कि वह अपनी निष्ठा बदल रहे हैं। उन्होंने बागी सांसदों पर तंज कसते हुए कहा कि कुछ लोग केंद्रीय जांच एजेंसियों के दबाव, डर या किसी बड़े प्रलोभन के कारण अपना रास्ता बदल सकते हैं, लेकिन वह अपने सिद्धांतों से कभी समझौता नहीं करेंगे। उन्होंने अपनी आसनसोल की जीत का पूरा श्रेय ममता बनर्जी, टीएमसी के कार्यकर्ताओं और वहां की जनता को दिया। सिन्हा ने खुलासा किया कि उन्हें भी बागी गुट में शामिल होने का निमंत्रण मिला था, लेकिन उन्होंने उसे ठुकरा दिया और वह भविष्य में भी ममता बनर्जी के सिपाही बने रहेंगे।

झारखंड राज्यसभा चुनाव : कांग्रेस की बढ़ी चिंता, विधायकों को एकजुट रखने की चुनौती

रांची (एजेंसी)। झारखंड में राज्यसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है। सत्तारूढ़ गठबंधन के लिए दोनों सीटों पर जीत सुनिश्चित करना आसान नहीं दिख रहा है। एक ओर झारखंड मुक्ति मोर्चा के उम्मीदवार बैजनाथ राम मैदान में हैं, वहीं कांग्रेस ने प्रणव झा को प्रत्याशी बनाया है। दूसरी तरफ भारतीय जनता पार्टी समर्थित निर्दलीय उम्मीदवार परिमल नाथवानी ने मुकाबले को त्रिकोणीय बना दिया है। राजनीतिक गलियारों में सबसे बड़ी चर्चा संभावित क्रॉस वोटिंग को लेकर है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और कांग्रेस नेतृत्व अपने विधायकों को एकजुट रखने की कोशिश में जुटे हैं। गठबंधन को आशंका है कि कुछ विधायक मतदान के दौरान अलग रुख अपना सकते हैं, जिससे चुनावी गणित प्रभावित हो सकता है। परिमल नाथवानी को भारतीय जनता पार्टी का समर्थन प्राप्त है और वे लगातार विभिन्न विधायकों से संपर्क साध रहे हैं। उनके मैदान में उतरने से कांग्रेस उम्मीदवार प्रणव झा के लिए मुकाबला और कठिन हो गया है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि राज्यसभा की दूसरी सीट पर सबसे दिलचस्प संघर्ष देखने को मिल सकता है। हालांकि इंडिया गठबंधन को वामपंथी विधायकों के समर्थन से कुछ राहत मिली है, लेकिन चुनावी समीकरण अब भी पूरी तरह स्पष्ट नहीं हैं। ऐसे में राज्यसभा चुनाव केवल संख्या बल का नहीं, बल्कि रणनीति और वोट प्रबंधन की परीक्षा बन गया है। मतदान के दिन सभी दलों की नजर अपने-अपने विधायकों की एकजुटता पर रहेगी।

संदीप पाठक जैसे नेता ने आप का साथ छोड़ दिया, पार्टी नेतृत्व भी हैरान

संजय सिंह बोले- संगठन के साथ दिल्ली-पंजाब की बड़ी जिम्मेदारी पाठक को दी थी

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी राघव चड्ढा बगावत कांड को अब तक समझ नहीं पाई है। पार्टी नेतृत्व अब भी हैरान है कि आखिर कैसे संदीप पाठक जैसे नेता ने साथ छोड़ दिया, जिन्हें संगठन में इतनी अहम जिम्मेदारी दी थी। राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने स्वीकार किया है कि उन्हें या पार्टी में किसी को इस बात का अहसास नहीं था कि संदीप पाठक ऐसा कदम उठा सकते हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एक पॉडकास्ट में तेजतर्रार नेता और आप सांसद संजय सिंह ने राघव चड्ढा के समेत सात सांसदों के पार्टी छोड़ने पर ज्यादा कुछ नहीं कहा लेकिन संदीप पाठक को लेकर बेहद हैरान नजर आए। उन्होंने अशोक मित्तल समेत कुछ राज्यसभा सांसदों को डराने और दबाव डालकर तोड़ने का आरोप लगाया है। संजय सिंह ने मरने दम तक उनके बीजेपी में ना जाने का दावा करते हुए राघव चड्ढा वाली बगावत पर जवाब दिया, आप यह उम्मीद नहीं कर सकते कि हर आदमी एक ही हौसले का होगा। अशोक मित्तल पर छापा पड़ा ईडी का, तीन दिन तक चलता रहा। उसके बेटे को प्रताड़ित किया गया, दबाव बनाया गया। चिट्ठी सामने रख दी गई साइन कर यदि बेटे को बचाना है तो। उनको डराया धमकाया गया, साइन करा लिया गया।

राघव चड्ढा और आप के बीच दरार काफी बढ़ गई थी और बगावत से एक महीने पहले जब उन्हें राज्यसभा में उपनेता के पद से हटाया गया था तभी यह साफ हो गया था कि राहें अब अलग होने वाली हैं। हालांकि, अचानक उनके साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस में दिखे राघव चड्ढा को लेकर सभी लोग हैरान रह गए थे। संजय सिंह ने खुद को भी इसी आश्चर्च में बताया। पाठक को लेकर किए गए सवाल पर उन्होंने कहा, संदीप पाठक क्यों गए वही बता सकते हैं। मुझे भी आश्चर्य हुआ संदीप पाठक के जाने से अफसोस हुआ।

संदीप पाठक को रोकने के सवाल पर संजय सिंह ने कहा कि इसकी भनक ही नहीं लगी। उन्होंने कहा कि रोकने की कोशिश तब होगी जब मैं जानूं कि आप जा रहे हो, या आपके मन में कुछ ऐसा है कि पार्टी छोड़ सकते हो। यह पूरी ईमानदारी से बता रहा हूं, इसमें कोई राजनीतिक चालबाजी नहीं कर रहा हूं। सीधे-सीधे बता रहा हूं कि कभी कोई एहसास भी नहीं हुआ तनिक भी कि ये पार्टी छोड़ सकते हैं। संदीप पाठक को नजरअंदाज किए जाने के सवाल पर सांसद सिंह ने कहा कि यह तो गलत बात है, संगठन के निर्माण की बड़ी जिम्मेदारी संदीप पाठक को दी गई थी। पंजाब और दिल्ली में जिम्मेदारी दी गई, राज्यसभा में दी गई। यह तो गलत है कि उनकी उपेक्षा हो रही थी। ऐसा नहीं था।

केन्द्रीय गृहमंत्री के पूर्व निजी सचिव डॉ राकेश मिश्रा का टोहाना पहूंचने पर भाजपा नेता बलदेव सैनी ने किया स्वागत

भीम प्रज्ञा न्यूज.टोहाना।

रजत विजय रंगा । केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह जी के पूर्व निजी सचिव एवं इंडियन एमेच्योर बॉक्सिंग फेडरेशन (आईएबीएफ) के राष्ट्रीय अध्यक्ष आदरणीय डॉ. राकेश मिश्रा जी का टोहाना रेलवे स्टेशन पर भाजपा ओबीसी मोर्चा फतेहाबाद के जिलाध्यक्ष बलदेव सैनी व जिला सचिव संकेत गर्ग ने गर्मजोशी से स्वागत एवं अभिनंदन किया गया।डॉ. राकेश मिश्रा जी पंजाब के मूनक में आयोजित राष्ट्रीय बॉक्सिंग प्रतियोगिता में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होने के लिए पहुंचे थे। इस अवसर पर बलदेव सैनी ने उन्हें पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया तथा उनके सफल नेतृत्व और खेलों के प्रति योगदान की सराहना की।बलदेव सैनी ने कहा कि डॉ. राकेश मिश्रा जी युवाओं को खेलों के प्रति प्रेरित करने और देश में बॉक्सिंग को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। उनका अनुभव और मार्गदर्शन खिलाड़ियों के लिए प्रेरणास्रोत है।इस अवसर पर उपस्थित कार्यकर्ताओं एवं गणमान्य व्यक्तियों ने भी डॉ. मिश्रा जी का स्वागत करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य एवं सफल कार्यक्रम के लिए शुभकामनाएं दीं।

राजद के कुनबे पर मंडराया टूट का संकट: क्या बिखरेंगे ताश के पत्तों की तरह?

पटना (एजेंसी)। बिहार की राजनीति में राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के विधायकों के सत्ताधारी दल से संपर्क में होने की अटकलें लगातार लगाती रहती हैं। राज्यसभा या विधान परिषद चुनावों से लेकर अविश्वास प्रस्तावों तक, अक्सर राजद और उसके सहयोगी दलों के कुछ विधायक अनुपस्थित रहकर या पाला बदलकर इन चर्चाओं को हवा देते हैं। बीते दिनों अविश्वास प्रस्ताव के दौरान चेतन आनंद, प्रहलाद यादव और नीलम देवी की अनुपस्थिति ने सवाल खड़े किए थे, वहीं राज्यसभा चुनाव में राजद के फैसल रहमान और कांग्रेस के तीन विधायकों की गैरमौजूदगी ने इन अटकलों को पुख्ता कर दिया। अब फिर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधान पार्षद जीवन कुमार ने इन चर्चाओं को हवा देकर विपक्षी गुट में हलचल मचा दी है।

भाजपा रणनीतिकारों के निशाने पर कई राजद विधायक हैं। इसमें ढाका विधानसभा सीट से राजद नेता फैसल रहमान का नाम प्रमुखता से सामने आ रहा है, जिन्होंने 2025 के विधानसभा चुनाव में भाजपा के पवन कुमार जायसवाल को मामूली अंतर से हराया था। सूत्रों के अनुसार, फैसल राजद से नाराज चल रहे हैं और मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के संपर्क में भी हैं। राज्यसभा चुनाव के दौरान उनकी एनडीए के प्रति वफादारी भी सार्वजनिक हो चुकी है, और माना जा रहा है कि वे सही समय का इंतजार में हैं। फैसल रहमान के साथ रहने वाले बिस्फी के विधायक आसिफ अहमद के बारे में भी चर्चाएं हैं, जिन्होंने भाजपा के हरिभूषण ठाकुर को हराया था।

इसके अतिरिक्त, वारसलीगंज विधायक अनीता महतो (अनिता कुमारी) भी भाजपा के सॉफ्ट टारगेट में हैं। अनीता की शादी अशोक महतो नामक अपराधी से हुई है, जो हाल ही में जेल से बाहर आए हैं। मुख्यमंत्री चौधरी से उनकी मुलाकात के बाद से ही पाला बदलने की अटकलें तेज हैं। गोह के विधायक अमरेंद्र कुशवाहा को लेकर भी चर्चाएं हैं, हालांकि उनकी ओर से सीधा झुकाव अभी तक नहीं दिखा है। लेकिन बदलते राजनीतिक परिदृश्य में कुशवाहा राजनीति के देखकर उनके रुख में बदलाव की संभावना से इंकार नहीं कर सकते है। बिहार विधानसभा चुनाव के बाद से ही राजद विधायकों के एनडीए के संपर्क में रहने की खबरें आती रही हैं, जिन्हें समय-समय पर चिराग पासवान और रामकृपाल यादव जैसे नेताओं ने भी हवा दी है। राज्यसभा चुनाव में इसका एक ट्रेलर भी दिखा था। इस बार इन चर्चाओं को अधिक विश्वसनीय माना जा रहा है, क्योंकि देशभर में क्षेत्रीय दलों में टूट की एक लहर-सी चल पड़ी है। पश्चिम बंगाल में 15 साल से सत्ता पर काबिज रही तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) जिस तरह बिखरी है, या महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे की शिवसेना में टूट के संकेत मिल रहे हैं, उससे राजद के बारे में चल रही अटकलों को और बल मिलता है। आम आदमी पार्टी के दो राज्यसभा सांसदों का भाजपा में जाना, फिर टीएमसी में टूट और अब शिवसेना (यूबीटी) में बिखराव के संकेतों को देखकर राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यदि बिहार में राजद में भी टूट होती है, तब यह कोई आश्चर्य की बात नहीं होगी। जानकार मानते हैं कि क्षेत्रीय दलों में पड़ रही यह दरारें राजद के लिए भी एक बड़ा संकट पैदा कर रही हैं।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक स्वामी मुद्रक एवं संपादक हरेश पंवार द्वारा शीतल प्रिंटिंग ऑफसेट, प्लॉट नंबर 245 , बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 से मुद्रित एवं प्रकाशित,
मुद्रक मीना, संपादक हरेश पंवार, भीम प्रज्ञा मीडिया हाउस, बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 मो. 9983040937, —mail bheempragya@gmail.com